बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
सोमवार 07 जुलाई 2025
आषाढ़ शुक्ल 10 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 282
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

नर्मदा खतरे से ऊपर बह रही, सामान्य जलस्तर से 4 फीट ऊपर बह रही नर्मदा नदी, निचले इलाकों में अलर्ट, शहडोल रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म तक भरा पानी

बरगी बांध के 9 गेट खुले

- शिवपुरी, मंडला में बाढ़, घरों-दुकानों में घुसा पानी, सड़कें बही, पुल टूटने से कई रास्ते बंद

-कटनी में सरस्वाही नदी उफान पर, कई गांवों का संपर्क टूटा, स्लीमनाबाद में 16 इंच से ज्यादा बारिश

भोपाल/जबलपुर। बारिश के स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से मध्यप्रदेश में बाढ़ के हालात हैं। जबलपुर में बरगी डैम के 9 गेट खोल दिए गए हैं। इसे लेकर जिला प्रशासन और बरगी बांध प्रबंधन ने नर्मदा नदी के निचले इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया है। शहडोल रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म तक पानी भर गया है। रेलवे ट्रैक पूरी तरह से डूब गया है। मंडला और डिंडौरी जिलों में हो रही तेज बारिश के चलते इन दिनों नर्मदा नदी उफान पर है। अपस्ट्रीम में नर्मदा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे बरगी बांध में पानी की आवक भी तेजी से हो रही है। जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए बांध प्रबंधन ने पानी छोड़ने का निर्णय लिया है। शिवपुरी और मंडला जिलों में बीते 24 घंटों से हो रही तेज बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। शिवपुरी के कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए, घरों और खेतों में पानी घुस गया। वहीं मंडला में भी नदी-नाले उफान पर हैं, सड़कें और पुल बहने से आवाजाही ठप हो गई है।

नर्मदापुरम में बारिश का दौर जारी है। नरसिंहपुर जबलपुर मंडला क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश की वजह से नर्मदा नदी में तीन से चार फीट पानी बढ़ गया है। नर्मदापुरम में सेठानी घाट पर नर्मदा नदी सामान्य जलस्तर से 4 फीट ऊपर बह रही है। आज जिले में मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया है। बरगी डैम से 5,000 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है। इससे नर्मदा नदी का जलस्तर 4 से 5 फीट तक बढ़ सकता है। इस वजह से जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, हरदा, खंडवा, खरगोन, धार, बड़वानी और अलीराजपुर जैसे जिलों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। प्रशासन ने लोगों को नदी किनारे न जाने की सलाह दी है। जबलपुर के बरगी डैम के गेट इस साल 23 दिन पहले ही 9 गेट खोलने पड़े। रविवार को दोपहर 12 बजे बरगी डैम से पानी छोड़ा गया। डेम के गेट खोले जाने को लेकर जिला प्रशासन और बरगी बांध प्रबंधन ने नर्मदा नदी के निचले इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया है। दरअसल, मंडला और डिंडौरी जिलों में हो रही तेज बारिश के चलते इन दिनों नर्मदा नदी उफान पर है। अपस्ट्रीम में नर्मदा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे बरगी बांध में पानी की आवक भी तेजी से हो रही है। जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए बांध प्रबंधन ने पानी छोड़ने का निर्णय लिया है। कटनी में साउथ रेलवे स्टेशन के रास्ते पर तीन फीट तक पानी भरा हुआ है। आर्डिनेंस फैक्ट्रीकर्मियों को लंबा फेरा लगाना पड़ रहा है। कुछ कर्मचारी पानी में से ही निकल रहे हैं। शहडोल जिला अस्पताल के सर्जिकल वार्ड समेत तीन वार्डों में पानी भर गया है। जिले में 36 घंटे से लगातार तेज बारिश हो रही है। शहडोल से छत्तीसगढ़ जाने वाला रायपुर-पड़रिया मार्ग बंद हो गया है। यहां पोंडा नाला उफान पर है। नाले में कार बह गई। स्थानीय लोगों ने पानी में कूद कर कार सवारों की जान बचाई। शहडोल रेलवे पुलिस स्टेशन में पानी भर गया। थाने में रखे दस्तावेज, कम्प्यूटर, रिकॉर्ड फाइलें और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को नुकसान पहुंचा है। पुलिसकर्मी बाल्टी से पानी निकाल रहे हैं।

जोहिला के 4, और सतपुड़ा डैम का एक गेट खोला

उमरिया में संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के जोहिला डैम के रविवार दोपहर को 4 गेट खोल दिए गए। इससे पहले एक गेट से पानी छोड़ा जा रहा था। उमरिया के बिरसिंहपुर पाली में बारिश में सड़कों पर पानी भरने लगा है। उधर, बैतूल में सतपुड़ा बांध का एक गेट सुबह साढ़े 5 बजे तक खुला रहा, जिसे बाद में बंद कर दिया गया। नर्मदापुरम के इटारसी और आसपास के क्षेत्रों में लगातार बारिश का दौर जारी है। तवा डैम के एसडीओ एन के सूर्यवंशी ने बताया, डैम का जलस्तर अभी 1125.60 फीट है।

बस फिसलकर नदी में गिरी, 3 की मौत

महाराष्ट्र के जलगांव जिले के आमोदा गांव के पास एक निजी बस पुल से नीचे मोर नदी में गिरी गई। यह बस मध्य प्रदेश के इंदौर से भुसावल (महाराष्ट्र) जा रही थी। हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत की खबर मिली है, जबकि 25 से ज्यादा यात्री घायल बताए जा रहे हैं। यह हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ जब बस पुल पर चढ़ते समय नियंत्रण हो गई और बैरिकेट तोड़ते हुए सीधे नदी में जा गिरी। गनीमत रही कि नदी में पानी नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। जानकारी के मुताबिक स्थानीय ग्रामीण और पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटनाग्रस्त बस एमपी 09-9009 को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। इस हादसे के बाद मोर नदी पर बने पुल की सुरक्षा और सड़क की हालत पर सवाल उठने लगे हैं।

मड़ीखेड़ा और मोहिनी सागर बांध के गेट खुले

नदियों और नालों में जलस्तर बढने् से शिवपुरी जिले के मड़ीखेड़ा और मोहिनी सागर बांध में पानी की आवक तेज हो गई है। जलस्तर बढने् के कारण दोनों बांधों के गेट खोलकर करीब 951 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इससे सिंध नदी उफान पर आ गई है। सिंध नदी का जलस्तर बढने् से सेवढ़ा कस्बे में स्थित पुल पर पानी आ गया है। नदी पुल के ऊपर से बह रही है, जिससे सेवढ़ा-भिंड मार्ग पूरी तरह ठप्प हो गया है। भिंड, सेवढ़ा और आसपास के दर्जनों गांवों का आपसी संपर्क टूट गया है।

खास खबर

अंडमान सागर में भूकंप के झटके

अंडमान। अंडमान सागर में रविवार सुबह रिक्टर स्केल पर 4.5 तीव्रता वाला भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप सुबह 7ः03 बजे समुद्र की गहराई में महसूस किया गया। यह जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) द्वारा जारी की गई है। जानकारी अनुसार भूकंप का एपिसेंटर 6.60अक्षांश नॉर्थ और 95.05 देशांतर ईस्ट पर स्थित था। यह झटका समुद्र की सतह से 10 किलोमीटर गहराई में उत्पन्न हुआ, जो सामान्य गहराई के भूकंपों की श्रेणी में आता है। अब तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या सुनामी खतरे की सूचना नहीं है। प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। क्षेत्रीय भूकंपीय निगरानी सिस्टम और तटीय सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के आसपास का इलाका भूकंपीय दृष्टि से बेहद सक्रिय माना जाता है। यह क्षेत्र इंडो-ऑस्ट्रेलियन और बर्मा टेक्टोनिक प्लेट्स के जंक्शन पर स्थित है, जहां अक्सर हल्के या मध्यम भूकंप आते रहते हैं। हालांकि यह झटका समुद्र में आया और किसी प्रभाव की खबर नहीं है, फिर भी विशेषज्ञों ने लोगों से सतर्क रहने और भ्रामक सूचनाओं से बचने की अपील की है।

भारत की 94 करोड़ आबादी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में

नई दिल्ली। भारत में लगभग 94 करोड़ आबादी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आती है। भारत की जनसंख्या के अनुसार इसका अनुपात 64.3 होता है। चीन में सामाजिक सुरक्षा के दायरे में 70 फ़ीसदी आबादी आती है। इस हिसाब से चीन पहले स्थान पर है। भारत दूसरे स्थान पर है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा मनरेगा तथा 80 करोड लोगों को मुफ़्त अनाज बांटने की योजना को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में शामिल नहीं किया है। श्रम मंत्रालय के अनुसार मनरेगा और पीएम गरीब अन्न कल्याण योजना को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में नहीं रखा गया है। इसमें नगद भुगतान नहीं है। अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार इसे सामाजिक सुरक्षा नहीं माना जा सकता है।

रॉयटर्स की सेवाएं बंद या अकाउंट ब्लॉक करने की जरुरत नहीं

नई दिल्ली। भारत में अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी रॉयटर्स का एक्स अकाउंट ब्लॉक होने की खबर के बाद केंद्र ने स्थिति साफ की है। केंद्र सरकार ने कहा है कि रॉयटर्स की सेवाएं बंद करने या अकाउंट ब्लॉक करने की कोई जरुरत नहीं है और इस मामले में कोई औपचारिक आदेश भी नहीं दिया गया है। भारत में कई यूजर्स ने देखा कि रॉयटर्स का एक्स हैंडल अब इस देश में उपलब्ध नहीं दिखा रहा है। यह तब हुआ है जब हाल के दिनों में कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स को लेकर भारत सरकार और कुछ संस्थानों के बीच मतभेद उभरकर सामने आए हैं। सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार ने रॉयटर्स का एक्स अकाउंट ब्लॉक करने का कोई निर्देश नहीं दिया है। हमें इसे रोकने की कोई जरुरत नहीं है। यह तकनीकी समस्या हो सकती है या एक्स प्लेटफॉर्म का अपना फैसला। अब तक रॉयटर्स की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है कि उनका अकाउंट भारत में क्यों ब्लॉक हुआ और क्या यह प्लेटफॉर्म-स्तरीय तकनीकी खामी है या किसी नियम उल्लंघन से जुड़ा मुद्दा। बता दें रॉयटर्स की गिनती दुनिया की सबसे बड़ी और भरोसेमंद समाचार एजेंसियों में होती है।

मंडी में फिर फटे बादल, 9 जिलों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी

हिमाचल में 269 सड़के, 285 बिजली ट्रांसफॉर्मरों और 278 पेयजल योजनाओं ठप

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बारिश तबाही मचा रही है। मंडी में एक बार फिर बादल फटा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के रविवार को जारी रेड अलर्ट के बीच सुबह से राज्य के ज्यादातर हिस्सों में मूसलाधार बारिश हो रही है। मंडी, कांगड़ा और सिरमौर जिलों में बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि शिमला, सोलन और हमीरपुर समेत 9 जिलों में अगले 24 घंटे के लिए फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की गई है।

इस बीच मंडी जिला में फिर बादल फटने से दहशत फैला गई। पधर उपमंडल की टिक्कन पंचायत के सिलबधानी गांव में बीती देर रात बादल फटा, जिससे स्थानीय नाले में बाढ़ आ गई और दो पुलियां बह गईं। इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। प्रशासन की टीम क्षति का आकलन कर रही है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश कांगड़ा जिला के नगरोटा सुरियां में 102 मिमी दर्ज की गई। इसके अलावा ऊना में 62 मिमी, धर्मशाला में 61 मिमी, कटुआला और घमरूर में 40-40 मिमी, बरठीं में 38, सुजानपुर टीहरा में 36, भराड़ी में 35, नादौन में 30 और मंडी में 21 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

मौसम विभाग ने रविवार के लिए कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि सोमवार को बहुत भारी बारिश का ओरेंज अलर्ट जारी किया है। 8 से 10 जुलाई तक येलो अलर्ट और 11 व 12 जुलाई को सामान्य बारिश की संभावना जताई है। लगातार बारिश से राज्य में जनजीवन अस्त-व्यस्त है। आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक रविवार सुबह तक प्रदेश में 269 सड़कों, 285 बिजली ट्रांसफॉर्मरों और 278 पेयजल योजनाओं पर असर पड़ा है। अकेले मंडी जिले में 200 सड़कें, 236 ट्रांसफॉर्मर और 278 जल योजनाएं ठप पड़ी हैं। यह जिला इस समय सबसे ज्यादा प्रभावित है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 20 जून से 5 जुलाई के बीच हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और सड़क हादसों में अब तक 74 लोगों की मौत हो चुकी है। 115 घायल हैं, जबकि 37 लोग अभी भी लापता हैं। इस अवधि में राज्य को 566 करोड़ रुपए से ज्यादा की जनधन हानि का सामना करना पड़ा है। मंडी जिले में 30 जून की रात बादल फटने की 12 घटनाओं में 14 लोगों की जान चली गई और 31 लोग लापता हो गए। कांगड़ा जिले में 13 मौतें हुई हैं, जिनमें 7 भूस्खलन और 2 बादल फटने से हुईं। प्राकृतिक आपदाओं के चलते 19 मकान पूरी तरह ध्वस्त, 93 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त, 213 पशुशालाएं और 21 दुकानें बर्बाद हो चुकी हैं।

सीए परीक्षा के नतीजे घोषित, मुंबई-ठाणे के छात्रों ने बाजी मारी

मुंबई। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की ओर से मई 2025 में आयोजित सीए फाइनल, इंटरमीडिएट और फाउंडेशन परीक्षाओं के नतीजे रविवार को घोषित किए गए। इसमें मुंबई और ठाणे के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान हासिल किया है। सीए फाइनल परीक्षा में मुंबई के राजन काबरा ने 600 में से 516 अंक हासिल कर देश में पहला स्थान हासिल किया है। जबकि कोलकाता की निशिता बोथ्रा ने 503 अंक हासिल कर दूसरा स्थान हासिल किया, वहीं मुंबई के मानव शाह ने 493 अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। ग्रुप 1 में 66,943 छात्र फाइनल परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 14,979 छात्र पास हुए। पास प्रतिशत 22.38 प्रतिशत है। जबकि ग्रुप 2 में

46,173 छात्रों में से 12,204 छात्र पास हुए (26.43 प्रतिशत)। दोनों ग्रुप से परीक्षा देने वाले 29,286 छात्रों में से 5,490 छात्र पास हुए, जो 18.75 प्रतिशत का पास प्रतिशत है।

- सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में मुंबई की दिशा गोखरू देशभर में टॉप

सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में मुंबई की दिशा गोखरू ने 600 में से 513 अंकों के साथ देशभर में टॉप किया। संदीप देवीदान 503 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि जयपुर के यामिश जैन और उदयपुर के निलय डांगी 502 अंकों के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। ग्रुप 1 के 97,034 छात्रों में से 14,232 छात्र पास हुए (14.67 प्रतिशत)। ग्रुप 2 से परीक्षा देने वाले 72,069 छात्रों में से 15,502 छात्र पास हुए (21.51 प्रतिशत), जबकि दोनों ग्रुप के 38,029 छात्रों में से 5,028 पास हुए, जो 13.22 प्रतिशत का पास प्रतिशत है।

- सीए फाउंडेशन परीक्षा में गाजियाबाद की वृंदा अग्रवाल देशभर में प्रथम स्थान पर

देशभर के 551 केंद्रों पर आयोजित सीए फाउंडेशन परीक्षा में गाजियाबाद की वृंदा अग्रवाल ने 400 में से 362 अंक प्राप्त कर देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उसके बाद मुंबई के यज्ञेश नारकर ने 359 अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि मुंबई से सटे ठाणे जिले के डोंबिवली के शार्दुल विचारे ने 358 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस परीक्षा में कुल 82,662 छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 12,474 छात्र उत्तीर्ण हुए और कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 15.09 प्रतिशत रहा। इनमें से 16.26 प्रतिशत लड़के और 13.80 प्रतिशत लड़कियां थीं। इन परिणामों ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि चार्टर्ड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में मुंबई और ठाणे के छात्रों की तैयारी और गुणवत्ता देश में सर्वश्रेष्ठ है। उम्मीद है कि भविष्य के वित्तीय विशेषज्ञों का यह नया बैच देश की आर्थिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

शिवराज-खट्टर समेत 6 चेहरे भाजपा अध्यक्ष की रेस में

संगठनात्मक अनुभव के साथ जातीय-क्षेत्रीय समीकरण देखे जा रहे; केंद्रीय चुनाव समिति का गठन जल्द

नई दिल्ली। भाजपा जल्द ही नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। भाजपा नए अध्यक्ष के लिए 6 नामों पर विचार कर रही है, इनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव और धर्मेंद्र प्रधान शामिल हैं। वहीं, भाजपा महासचिव सुनील बंसल और विनोद तावड़े भी रेस में बताए जा रहे हैं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए तीन मुख्य बातों-संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, जातीय समीकरण को ध्यान में रख रही हैं। जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए एक केंद्रीय चुनाव समिति का गठन हो सकता है। यदि चुनाव की जरूरत पड़ती है तो यह समिति नामांकन, जांच और मतदान की प्रक्रिया की पूरी करेगी। बतौर

राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 को खत्म हो है। वह एक्सटेंशन पर हैं। वहीं, वह केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं, इस वजह से भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है।

भाजपा के 37 में से 26 प्रदेश अध्यक्ष चुने गए

पार्टी संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50 प्रतिशत राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुनने के बाद ही होता है। फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त स्टेट यूनिट हैं। इनमें से 26 राज्यों में अध्यक्ष चुने जा चुके हैं। भाजपा ने जुलाई के शुरुआत 2 दिन में 9 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुने। इसके बाद से राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। पार्टी ने 1-2 जुलाई को 9 राज्यों (हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दमन दीव और लद्दाख) में प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव किया।

मध्यप्रदेश में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी, राजौरा की जगह नीरज मंडलोई बने मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव

भोपाल। मध्यप्रदेश में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी के तहत कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के दायित्व में बदलाव किया गया है। राजेश राजौरा की जगह अब नीरज मंडलोई को मुख्यमंत्री का अपर मुख्य सचिव बनाया गया है। नीरज मंडलोई अभी ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनके पास ऊर्जा विभाग और लोक सेवा प्रबंधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार रहेगा।

रविवार रात को सरकार ने प्रदेश के 9 आईएएस अफसरों के ट्रांसफर आदेश जारी किए है। राजेश राजौरा के पास नर्मदा घाटी विकास विभाग में अपर मुख्य सचिव की जिम्मेदारी बनी रहेगी। जून 2024 में

DR RAJESH RAJORA, IAS | NEERAJ MANDLOI, IAS

राजेश राजौरा को मुख्यमंत्री सचिवालय में अपर मुख्य सचिव बनाया गया था।

सामान्य प्रशासन विभाग से जारी आदेश में सामान्य प्रशासन विभाग के एसीएस संजय दुबे को नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग में अपर मुख्य सचिव बनाया गया है। उन्हें आईटी विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। जबकि नगरीय विकास एवं आवास विभाग के एसीएस संजय शुक्ला को एसीएस सामान्य प्रशासन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। कर्मचारी चयन मंडल का अतिरिक्त प्रभार डीपी आहूजा पीएस मछुआ कल्याण को पीएस सहकारिता विभाग बनाया गया है। कृषि सचिव एम सेलवेंद्रम को सामान्य प्रशासन विभाग में सचिव बनाया गया है। उच्च शिक्षा आयुक्त निशांत वरवड़े को कृषि विभाग में सचिव बनाया गया। लोक सेवा आयोग से प्रबल सिपाहा को उच्च शिक्षा आयुक्त बनाया गया। राखी सहाय को सचिव मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग बनाया गया है।

सरकारी बंगला खाली नहीं कर रहे पूर्व चीफ जस्टिस चंद्रचूड़

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ से उनका आधिकारिक आवास खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। सूत्रों के मुताबिक, कोर्ट प्रशासन ने केंद्रीय आवास मंत्रालय को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि बंगला नंबर 5, कृष्णा मेनन मार्ग को तुरंत सुप्रीम कोर्ट के हाउस पूल में वापस लिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने कहा कि यह कार्रवाई इसलिए की जा रही है क्योंकि जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ नियम 3बी के तहत निर्धारित समय से अधिक समय तक रुके रहे हैं। उन्हें बनाए रखने का अनुरोध दोनों पहले ही समाप्त हो चुके हैं।

नवंबर 2024 में रिटायर हुए थे चंद्रचूड़

भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हुए थे। सीजेआई चंद्रचूड़ को दी गई आवासन की अनुमति 31 मई 2025 को समाप्त हो गई थी, और 2022 नियमों के नियम 3बी में प्रदान की गई छह महीने की अवधि 10 मई, 2025 को समाप्त हो गई है। इसके बावजूद, वे अब भी उस बंगले में रह रहे हैं, जिसे सुप्रीम कोर्ट प्रशासन नियमों का उल्लंघन मान रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अब और देरी न करते हुए बंगले का तत्काल कब्जा लिया जाना आवश्यक है, ताकि इसे फिर से सुप्रीम कोर्ट के कार्यात्मक उपयोग में लाया जा सके।

तेलंगाना में काम के घंटे 8 से बढ़कर 10 घंटे

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने निजी संस्थानों में काम के 2 घंटे बढ़ा दिये है। अब 8 घंटे की जगह 10 घंटे कर्मचारियों से काम लिया जा सकेगा। तेलंगाना सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। यह अधिसूचना निजी संस्थानों पर ही लागू होगी।

अधिसूचना के अनुसार सप्ताह में 48 घंटे से अधिक काम कराने की दशा में कर्मचारियों को ओवरटाइम का भुगतान करना पड़ेगा। एक सप्ताह में केवल 48 घंटे ही काम कराया जा सकता है। 6 घंटे के बाद 30 मिनट का ब्रेक अनिवार्य रूप से दिए जाने का प्रावधान सरकार ने अधिसूचना में रखा है। किसी भी कार्य अवधि में 12 घंटे से अधिक का काम नहीं कराया जा सकता है। इस अधिसूचना के नियम दुकानों पर लागू नहीं होंगे। इस अधिसूचना के जारी होने के बाद सभी कल कारखाने और बड़े संस्थानों में कर्मचारियो से 10 घंटे तक काम कराया जा सकता है।

पावनी नगर पहुंच मार्ग कीचड़ में तब्दील

वार्ड वासियों को आवागमन में हो रही परेशानी ,हर वर्ष वार्डवासी पैसा जमा कर करवाते हैं मार्ग की मरम्मत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बीते कुछ वर्षों से शहर के वार्ड क्रमांक 4 पावनी नगर पहुंच मार्ग कच्चा है । जिसे अभी तक पक्का रोड नहीं बनाया गया है। हर वर्ष बरसात आते ही पावनी नगर के वार्ड वासियों को यहां से आवागमन करने में बहुत अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस वर्ष पुनः बरसात आते ही मार्ग पूरा दलदल में तब्दील होता जा रहा है । यहां से स्कूल जाने आने वाले बच्चों सहित दो पहिया , चौपहिया वाहन भी बहुत परेशानी से निकल रहे हैं । वार्ड पार्षद को कई बार वार्ड वासियों द्वारा इस समस्या से अवगत कराया गया, किंतु कोई भी इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है। कुछ वार्ड वासियों ने तो यह भी बताया कि हर वर्ष वह वार्ड में पैसा जमा कर मार्ग पर गिट्टी आदि कंक्रीट डलवाते हैं ।

आपको बता दे कि वर्षा के दिनों में कच्चे मार्ग का कीचड़ और दलदल में तब्दील होना आम है, लेकिन अगर यही परेशान महिलाओं और बच्चों को अपने घरों में कैद कर दे, तो जिम्मेदारों की भूमिका पर सवाल खड़े होना लाजमी हो जाता है। इन दिनों ऐसी ही परेशानियों का नपा बालाघाट के वार्ड-चार के पावनी नगर और देवनगर के रहवासी सामना कर रहे हैं। समय पर टैक्स जमा कर नपा के खजाने को भरने वाले रहवासी लंबे समय से पक्की सड़क की राह ताक रहे हैं। ये दोनों कालोनी छह-सात साल पुरानी है, लेकिन कई बार के निवेदन और मांग के बाद भी यहां कच्ची मार्ग को उद्धार नहीं हो सका। इस साल वर्षा ने दोनों कालोनियों के करीब 500 रहवासियों का घर पहुंचना या घर से बाहर जाना बेहाल कर दिया है। पावनी और देवनगर बैहर रोड से लगे हैं। पावनी नगर के लिए देवटोला नहर के बगल से कच्चा मार्ग है, जिसे पीडब्ल्यूडी ने डायवर्जन रोड के रूप में कोसमी से जोड़ने के लिए महीनेभर पहले चौड़ा किया था। यहां डामर रोड बननी थी, लेकिन काम रुकने से ये कच्चा मार्ग अब दलदल में बदल चुका है। रहवासी मजबूरीवश देवनगर के कच्चे मार्ग से पावनी नगर पहुंच रहे हैं, लेकिन इस मार्ग में वाहनों की संख्या बढ़ने से देवनगर का भी कच्चा मार्ग दलदल में बदल चुका है। दोनों मार्ग जर्जर और कीचड़ में बदलने के बाद सबसे ज्यादा परेशानी दोनों कालोनियों में रहने वालीं महिलाओं और बच्चों को झेलनी पड़ रही है। महिलाएं कीचड़ वाले मार्ग से गाड़ी चलाने में असमर्थ महसूस कर रही हैं। बदहाल रोड की हालत का ऐसा आलम है कि यहां से परिवार को लेकर बाइक चलाना असंभव हो गया है। चौपहिया वाहन आए दिन कीचड़ में फंस रहे हैं। सुबह बच्चों को लेने आने वाली स्कूल वैन के पहिये भी दलदल में तब्दील रोड में फंस रहे हैं। इसके कारण कई बार बच्चे देरी से स्कूल पहुंच रहे हैं। स्कूल की छुट्टी के बाद बच्चों का खेलकूद भी लगभग बंद हो गया है।

वर्षा के कारण मार्ग दलदल में तब्दील

देवटोला नहर के बगल से जब पीडब्ल्यूडी ने संकरे कच्चे मार्ग का चौड़ाकरण शुरू किया, तब पावनी नगर के रहवासियों ने राहत की सांस ली थी। उम्मीद जागी कि उन्हें हर साल वर्षा में होने वाली परेशानी से निजात मिलेगी, लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था। अतिक्रमण हटाकर चौड़ीकरण के बाद वर्षा से ऐन पहले पीडब्ल्यूडी ने काम रोक दिया। अब वर्षा के कारण ये मार्ग दलदल में बदल चुका है। दो व चार पहिया वाहन कीचड़ में फंस रहे हैं। यही वजह है कि इस मार्ग से पावनी नगर के लोगों ने आना-जाना ही बंद कर दिया है।

इस वर्ष मार्ग कि हालत बद से बदतर हो गई है - निर्मला सोनवाने

रहवासी निर्मला सोनवाने बताती हैं कि हर साल वर्षा में पावनी नगर पहुंच मार्ग की हालत खराब होती है, लेकिन इस साल हालत बद से बदतर हो गई है। रोड का काम रुकने के कारण मजबूरीवश देवनगर से होते हुए मेन रोड तक आना पड़ रहा है, लेकिन वो मार्ग भी खराब हो गया है।

हर वर्ष पैसे एकत्र कर कच्चे मार्ग में गिट्टी डलवाते हैं - राधिक पांचे

रहवासी राधिक पांचे बताती हैं कि पावनी नगर और देवनगर के रहवासी हर साल पैसे एकत्र कर कच्चे मार्ग में कवेलू की टुकड़न, गिट्टी आदि डलवाते हैं। कई बार नगर पालिका और वार्ड पार्षद को रोड की हालत सुधारने कहा गया, लेकिन नपा से किसी तरह की मदद नहीं मिली।

ग्राम लिंगा लोहरा स्थित आस्ताना वारिस पाक में ''यादें हुसैन'' कार्यक्रम सम्पन्न

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) । जिला मुख्यालय बालाघाट से लगभग दस किलोमीटर दूर दक्षिण दिशा में स्थित ग्राम लिंगा लोहरा की ऐतिहासिक और सूफियाना पहचान रखने वाली पहाड़ी पर बने आस्ताना वारिस पाक में मुहर्रम पर्व पर यादे हुसैना कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।जहां प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मोहर्रम पर्व के अवसर पर तीन दिवसीय ''यादें हुसैन'' कार्यक्रम का आयोजन पूरी धार्मिक आस्था, इस्लामी परंपराओं, मजहबी रिवायतों और गंगा-जमुनी तहजीब के प्रतीक स्वरूप साम्प्रदायिक सौहार्द के साथ सम्पन्न हुआ ।इस आयोजन की अगुवाई आस्ताना

के प्रमुख व सज्जादा नशीन हजरत आजाद शाह वारिस ने की ।कार्यक्रम के दौरान आस्ताने में बड़ी संख्या में अकीदतमंद, ग्रामीणजन और शहर से आए हुए श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजन के दौरान सभी के लिए शरबत और लंगर की सेवा दिनभर निरंतर चलती रही, जिसमें हर वर्ग और सम्प्रदाय के लोगों ने भाग लिया। यह आयोजन केवल एक मजहबी रस्म न होकर सामाजिक समरसता और इंसानियत के पैगाम का भी जीवंत उदाहरण रहा ।तीन दिन चलने वाले इस कार्यक्रम के अंतिम दिन विशेष दुआओं का आयोजन किया गया, जिसमें अमन-चैन, भाईचारे, समाज की खुशहाली और देश की सलामती के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई।

वारिस टेकरी दरगाह से नगर पहुंचा संदल

कौमी एकता की मिसाल वारिस पिया दरगाह में भी मुहर्रम पर्व पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन देखे गए ।जहां अलम, तकरीर, व लंगर का आयोजन कर ताजिए का भ्रमण कराया कराकर शहीदाना ए कर्बला को याद किया गया। वहीं रविवार की शाम वारिस टेकरी दरगाह से संदल निकाला गया जो या वारिस हक वारिस की सदाएं बुलंद कर मेन रोड स्थित हक्कू शाह बाबा की दरगाह पहुंचा। जहां वारिस टेकरी दरगाह के सरपरस्त हजरत आजाद शाह वारसी सहित संदल में शामिल अकीदतमन्दो ने हक्कू शाह बाबा की दरगाह पर चादर और अकीदतो के फूल पेश किए, वहीं सलातो सलाम का नजराना पेश कर हजरत आजाद शाह वारसी ने देश व दुनिया की तमाम मखलुकात के लिए दुआएं की ,वहीं जिले और मुल्क में अमन चैन शांति आपसी भाईचारे और कौमी एकता की दुआएं कर, देर शाम यहां संदल पुनः वारिस पिया दरगाह की और रवाना हुआ जहां वारिस टेकरी दरगाह पहुंचकर संदल का समापन किया गया।

नाला पार करते पानी के तेज बहाव मे बह गए गुरूजी, पानी मे डूबने से हो गई मौत

किरनापुर (पद्मेश न्यूज) । क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कंडरा से कोदोबर्रा के बीच नाले में ग्राम कोदोबर्रा निवासी जेहरू सिंह सैयाम सुबह नाला पार करते समय नाले के तेज बहाव मे असंतुलित होकर डूब गए जिससे उनकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जेहरू सिंह सैयाम शासकीय माध्यमिक शाला किन्हीं मे शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। रविवार को सुबह के समय वे अपने भाई के साथ खेत गए हुए थे। नाले के पार ग्राम कंडरा की तरफ उनकी खेती हैं। अपने गांव कोदोबर्रा से ग्राम कंडरा नाला पार कर आ गए ।जब वे आए तो हल्की बारिश से नाले में पानी का बहाव कम था। वापसी 8 बजे से 8ः30 बजे के दौरान नाला पार करते समय वे पानी के तेज बहाव मे बह गये। बताया गया कि जंगल और पहाड़ों में तेज बारिश हो रही थी वापसी के दौरान जेहरू सिंह का भाई ने नाला पार कर लिया उसके

पीछे पीछे जेहरू सिंह आ रहे थे कि नाला पार करते समय अचानक पानी का तेज बहाव आ गया और असंतुलित होकर जेहरू सिंह सैयाम बह गए जिसे उनके भाई ने पकड़ने का प्रयास किया किंतु वे उसे नहीं पकड़ पाएं। गांव पहुंचकर गुरुजी के भाई ने जेहरु सिंह सैयाम के नाले में बह जाने की सूचना दी। तब अन्य परिजन भी गांव वालो के साथ नाले में जेहरू सिंह सैयाम को खोजते रहे। किन्ही पुलिस चौकी में भी सूचना दी गई ।लगभग तीन से चार बजे के बीच गुरुजी की लाश घटना स्थल से लगभग आधा किमी दूरी से गोताखोरों द्वारा बरामद की गई। पुलिस ने मृतक की लाश को पोस्टमार्टम के लिए किरनापुर अस्पताल भिजवाया, किन्तु पोस्टमार्टम नही हो पाया। सोमवार को मृतक जेहरु सिंह सैयाम का पोस्टमार्टम होने की बात कही जा रही हैं।

दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया का लांजी में आयोजित शिविर संपन्न

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) । भारतीय बौद्धो की सर्वोच्च धार्मिक संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया के माध्यम से शिलवान समता मूल समाज निर्माण का कार्य 24 प्रकार के धम्म प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन कर किया जा रहा है। इसी कड़ी में 5 जुलाई को लांजी मुख्यालय के बुद्ध विहार में आयोजित शिविर का विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर समापन किया गया ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं केन्द्रीय प्रशिक्षण विभाग उप प्रमुख मुंबई प्रशिक्षक सरोदे गुरूजी ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि निर्वाण अर्थात दुख से मुक्ति होता है ।वही शिविर का उदघाटन करते हुये अध्यक्ष मप्र. राज्य शाखा दक्षिण के प्रमुख डॉ. चरनदास ढेंगरे ने बताया कि समाज को शीलवान बनान एवं समता मूलक समाज का निर्माण करने का कार्य संस्था के द्वारा निरंतर किया जा रहा है ।तहसील अध्यक्ष प्रमोद भिमटे की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में, राजकपुर कामडे प्रदेश सचिव कार्याल, खुशीयाल मेश्राम जिला उपाध्यक्ष, के.के.भालाधरे जिला सचिव, शशी बौद्ध मेडम, धर्मशील मेश्राम मेडम, प्रज्ञा महिला मंडल, एम.के.बौद्ध पूर्व जिला उपाध्यक्ष ,तहसील, विभिन्न क्षेत्र के सर्कल व ग्राम एवं अन्य शाखओ से भारी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के ग्राम जैतपुरी में लगाया गया जन समस्या निवारण शिविर

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) । 05 जुलाई 2025 को बैहर विकासखंड के नक्सल प्रभावित एवं दूरस्थ क्षेत्र के ग्राम जैतपुरी में जन कल्याण समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बालाघाट रेंज के पुलिस महानिरीक्षक संजय कुमार, कलेक्टर श्री मृणाल मीणा, बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता, सहायक कलेक्टर श्री आकाश अग्रवाल, स्थानीय जनप्रतिनिधि गुड्डा मरकाम, सुश्री सोनाली कुशराम एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे। शिविर में अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं को सुना गया और उन्हें शासन की योजनाओं के बारे में बताया गया। इस दौरान ग्रामीणों को अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना की जानकारी दी गई। ग्रामीणों को सर्पदंश से बचाव के उपाय बताए गए और सलाह दी गई कि सांप के काटने पर झाड़-फूंक व पंडा पुजारी के चक्कर में कतई ना रहें । सांप काटने पर मरीज को तत्काल अपने पास के अस्पताल पहुंचाने का काम करें। सांप के काटने पर एंटी स्नेक वेनम से ही मरीज की जान बचाई जा सकती है। ग्राम जैतपुरी में आयोजित शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सिकलसेल की जांच के लिए 63 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई। 49 मरीजों की मलेरिया जांच की गई, 13 मरीज के नेत्र जांच की गई, 26 की एचआईवी जांच की गई, 27 लोगों की शुगर जांच की गई तथा बुखार के 49 मरीजों का उपचार किया गया । इस शिविर में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की 6 प्रकरण, लाडली लक्ष्मी योजना के 03 प्रकरण, सुकन्या समृद्धि योजना के 02, पेंशन स्वीकृति के 03, समग्र परिवार विभाजन के 12 तथा राशन पर्ची के 10 प्रकरणों का निराकरण किया गया । इस शिविर में जाति प्रमाण पत्र तैयार करने के 07, बीपीएल सूची में नाम जोड़ने के 02, विवाह व जन्म मृत्यु पंजीयन के 02, वन अधिकार पट्टा के 73, आहार अनुदान के 04 आवेदन प्राप्त हुए । इस शिविर में 09 हितग्राहियों की समग्र ई-केवाईसी की गई । ग्राम जैतपुरी में आयोजित इस शिविर में धीरी, मोहरई एवं समरिया के 643 ग्रामीण शामिल हुए और इसका लाभ उठाया। शिविर में कृषि विभाग द्वारा 04 बैगा कृषकों को रागी बीज मिनीकिट का वितरण किया गया और किसानों को क्रेडिट कार्ड का वितरण किया गया। शिविर में बैगा जनजाति के किसानों को सलाह दी गई कि वे रागी फसल का उत्पादन लेने की तैयारी करें । रागी फसल से धान की तुलना में अधिक आय प्राप्त होती है।

यौमे आशुरा पर याद किये गए शहीदाने कर्बला

मस्जिदों और घर मे अदा की गईं विशेष नमाज, घर घर खिचड़ा, शरबत का किया गया वितरण , विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हसन हुसैन की शहादत का पर्व मोहर्रम 06 जुलाई रविवार को जिला मुख्यालय सहित देश व पूरी दुनिया में मनाया गया ।जहा पूरे दिन विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए ।यौमे आशूरा के नाम से जाने जाने वाले इस खास दिन में मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा रोजा रख आशूरा की विशेष नमाज मस्जिदों व घरों में अदा की गई ।इसके अलावा जगह जगह ताजिए निकालकर अखाड़े का आयोजन कर, जगह जगह लंगर ए आम, खिचड़ा, शरबत आदि तक्सीम कर शहीदाने कर्बला को याद किया गया।

कहीं धधकते अंगारो में चले, तो कहीं अखाड़ा खेल कर जंगे कर्बला को किया याद

मुहर्रम पर्व को लेकर जिले भर के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में देर रात तक रौनके देखी गई ।जहां नगर के वार्ड नंबर 3 चांदनी चौक सहित अन्य जगहों पर शनिवार की रात्रि विशेष आयोजन किए गए। वहीं जगह-जगह आग के अलावे जलाकर युवा धधकते अंगारों में खेलते नजर आए ।वहीं जगह-जगह अखाड़े का आयोजन कर शहीदाना ए कर्बला को याद किया गया। इसके अलावा देर रात्रि लोहारा पहाड़ी स्थित वारिस पिया की दरगाह में भी काफी रौनक दिखाई दी। जहां दूर दराज के लोग ताजिए का दीदार करने पहुंचे जिसकी अगली सुबह यौमे आशूरा पर जिले की तमाम मस्जिदों में यौमे आशूरा की विशेष नमाज अदा कराई गई । घर-घर खिचड़ा शरबत बनाकर उसका वितरण किया गया। वहीं सुबह से लेकर देर शाम तक जगह-जगह तिलावतो का दौर देखने को मिला ।इसके अलावा नगर के वार्ड नंबर 10 वार्ड नंबर 3, वार्ड नं4, वार्ड नंबर 8 सहित नगर के विभिन्न चौक चौराहों में खीचड़ा, लंगर और शर्बत का वितरण कर

शहीदाना ए कर्बला को याद किया गया।

रोजा रख, अदा की गई विशेष नमाज

रविवार को मुस्लिम समाज के लोगो ने आज के इस खास दिन में यौमे आशूरा का रोजा रख विशेष इबादत की ।नगर की तमाम मस्जिदों में सुबहा 10 बजे यौमे आशूरा की विशेष नमाज अदा कराई गई ।वही सामुहिक दुवाओ का आयोजन किया गया ।वही लोगो ने कब्रिस्तान पहुंचकर अपने मरहुमीन और बुजुर्गो को याद किया। वही शाम को जगह-जगह लंगर खिचड़ा शरबत वितरण सहित अन्य कार्यक्रम संपन्न कराए गए।

इंसानियत को बचाने पेश की थी कुर्बानी

इस्लामिक साल के पहले माह मोहर्रम की 10 तारीख को पूरी दुनिया में यौमे अशुरा के रूप में मनाया जाता है । जिसमें विशेषकर हजरत इमाम हुसैन, उनका परिवार और उनके 72 जानिसारो, जिन्होंने कर्बला के मैदान में धर्म और इंसानियत को बचाने के लिए अपनी कुर्बानी पेश की थी। जिनकी याद में यौमे अशुरा के दिन खिचड़ा लंगर और शरबत बांटा जाता है वही यतिमो व बेहसहारों की मदद की जाती है ।ज्ञात हो कि माहे मोहर्रम की पहली तारीख से शहीदाने कर्बला की याद में मस्जिदों सहित घरों में मिलादो की महफिल, नातखानी, लंगर आदि का आयोजन हजरत ईमाम हुसैन के चाहने वालों द्वारा किया गया ।इसके अलावा यही आयोजन नगर के विभिन्न चौक चौराहो व मार्गो में देखने को मिला।

मस्जिदों मे बताई गईं दास्ताने कर्बला

मोहर्रम माह के एक तारीख से लेकर 10 तारीख तक शहर की जामा मस्जिद में ईमाम द्वारा धर्मावलंबियों को शहीदाने कर्बला और हजरत ईमाम हुसैन की जीवनी से जुड़ी तकरीर दी। जहां आज यौमे आशुरा पर विशेष तौर पर शहीदाने कर्बला पर विशेष तकरीर, विशेष नमाजे आदि की जानकरिया दीं गईं.नगर की विभिन्न मस्जिदो में इमाम हुसैन की शहादत पड़ी गई। देश में अमन-चैन व खुशहाली की कामना करते हुए पीड़ित लोगों की सेवा का संदेश दिया। जहां इमाम द्वारा शहीदाने करबला की जीवनी से प्रेरणा लेने, उनके बताए मार्ग पर चलने,झूठ फरेब से बचने, ज्यादा से ज्यादा गरीबों की मदद करने, सदका खैरात करने और ईमान की राह पर चलने की नसीहते दीं गईं.

बनाए गए ताजिए

देखा जाये तो मोहर्रम पर्व पर जिले भर में ताजिया बनाने की वर्षो पुरानी परंपरा चली आ रही है। मोहर्रम पर्व पर ताजिया के रूप में हिन्दू-मुस्लिम कौमी एकता की अनूठी मिसाल भी पेश होती हैं, जो आज भी कायम है ।मोहर्रम पर्व पर मन्नती ताजिया बनाने का क्रम इस बार भी जारी रहा जहाँ अकीदतों के ताजिये को तैयार कर उन्हें ठंडा किया गया।

पुलिस सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतजाम

यौमे आशूरा पर्व व पर्व विशेष पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के लेकर नगर में सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम देखने को मिले ।जहां मुस्लिम बाहुल्य इलाकों सहित विभिन्न चौक चौराहो व मार्गो सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस कर्मचारी मुस्तैद नजर आए ।जहा शांति पूर्ण तरिके से हर साल की तरह इस साल भी यह पर्व सम्पन्न किया गया।

डायरिया रोको अभियान

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। वर्षा के दिनों में दूषित पानी पीने से डायरिया होने की संभावना को देखते हुए लोग स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत हैंडपंपों के क्लोरिनेशन का कार्य किया जा रहा है। लोक स्वास्थ्य यत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री बी.एल. उईके ने बताया कि 05 जुलाई को बालाघाट विकासखंड के ग्राम भरवेली, परसवाड़ा विकासखंड के ग्राम चीनी, समनापुर में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा डायरिया रोको अभियान के तहत सभी जल स्त्रोतों का क्लोरिनेशन किया गया । जिससे ग्रामवासियों को जल जनित बीमारियों के संक्रमण से बचाया जा सकेगा।

नाम परिवर्तन संबंधी सूचना

मेरे पक्षकार की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे पक्षकार गौरीशंकर (Gaurishankar) पिता श्री दिलिप, निवासी-ग्राम मोहगांव खुर्द, तहसील किरनापुर, जिला बालाघाट (म.प्र.) 481226, हालमुकाम - आलोट, जिला रतलाम (म.प्र.) के आधार कार्ड, अंकसूचियों तथा अन्य शासकीय अशासकीय दस्तावेजो में उनका नाम गौरीशंकर दर्ज हैं जो त्रुटीपूर्ण होकर मेरे पक्षकार का सही नाम गौरीशंकर पन्द्रे (Gaurishankar Pandre) हैं। मेरे पक्षकार के अतिरिक्त उक्त नामों का अन्य कोई व्यक्ति मेरे पक्षकार के आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजो में दिये गये पतो पर उपलब्ध नही हैं। अतः इस सूचना के प्रकाशन उपरांत मेरे सभी शासकीय अशासकीय दस्तावेजो में सही नाम गौरीशंकर पन्द्रे के नाम से जाना पहचाना, लिखा-पढ़ा एवं दर्ज किया जावेगा।

अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो मेरे कार्यालय में 7 दिवस में सम्पर्क करें अन्यथा अवधी समाप्ति पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी। ऐसा विदित रहे।

(विमल कुमार जैन)
एडवोकेट आलोट

आवश्यकता है
होटल में अनुभवी कर्मचारियों की
वेतन 4 अंकों में
-संपर्क करें-
होटल सिटी प्राईड
बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बाजु में मेन रोड बालाघाट
मो. 9827116521

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

शिक्षा का मंदिर या वसूली का जरिया?

लूट का अड्डा साबित हो रहे प्राइवेट स्कूल, शिक्षा के नाम पर जोरो पर चल रही कमीशनखोरी , कॉपी-किताबों की बढ़ी डिमांड, 50प्रतिशत तक हुआ कीमतों में इजाफा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। लगातार बढ़ रही महंगाई का असर अब बच्चों की कॉपी -किताबों और शिक्षा पर भी पड़ने लगा है।जहा प्राइवेट स्कूलों की मनमानी से शिक्षा विभाग भी अछूता नहीं रहा है। पिछले साल की तुलना में इस बार कॉपिया 50 फीसदी तक महंगी हुई हैं, तो वहीं रबर, पेंसिल और शॉर्पनर के दामों में भी 10 से 20 फीसदी का इजाफा देखने को मिल रहा है।आपको बता दें कि सब्जी भाजी, सहित अन्य खाद्य पदार्थों के रेट बढ़ने के बाद अब कॉपियो - के दाम 35 से 50 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। इसके अलावा नया शिक्षण सत्र शुरू होने से इनकी मांग काफी ज्यादा आने से बाजार में कॉपी किताब की भी कमी बनी हुई है। जिससे बच्चो के अभिभावक काफी परेशान है।तो वही ड्रेस कॉपी किताब स्टेशनी, बैग, जुते मोजे की खरीदी के लिए निजी स्कूलों ने अपनी अपनी दुकानें फिक्स कर दी है।जहां कॉपी किताब सहित शिक्षण से जुड़ी प्रत्येक सामग्री में निजी स्कूलों का कमीशन फिक्स होने के चलते इनके दामो में भारी इजाफा देखा जा रहा है।उधर जिले भर में चल रही इस सरेआम लूट पर सम्बधित विभाग व जिला प्रशासन का कोई ध्यान नही है।जिसके चलते बच्चो के अभिभावक अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे है।

मंहगाई की ट्रिपल मार झेल रहे अभिभावक

पहले से स्कूली फीस की मार झेल रहे पेरेंट्स, इस साल कापियों की बढ़ी हुई कीमतों से परेशान है। ऐसे में कापियों के दामों में बढ़ोत्तरी का असर लोगों की जेब पर दिखने लगा है।1 जुलाई से नया शैक्षिक सत्र शुरू हो गया है। अब कॉपी किताबों ड्रेस, जूता आदि के कीमत में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हो गयी है। ऐसे में अभिभावकों की दिक्कत काफी बढ़ती दिख रही है। इसके अलावा स्कूली बैग की कीमत में सौ से डेढ़ सौ रुपये का इजाफा हुआ है। जीएसटी सहित फुटवियर स्कूल शूज की कीमतों में 150 रुपये तक का इजाफा देखा जा रहा है।बात अगर वर्तमान समय की करे तो हरी सब्जियों ,अन्य खाद्य प्रदार्थो के बाद अब महंगे दामो में स्कूली समाग्री खरीदने वाले अभिभावक मंहगाई की ट्रिपल मार झेलने को मजबूर है।

महंगाई की मार से शिक्षा भी अछूती नहीं

नए शिक्षण सत्र की शुरुवात होते ही महंगाई की मार से शिक्षा भी अछूती नहीं रही है। पिछले साल की अपेक्षा इस वर्ष शिक्षण सामग्री, ड्रेस और स्कूलों की एक्टिविटी सामग्रियों भी बढ़ोत्तरी हुई है। एक तरफ सरकार मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम बनाकर पालकों के आर्थिक बोझ को कम करना चाह रही है। वहीं शासकीय स्कूलों में निजी स्कूल जैसी सुविधाएं नहीं होने से अभिभावक और बच्चें निजी स्कूलों में मोटी फीस देकर एडमिशन लेने में अधिक रूचि दिखा रहे हैं।

कार्यवाही के चलते नही बढाई फीस, तो कमीशन बढाकर कमा रहे राशि

पिछ्ली बार प्रशासन की ओर से निजी स्कूलों की फीस वसूली पर कार्यवाही की गई थी ।इसलिए इस वर्ष फीस तो नही बढ़ी। लेकिन स्कूल वालो ने शिक्षण सामग्रियों में कमीशन बढाकर अपना पिछला घाटा पूरा कर लिया है।तो वही पिछली बार की अपेक्षा इस वर्ष अधिक शिक्षण समाग्री अभिभावकों से खरीदवाकर स्कूल संचालक अभिभावकों को लूटने में जरा भी गुरेज नहीं कर रहे हैं।

स्कूल संचालकों की मनमानी

अभिभावक अपने लाडले की अच्छे और महंगे स्कूल में पढने् की जिद में आकर स्वयं को ठगा महसूस कर रहे हैं। जिद के सामने निजी स्कूल में बच्चों का दाखिला करवा रहे हैं। स्कूल संचालक मनमानी कर कई तरह के नियम बताकर अधिक रुपए वसूल रहे हैं। अभिभावकों के मुताबिक शहर के ऐसे स्कूल जहां टाई और बैंच स्वयं के पास से मुहैया कराई जाती है। बदले में संचालक दोगुने दाम वसूलते हैं। उनका बच्चा बालाघाट के एक अंग्रेजी माध्यम स्कूल में अध्यनरत है। स्कूल में लगने वाली टाई और बेच का बाजारी मूल्य 15 से 30 रुपए है। संचालक टाई और बैच के दोगुने दाम लेकर ठगी कर रहे है। मार्केट की कई दुकानों में स्कूल का नाम लिखा बैच और टाई नहीं मिलने से पालकों को मजबूरन स्कूल से ही खरीददारी करनी पड़ रही है। तो वही जिन दुकानों में स्कूलों का नाम लिखी टाई, बेंच और बेल्ट मिल रहे है ।उसका एक निश्चित कमीशन का पैसा सीधे स्कूल पहुच रहा है।

स्कूली सुविधाओं के नाम पर लूट

प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन के नाम पर मनमाना डोनेशन लिया जा रहा है। स्कूलों में बच्चों के लिए साधन और सुविधाएं भले ही पर्याप्त न हों, लेकिन एडमिशन और शिक्षण फीस और अन्य एक्टिविटी के नाम पर जमकर लूट की जा रही है। उधर स्कूल वैन, बस, रिक्शा, ऑटो आदि का किराया भी पिछले साल के मुकाबले बढ़ चुका है।इसके अलावा शहर के कुछ प्रतिष्ठित निजी स्कूलों में कम्प्यूटर, खेल और अन्य कोर्सो के नाम पर हजार रुपए तक अधिक लिए जा रहे हैं।

अन्य सुविधाओं के नाम पर वसूल रहे अतिरिक्त शुल्क

उधर स्कूलों में पेन्टिंग, खेल और अन्य प्रकार के नए कोर्स शुरु कर दिए है। इनके लिए अलग से कापी, किताब खरीदनी पड़ रही है। इस कारण पालको को 50 से 60 रुपए का अतिरिक्त खर्चा वहन करना पड़ रहा है ।वही निजी स्कूल संचालक खेल, कम्प्यूटर और अन्य तरह की फीस वसूल कर ठगी कर रहे है। छोटे बच्चों से भी कम्प्यूटर की फीस ली जा रही है ।उधर निजी स्कूलों ने कपड़ा दुकान से समझौता कर ड्रेस बेचने की परमिशन दी है। लेकिन दुकानदार अभिभावकों को अधिक मूल्य में ड्रेस वितरित कर रहा है। अन्य दुकानों में ड्रेस नहीं मिलने से मजबूरन वहीं से ड्रेस लेनी पड़ रही है।

ये है कापियों की दाम

कक्षा	पिछले वर्ष	इस वर्ष
केजी 1	290	420
केजी 2	290	430
पहली	345	465
दूसरी	330	480
तीसरी	360	500
चौथी	400	550
पांचवीं	450	590

ये है यूनिफार्म के दाम

कक्षा	पिछले वर्ष	इस वर्ष
केजी 1	300-350	380-400
केजी 2	300-350	380-400
पहली	350-380	395-430
दूसरी	350-380	430-450
तीसरी	400-450	530-570
चौथी	400-450	530-580
पांचवीं	500-530	600-650

शहर की एक प्रतिष्ठित दुकान से यह जानकारी

800 करोड़ रूपये की लागत से बनेगा भंडारा, तुमसर और बालाघाट तक फोरलेन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। भंडारा ,तुमसर और बालाघाट तक फोरलेन बनाए जाने की स्वीकृति मिल चुकी हैं। साथ-साथ इसका डीपीआर भी तैयार कर लिया गया है। यह जानकारी नितिन गडकरी द्वारा एक कार्यक्रम के उद्बोधन में दी गई है। साथ ही जल्द इस फोरलेन का कार्य शुरू किए जाने की भी बात कही जा रही है। सूत्रों की माने तो इस फोरलेन को बनाने के लिए पहला टेंडर भी लग चुका है। आपको बता दे की हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा एक कार्यक्रम में मंच से जानकारी देते हुए बताया गया था कि भंडारा, तुमसर और बालाघाट तक फोरलेन की स्वीकृति दी जा चुकी है। साथ ही इसमें लगभग 800 करोड रुपए की लागत से यह फोरलेन बनाया जाएगा। जिसका डीपीआर भी संबंधित विभाग के द्वारा तैयार कर लिया गया है । सूत्रों से यह भी जानकारी मिल रही है कि इस फोरलेन के काम को गति देने के लिए इसका पहला टेंडर भी लगाया जा चुका है । साथ ही कुछ छोटी-मोटी स्वीकृति भी फोरलेन को लेकर जल्द ही करवा ली जाएगी। विभागीय अधिकारी भी अपने स्तर पर इस फोरलेन के काम में लगे हुए हैं।

नपा . ने नहीं बनाया सड़क तो वार्ड वासियों ने श्रमदान और चंदाकर की सड़क की मरम्मत

मामला शहर के वार्ड क्रमांक 13 का , बारिश में दलदल बन चुकी थी कच्ची सड़क

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बारिश होते ही नगरपालिका के व्यवस्थाओ की पोल खुलने लगी है। कई वार्ड के लोग व्यवस्थाओ को कोसने लगे है। ऐसा ही नजारा बालाघाट नगर के वार्ड नंबर 13 में देखने को मिला। जँहा दलदल बन चुकी कच्ची सड़क को बनाए जाने और मरम्मत की गुहार नगर पालिका के द्वारा नहीं सुनी गयी तो लोगो ने चंदा करके मुरुम और खराड़ी लाये और सड़क में डालकर मरम्मत कर श्रम दान भी किये, यंहा लोगो में बहुत नाराजगी भी नगरपालिका के प्रति देखने को मिली। आपको बता दे की शहर के वार्ड नंबर 13 बूढ़ी ढीमरटोला में कुछ लोगो के द्वारा कीचड़ से सने कच्चे मार्ग पर बजरी और मुरुम डालकर बनाते हुए दिखाई दिए, जिसके बारे में वार्डवासियो ने बताया की इस मार्ग से पैदल चलना भी खतरा मोल लेने के समान था । बाइक और साईकल से चलने पर फिसलन से लोग गिर जाते थे । पिछले कुछ वर्षो से इस मार्ग को बनाये जाने को लेकर वार्ड के पार्षद और नगर पालिका से कई बार गुहार लगाई गई , लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई, बारिश होते ही समस्या कई गुना बढ़ गई । खासकर स्कूली बच्चे और बढ़े बुजुर्गो के लिए यहाँ से आवागमन करना दुर्घटना को निमंत्रण देने के समान था।

ऐसे में कुछ लोगो के द्वारा एक राय होकर चंदा इकठ्ठा करके यंहा लगभग 3 सौ मीटर दुरी जर्जर सड़क को बनाने मुरुम और बजरी लायी गयी , श्रम दान के रूप में सुगम सड़क बना दिए गया । नगर पालिका की अनदेखी के चलते वार्डवासियो में नाराजगी भी देखी जा रही हैं । यह कोई पहला मामला नहीं है कि वार्ड वासियों द्वारा इस प्रकार से अपनी नाराजगी नगर पालिका के प्रति जाहिर की जा रही हो। शहर के ऐसे बहुत से निचले क्षेत्र हैं जहां पर अभी भी नगर पालिका द्वारा मूलभूत सुविधाएं नहीं दी जा रही है । जहां पर आम जनों द्वारा स्वयं चंदा कर अपने पैसे से कई कार्य किए जाते हैं। जबकि ऐसा नहीं है कि वार्ड वासियों द्वारा इस समस्या को लेकर नगर पालिका को अवगत नहीं कराया गया हो। वार्ड वासियों द्वारा नगर पालिका के साथ-साथ सीएम हेल्पलाइन के 181 पर भी इसकी शिकायत की गई थी किंतु कहीं से कोई भी वार्ड वासियों को मदद नहीं मिली ।उसके बाद वार्ड वासियों द्वारा इस प्रकार चंदा कर रोड की मरम्मत की गई है।

कई बार नगर पालिका से लगाई गई गुहार

वार्ड क्रमांक 13 के कुछ वार्ड वासियों द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा अनेकों बार संबंधित पार्षद और नगर पालिका को रोड की मरम्मत करने के लिए गुहार लगाई गई थी पर सभी बार नगर पालिका के अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया। लेकिन कभी उनके वार्ड में नहीं आए। कुछ लोगों ने तो इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन में भी की थी किंतु वहां से भी निराशा हाथ लगी । उसके बाद सभी ने एक बैठक की और निर्णय लिया कि क्यों न स्वयं ही चंदा कर रोड की मरम्मत करें और कुछ लोगों ने इसमें अपना श्रमदान करते हुए रोड की मरम्मत की है।

अमनो अमान के पैगाम के साथ निकला गया शाही संदल

शाही संदल निकाल कर दरगाह मे पेश की गई चादर

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। हर साल की तरह इस साल भी सैय्यद अलहाज अब्दुल हकीम उर्फ हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती का सालाना उर्स पूर्ण अकीदतो, हर्षोल्लास और् विधि विधान के साथ मनाया जा रहा हैं ।बाबा के इस सालाना उर्स मुबारक पर उर्स कमेटी द्वारा मेन रोड स्थित आस्ताना ए औलिया दरबार को दुल्हन की तरह सजाकर रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे हैं। जहां हर साल की तरह इस साल भी रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर 9 जुलाई की रात कव्वाली व कुल शरीफ की फातिहा के बाद उर्स मुबारक का समापन किया जाएगा ।इसी कड़ी मे हजरत हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती के 221 वे सालाना उर्स मुबारक पर हर साल की तरह इस साल भी अमनो अमान के पैगाम के साथ दरगाह शरीफ से शाही संदल निकाला गया ।.जो काली पुतली चौक से- बस स्टैंड, रानी अवंती बाई चौक, वहा से बैहर रोड रजा नगर, वार्ड नंबर 10 इमामबाड़ा पहुंचा, जहाँ से अलम और चादर के साथ शाही संदल अंजुमन शादी हॉल से बैहर चौकी, वहां से देवी तालाब रोड सहित नगर के विभिन्न मार्गों का गस्त करता हुआ वापस मेन रोड से दरबार शरीफ पहुंचा. जहां बाबा को अलम व चादर पेश की गईं ।जिसमे उपस्थितजनो ने बाबा के आस्ताने मे अकीदतों के फूल चादर पेश कर देश व पूरी दुनिया मे अमन चैन शांति, आपसी भाईचारे, मुल्क की तरक्की और अमनो अमान की मन्नते मांगी गई।

शाही संदल में पेश किया गया अखाड़े के हुनर

हजरत हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती के 221 वे सालाना उर्स मुबारक पर 1जुलाई से हर साल की तरह इस साल भी रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे है। इसी कड़ी में 6 जुलाई रविवार को यादे हुसैना मनाया गया। वही दोपहर में उर्स मुबारक पर शाही संदल नगर का गस्त करता हुआ दरगाह शरीफ पहुँचा जहा अमनो आमान की सामुहिक दुवाओ के अलावा विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कराए गए। उधर इस शाही संदल में उपस्थित बच्चे से लेकर युवा वर्ग संदल के सामने अखाड़े का हुनर पेश करते हुए नजर आए।

लंगर ए आम का आयोजन कल,कव्वाली परसो

सालाना उर्स मुबारक पर मेन रोड स्थित आस्ताना ए औलिया दरबार को रंग रोगन कर, रंग बिरंगी लाइट, आकर्षक डेकोरेशन लगाकर दरगाह शरीफ को फूलों से सजाया गया हैं.जहाँ उर्स कमेटी व दरबार कमेटी द्वारा उर्स मुबारक पर रोजाना विभिन्न कार्यक्रमो के आयोजन किए जा रहे हैं.जो 9 जुलाई तक किए जाएंगे. इसी कड़ी में कल 08 जुलाई मंगलवार की शाम को फूलों का नजराना पेश कर दरगाह शरीफ में चादर चढ़ाई जाएगी ।वही लंगर ए आम का आयोजन होगा। इसके अगले दिन 09 जुलाई बुधवार की रात ईशा की नमाज के बाद उर्स ए मुबारक पर अजीमो शान कव्वाली का आयोजन होगा ।जिसमें देश व दुनिया के मशहूर कव्वाल शब्बीर सदाकत साबरी द्वारा कव्वाली के नजराने पेश किए जाएगे। जिसके बाद कुल शरीफ की फतिया का आयोजन कर देश में अमन चैन शांति और अमनो अमान की सामूहिक दुवाओ के साथ उर्स मुबारक का समापन किया जाएगा।

शराब पीने और काम पर नहीं जाने के मानसिक तनाव में एक युवक ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाना क्षेत्र में शराब पीने के आदि एक युवक ने काम पर नहीं जाने के मानसिक तनाव में आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम गर्रा टोला की है। बिरसा पुलिस ने मृतक रोहित पिता प्रताप सिंह सैयाम 31 वर्ष वार्ड नंबर 10 ग्राम गर्राटोला निवासी की लाश बरामद की और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रताप सिंह सयाम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं।। जिसके परिवार में तीन लड़के और एक लड़की है। जिनमें बड़ी लड़की के अलावा दो बेटे नरेश सैयाम और रोहित सैयाम की शादी हो चुकी है। बताया गया है कि प्रताप सिंह सैयाम के तीनों लड़के संयुक्त परिवार में ही रहते हैं।। रोहित सैयाम की शादी 3 साल पहले ही हुई थी और वह मानेगांव सोसाइटी में सेल्समैन का काम करता था ।किंतु वह सुबह से शाम तक शराब पीते रहता था और शराब पीने के कारण मानेगांव सोसायटी अपने काम पर भी नहीं जाता था। परिवार के लोगों ने रोहित सैयाम को शराब छोड़ने के लिए कई बार बोले और समझाये भी थे किंतु वह शराब नहीं छोड़ता था। रोहित सैयाम सुबह उठता था और वह दिन भर शराब पीते रहता था। 4 जुलाई को दोपहर 12 बजे रोहित सैयाम घर समीप शीतल सैयाम की बाड़ी तरफ गया था किंतु वह शाम तक घर नहीं आया तो परिवार के लोगों ने सोचे कि कहीं शराब पिए होगा। रोहित सैयाम हमेशा ऐसा ही करता था। इसलिए परिवार के लोगों ने ध्यान नहीं दिये। लेकिन 5 जुलाई को सुबह तक रोहित सयाम घर नहीं आया तब परिवार के लोगों ने उसके गांव मोहल्ले में खोजबीन किया किंतु वह नहीं मिला। शीतल सैयाम की बाड़ी में जाकर देखें तो महुआ के पेड़ में रोहित सैयाम फांसी पर लटका हुआ था। जिसने पेड़ में रस्सी बांधकर फांसी लगा ली थी और उसकी मौत हो चुकी थी। प्रताप सिंह सैयाम 62 वर्ष ने अपने बेटे रोहित सैयाम द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की रिपोर्ट बिरसा पुलिस थाना में की थी। जहा से उप निरीक्षक शिवलाल परते अपने स्टाप के साथ ग्राम गर्राटोला पहुंचे और शीतल सैयामकी बाड़ी में स्थित महुआ के पेड़ में फांसी पर लटकी रोहित सैयाम की लाश नीचे उतरवायी और पंचनामा कार्यवाही पश्चात लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। संभावना व्यक्त की गई है कि रोहित सैयाम ने शराब पीने और काम करने नहीं जाने के मानसिक तनाव में आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उपनिरीक्षक श्री परते द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

लालबर्रा-मानपुर से कटंगी पहुंच मार्ग पर स्पीड ब्रेकर बनाने की उठी मांग

स्पीड ब्रेकर नही होने से तेज गति से गुजरते है वाहन, आये दिन घटित हो रही दुर्घटनाएं, राहगीर एवं ग्रामीणों ने मार्ग के अंधे मोड़ एवं चौक-चौराहों में संकेतक बोर्ड एवं स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से होकर गुजरे लालबर्रा-मानपुर से कटंगी हाईवे पहुंच मार्ग में सड़क विभाग के द्वारा स्पीड ब्रेकर नही बनाया गया है। जिसके कारण तेज्र गति से छोटे-बड़े वाहन गुजरते है, जिससे कई बार वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटना का लोग शिकार हो जाते है। साथ ही कई बार वाहन आपस में टकरा जाती है ऐसी स्थिति में दुर्घटनाएं घटित हो रही है। जबकि इस मार्ग पर बहुत से अंधे मोड़ है एवं आने वाले ग्रामों में स्थित चौक-चौराहों में दुपहिया, चौपहिया वाहन तेज गति से गुजरने पर सामने से आ रही वाहन दिखाई नहीं देने पर वाहन आपस में टकरा जाती है जिससे कई बार दुर्घटनाएं घटित हो चुकी है और पूर्व में मानपुर से बरघाट (बोरी) के बीच की मोड़ाई, बोरी-बल्हारपुर के बीच तालाब के समीप बने अंधे मोड़ाई में दुर्घटनाएं होने से कुछ लोगों की मौत भी हो चुकी है। साथ ही इन दोनों मोड़ाई सहित लालबर्रा-मानपुर से कटंगी पहुंच मार्ग में अनेक स्थानों पर बने अंधे मोड़ सहित अन्य स्थानों पर हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है और लंबे समय से अंधे मोड़ एवं चौक-चौराहों में स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग की जा रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से जल्द लालबर्रा-मानपुर से कटंगी पहुंच मार्ग स्थित मोड़ाई सहित ग्राम के चौक-चौराहों में स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग की है।

दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन एवं राहगीर करते है आवागमन

आपकों बता दे कि लालबर्रा-मानपुर बैरियर से कटंगी पहुंच मार्ग का करोड़ों रूपयों की लागत से पक्की सड़क का निर्माण कार्य करवाया गया है और इस मार्ग से रोजाना बोरी, बल्हारपुर, बहियाटिकुर, मरेरा, नैतरा, कटंगझरी सहित दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन एवं राहगीर इस मार्ग से आवागमन करते है और यह मार्ग दो तहसील को आपस में जोड़ता है। साथ ही इसी मार्ग से दर्जनों ग्राम शहर से जुड़ हुए है। जिसके कारण मार्ग से आवागमन अधिक होता है और यह एक व्यस्तम मार्ग है परन्तु सड़क निर्माण के समय दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग ग्रामीण एवं राहगीरों के द्वारा सड़क विभाग से की गई थी। लेकिन उसे नजरअंदाज कर दिया गया और स्पीड ब्रेकर नही बनाये गये है। जिसके कारण तेज गति से वाहन गुजरने के कारण मार्ग में बने अंधे मोड़ाई सहित आने वाले ग्रामों के चौक-चौराहों में स्पीड ब्रेकर नही होने से आये-दिन दुर्घटनाएं घटित होते रहते है और किसी भी समय बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई हैं। जबकि ब्रेकर के अभाव में पूर्व में इस मार्ग पर दुर्घटना में अनेक लोगों की जान भी जा चुकी है और राहगीर व ग्रामीणजनों के द्वारा लंबे समय से लालबर्रा-मानपुर से कटंगी मार्ग पर स्थित मोड़ाई व आने वाले ग्रामों के चौक-चौराहों में स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग कर रहे है लेकिन जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है। जिससे ग्रामीणजन व राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है।

मोड़ाई में संकेतक बोर्ड एवं स्पीड ब्रेकर नही होने हो रहे हादसे - दीपक

पूर्व जनपद सदस्य दीपक चौधरी ने बताया कि लालबर्रा-मानपुर से कटंगी मार्ग का विगत वर्ष पूर्व निर्माण किया गया है, लेकिन इस मार्ग में बहुत से अंधे मोड़। जहां किसी प्रकार के कोई संकेतक बोर्ड नहीं लगाये गये है, ना ही रेडियम लगाये गये है, ना ही स्पीड ब्रेकर बनाये गये है। जिसके कारण वाहन तेज गति से गुजरते है। ऐसी स्थिति में आपस में वाहन टकराने एवं अनियंत्रित होने से आये दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है और पूर्व में इन स्थानों पर सड़क हादसे में घायल व्यक्तियों की मौत भी हो चुकी है। श्री चौधरी ने बताया कि लंबे समय से लालबर्रा-मानपुर से कटंगी पहुंच मार्ग में स्थित अंधे मोड़ में संकेतक बोर्ड, स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग कर रहे है लेकिन जिम्मेदार कोई ध्यान नही दे रहे है। साथ ही मोड़ाई में रोड़ किनारे झाड़िया उग जाने के कारण दुसरे साईड से आने वाले वाहन दिखाई नही देने के कारण भी दुर्घटनाएं हो रही है इसलिए प्रशासन से मांग है कि मार्ग के किनारे उग चुकी झाड़िया (खरपतवार) की साफ-सफाई करवाये।

स्पीड ब्रेकर बनाये प्रशासन - सेवन

सरपंच सेवन काटेकर ने बताया कि कटंगी पहुंच मार्ग खराब होने के बाद विगत वर्ष पूर्व करोड़ों रूपयों की लागत से पक्की सड़क का निर्माण किया गया है। लेकिन मार्ग में आने वाले ग्रामों के चौक-चौराहों व अंधे मोड़ में स्पीड ब्रेकर व संकेतक बोर्ड नही लगाये गये है कि इन स्थानों से धीरे चले। जिसके कारण दुपहिया एवं चौपहिया वाहन तेज गति से गुजरने के कारण दुर्घटनाएं घटित हो रही है। साथ ही यह भी बताया मानपुर से बरघाट के बीच स्थित मोड़ाई, बोरी से बल्हारपुर तालाब के पास स्थित मोड़ाई में पूर्व में बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी है। जिसमें कुछ लोगों की मौत भी हो चुकी है और हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। श्री काटेकर ने बताया कि सड़क विभाग के द्वारा सड़क की मोड़ाई व चौक-चौराहों में संकेतक बोर्ड, रेडियम लगाना चाहिए ताकि दुर से दुपहिया एवं चौपहिया वाहन चालकों को दिखाई दे सके की आगे मोड़ाई है वाहन धीरे करना है। साथ ही मोड़ाई व अन्य स्थानों पर सड़क विभाग स्पीड ब्रेकर बनाये ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके।

अस्पताल में विश्व हिन्दु परिषद बजरंग दल ने मरीजों को किये फल वितरित

पोटियापाठ धाम एवं महाकाल बाबा मंदिर की सफाई कर किया गया पौधारोपण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। बजरंग दल सदैव सेवा कार्यों में मानव सेवार्थ हेतु अग्रणी रहा है। साथ ही बजरंग दल हिंदू धर्म रक्षा, गौ रक्षा, नारी रक्षा हेतु अनेक कार्यक्रम करते आया है। इसी कड़ी में १ जुलाई से ७ जुलाई तक बजरंग दल सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। रविवार को विश्व हिन्दु परिषद, बजरंग दल लालबर्रा के द्वारा लालबर्रा मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना एवं उन्हे फल वितरित कर जल्द स्वथ्य होने की कामना की है। चर्चा में बजरंग दल जिला सहसंयोजक निलेश चौधरी ने बताया कि १ जुलाई से ७ जुलाई तक विश्व हिन्दु परिषद बजरंग दल के द्वारा बजरंग दल सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत ६ जुलाई को लालबर्रा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर मरीजों से मुलाकात कर उन्हे फल वितरित किया गया है। साथ ही उनकी समस्या सुनकर चिकित्सकों से उसका निराकरण करने कहा गया है। साथ ही यह भी बताया कि वैनगंगा नदी के किनारे स्थित पोटियापाठ बाबा एवं महाकाल बाबा के मंदिर प्रांगण में साफ सफाई कर वृक्षारोपण किया गया एवं उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया है। इस अवसर पर बजरंग दल जिला सहसंयोजक निलेश चौधरी, प्रखंड उपाध्यक्ष प्रकाश राहंगडाले, प्रखंड संयोजक दिशु तिवारी, प्रखंड सहमंत्री कमलेश ठाकरे, प्रखंड सुरक्षा प्रमुख जितेश चौहान, प्रखंड सामाजिक समरसता प्रमुख सुनिल चाकोले, प्रखंड विद्यार्थी प्रमुख कपिल टेम्भरे, प्रखंड गौरक्षा प्रमुख नंदलाल पंचेश्वर, प्रखंड मिलन प्रमुख प्रवीण पशीने, विनय हरिद्वाज, देवेश बिसेन, केशव यादव एवं सिध्दार्थ कुमले उपस्थित रहे।

लालबर्रा भाजपा मंडल ने मनाई डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी सरपंच विरेन्द्र बनवाले के निवास में भाजपा मंडल लालबर्रा के द्वारा ६ जुलाई को भारतीय जन संघ पार्टी के संस्थापक स्व. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती मनाई गई। यह कार्यक्रम जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सरिता मात्ते, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, पनबिहरी सरपंच विरेन्द्र बनवाले सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों के द्वारा डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं पं.दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रध्दा सुमन अर्पित कर उन्हे याद किया गया। वही उपस्थित पार्टी के पदाधिकारियों ने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी एक महान देशभक्त और संसद शिष्ट के रूप में भारत उन्हें सम्मान के साथ याद करता है। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने ही नारा दिया था एक देश एक विधान, जम्मू कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक हमारा भारत एक है और हमारे भारत में एक ही विधान लागू होना चाहिए। एक ही राष्ट्रीय ध्वज होना चाहिए और जम्मू कश्मीर में अलग विधान अलग ध्वज का उन्होंने विरोध किया था और वे ३७० के खिलाफ थे। उनके इस सपने को हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने साकार किया है और धारा ३७० हटाकर डॉ. मुखर्जी के द्वारा जो नारा दिया गया था। एक देश एक विधान उनके इस सपने को मोदी जी की सरकार ने पूरा किया है। जिनके हम सभी भारतीय जनता पार्टी के लोग आभारी हैं। साथ ही यह भी कहा कि हमें विश्वास है कि आगे भी देशहित में अनेक काम करेंगे। हम सभी को डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बताये मार्ग पर चलकर पार्टी एवं देशहित में काम करना चाहिए। जिला पंचायत सदस्य झामसिंह नागेश्वर ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के द्वारा भारतीय जन संघ के रूप में जो बीज बोया गया था, वह आज भारतीय जनता पार्टी के रूप में एक विशाल पेड़ का आकार ले चुका है और हमारा यहांभारतीय जनता पार्टी का परिवार एक बहुत बड़ा परिवार बनकर उभरा है। साथ ही यह भी कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता में अनुशासन, पार्टी के प्रति समर्पण एवं राष्ट के लिए हमेशा आतुर रहने की भावना देखने को मिलती है। यह सब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की देन है और भारतीय जनता पार्टी उनके बताएं मार्ग पर चलकर राष्ट्र हित में अनेक काम कर रही है। भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने कहा कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का सपना था की एक प्रधान और दो विधान नहीं चलेंगे, एक देश में एक ही कानून लागू होना चाहिए जिसका उनके द्वारा विरोध किया गया था। उनके इस सपने को माननीय देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह जी के द्वारा पुरा किया गया है एवं जम्मू कश्मीर से ३७० हटाया गया है। यह भाजपा सरकार ने किया है, जिसकी सभी लोग प्रशंसा कर रहे है। साथ ही यह भी कहा कि भाजपा के कुशल नेतृत्व को राष्ट्र सेवा के लिए सुन रहे हैं और भाजपा में अनुशासन है एवं कार्यकर्ता व पदाधिकारी उसका पालन करते है और पार्टी हित में काम कर रहे है। इस तरह पार्टी के अनुशासन को कांग्रेस के लोग अपनाने का प्रयास करते है लेकिन उसमें खरे नही उतर पा रहे है। श्री अवधिया ने कहा कि भाजपा आज देश की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है और हर एक कार्यकर्ता पार्टी हित में काम कर रहा है एवं केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही पात्र हितग्राहियों को लाभांवित किया जा रहा है। कार्यक्रम को अन्य पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर, अमोली पूर्व सरपंच बालकरण पंचेश्वर, भाजयुमो नगराध्यक्ष संजीव अवधिया, पनबिहरी उपसरपंच मुकेश देशमुख, सुशील यादव, राजू आड़े, अतुल सराठे, अनमोल चौहान, मयंक डोंगरे सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रजा मस्जिद अमोली में मनाया गया मोहर्रम पर्व

याद किये हजरत ईमाम हुसैन, मस्जिद एवं मजार में लंगर व शर्बत का किया गया वितरण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के रजा मस्जिद में मुस्लिम समुदाय के द्वारा ६ जुलाई को मोहर्रम का पर्व अकीदत के साथ मनाया गया। इस मोहर्रम पर्व के अवसर पर रजा मस्जिद अमोली में प्रात: ९ बजे यौमे आशुरा की विशेष नमाज अदा की गई तत्पश्चात आशुरे की दुआ पढ़ी गई और उपस्थितजनों ने एक-दुसरे को मोहर्रम पर्व की शुभकामनाएं दी जिसके बाद पुलाव का वितरण किया गया। वहीं हजरत ईमाम हुसैन की याद में मोहपर्व के पर्व में नगर मुख्यालय के सिवनी मार्ग स्थित मजार में मुस्लिम समुदाय के लोगों के द्वारा पूजा अर्चना कर लंगर एवं शर्बत का वितरण कर मोहपर्व का पर्व मनाया गया। आपकों बता दें कि मुस्लिम धर्म की मान्यतानुसार यौमे आशुरा का पर्व परंपराओं एवं मान्यताओं के अनुसार हजरत ईमाम हुसैन के चाहने वालों के द्वारा पुरी अकीदत के साथ मनाया गया और इस आशुरे के दिन को पूरी दुनिया में विशेष रूप से हजरत ईमाम हुसैन की याद के रूप में ही मनाया जाता है। जिन्होने इस्लाम की शरियत के खिलाफ उठने वाली सभी याजिदरूपी आवाजों को हमेशा के लिए बंद करने में अपनी शहादत दे दी। रजा मस्जिद अमोली के पदाधिकारियों ने बताया कि इस्लाम ही हिफाजत के लिए नवासे रसूल हजरते सैय्यदना इमामे हुसैन ने अपना पूरा कुनबा राहे खुदा में शहीद कर दिया जिनकी याद में यह पर्व मनाया जाता है। इसी कड़ी में अमोली स्थित रजा मस्जिद में मोहर्रम की दसवी तारीख ६ जुलाई को प्रातः ९ बजे आशुरे की नमाज अदा करवाई गई जिसके पश्चात् दुआ की गई। साथ ही विविध कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहें।

मजार के पास हुसैनी कमेटी के युवाओं ने पुलाव व शर्बत का किया वितरण

बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पर स्थित मजार के समीप ६ जुलाई को मोहर्रम पर्व के अवसर पर हुसैनी कमेटी के युवाओं के द्वारा पुलाव व शर्बत का वितरण किया गया। साथ ही एक दूसरे से गले मिलकर मोहर्रम की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मार्ग से गुजरने वाले लोगों को हुसैनी कमेटी के युवाओं के द्वारा उन्हे रोककर पुलाव व शरबत का वितरण किया। मो. अय्यूब भारती ने बताया कि हजरत इमाम हुसैन हमारे मुस्लिम समाज के आइकॉन है जिनकी याद में हमारे द्वारा मोहर्रम का पर्व मनाया जाता है। इस मोहर्रम पर्व के अवसर पर हुसैनी कमेटी के युवाओं के द्वारा मजार के समीप लंगर व शरबत तकसीम किया गया एवं मुल्क की सुख-शांति के लिए दुआ पढ़ी गई कि देश में आपसी भाईचारा, सद्भावना बनी रहे। इस अवसर पर हुसैनी कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष अयान खान, मो. जीशान अशरफी, अरमान खान, सरफराज खान, सिराज खान, राजा खान, मो. तौफीक रंगरेज, फैयाजन खान, आदिल खान, आसिफ वारसी, मोहसिन खान, दानिश खान, आतिफ खान, अल्जुर रजा, अल्तमस रजा, अयाज कुरैशी, फैयाजन यासीनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र अजगरा को मिला एनक्यूएएस सर्टिफिकेट

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा एवं एसडीएम बैहर अर्पित गुप्ता के दिशा निर्देशन में विकासखण्ड बिरसा अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपस्वास्थ्य केंद्र अजगरा का भारत सरकार के केन्द्रीय दल द्वारा नेशनल क्वॉलिटी एश्योरेंशन स्टेण्डर्ड (एन.क्यू.ए.एस.) एसेसमेंट किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.परेश उपलप ने बताया कि केन्द्रीय दल में भारत सरकार के नेशनल असेसर डॉ मिथलेश सोनबर, डॉ वैशाली अनंत मेम शामिल थे। वर्चुअल निरीक्षण में राष्ट्रीय कार्यक्रम अंतर्गत दी जाने वाली सेवाएं गर्भावस्था एवं प्रसव देखभाल, नवजात शिशु की देखभाल, बाल्य एवं किशोर स्वास्थ्य सेवाएं, परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं, संक्रामक रोग प्रबंधन, असंचारी रोगों की रोकथाम नियंत्रण एवं प्रबंधन, सामान्य बीमारी का उपचार एवं प्रबंधन इत्यादि का परीक्षण किया गया था। डॉ.उपलप ने बताया कि भारत सरकार द्वारा संस्था को एनक्यूएएस सर्टिफाईड किए जाने से समुदाय को सुलभ उच्च गुणवत्ता व्यापक प्राथमिक देखभाल सेवाएं प्रदान की जा सकेगी। आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपस्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत समुदाय के सभी वर्गों के लिए निःशुल्क व्यापक गुणवत्ता पूर्वक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएगी। एनक्यूएएस क्वालीफाईड होने के पश्चात संस्था को 1 लाख 26 हजार रुपए की राशि प्रतिवर्ष प्राप्त होगी। जिससे संस्था को एनक्यूएएस करने एवं सहयोग करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन के रूप में 25 प्रतिशत राशि प्रदाय की जाएगी। संस्था में वर्तमान में मुख्य खण्ड चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर सुनील सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी पार्वती गड़ेश्वर, डॉ हरीश पंचेश्वर, एएनएम श्रीमती जानकी धुर्वे,आशा कार्यकर्ता हरबती मेरावी, मनीषा पदस्थ है। संस्था के अंतर्गत ग्राम झामूल का समावेश है। संस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार कराने में सीएमएचओ डॉ.परेश उपलप, डीपीएम विक्रम सिंह ठाकुर, प्रभारी सीपीएचसी सलाहकार राजाराम चक्रवर्ती, सीबीएमओ डॉ सुनिल सिंह, जिला क्वॉलिटी नोडल डॉ.पंकज महाजन के सहयोग से आयुष्मान आरोग्य मंदिर अजगरा के एनक्यूएएस की तैयारी हेतु मार्गदर्शन जिला क्वालिटी मेंटर विनोद कामडे, और सीएचओ मेंटर श्रद्धा उके एव सी एच ओ शशीकला बिसेन, डॉ गजेंद्र शिववंशी ,पायल बांसेवन, अंजना यादव, वैशाली साखरे, ज्योति लिलहरे, शशि लकड़ा,कंचन धनौले,वंदना मानेश्वर,नाजनी खान, प्रिया मेश्राम, इन्दुलता मेश्राम, रूक्मणी,सोनिका सभी का निरंतर सहयोग रहा।

कोस्ते नहर की हालत जर्जर झाड़ियों का लगा अंबार

खेती में सिंचाई की बनी समस्या से किसान परेशान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कोस्ते में सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने वाली नहर की स्थिति खस्ताहाल हो गई है। जिसके माध्यम से खेतों में पानी पहुंचाने में विभिन्न प्रकार की समस्या बनी हुई है। क्योंकि नहर का ना ही जगह जगह से जो जर्जर स्थिति थी उसकी मरम्मत की गई है ना ही साफ सफाई की गई है। ऐसे में पानी रुकने और पाइप के माध्यम से खेतों की नालियों में आने की समस्या बनी हुई है। यह समस्या से गर्मी के समय भी किसानों को काफी परेशान होना पड़ा था जिसको देखते हुए वह चिंतित नजर आ रहे हैं। जिनके द्वारा बारिश के पूर्व से ही सिंचाई विभाग से मरम्मत एवं सफाई करने की मांग की गई थी किंतु संबंधित अधिकारी के द्वारा ध्यान नहीं देने से यह स्थिति बनी हुई है। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है उक्त किसानों में सिंचाई विभाग के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है।

७५ प्रतिशत खेती को रहती है नहर की जरूरत

प्राप्त जानकारी के अनुसार बारिश का मौसम चालू हो गया है खरीफ की खेती किसानों ने प्रारंभ कर दी है। जिसमें जल्द ही परहा कार्य प्रारंभ होने वाला है इसमें कुछ साधन वाले लोगों के द्वारा परहा कार्य प्रारंभ कर लिया गया है। बाकी अच्छी बारिश या नहर से पानी निकालने की रास्ता देख रहे हैं। ऐसे में ग्राम पंचायत कोस्ते के ग्रामीण नहर से मिलने वाले सिंचाई के पानी के लिए चिंतित नजर आ रहे हैं। क्योंकि २ वर्षों से पर्याप्त रूप से नहर के माध्यम से किसानों को पानी प्राप्त नहीं हो पा रहा है। यह ढूंटी नहर के मुख्य कैनाल में कासपुर से एक माइनर नहर ग्रामीण क्षेत्र के लिए आती है जिसका अंतिम ग्राम कोस्ते हैं। जहां पर उक्त माइनर नहर के माध्यम से करीब १००० एकड़ जमीन की सिंचाई होती है। ऐसे में करीब ७५ प्रतिशत किसान मुख्य रूप से नहर या बारिश के पानी पर निर्भर है। बाकी स्वयं के साधन वाले किसानों के द्वारा खेती में परहा कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, वहीं नहर पर आधारित किसान चिंतित नजर आ रहे हैं। क्योंकि उनके ग्राम में जो नहर के माध्यम से सिंचाई के लिए पानी आता है उसमें भयंकर झाड़ियां मिट्टी की घाट और कचरा एकत्रित हो गया है । तो वहीं खेतों में पानी निकलने वाले पाइप मिट्टी में दब गए हैं या बहुत ऊपर है। ऐसे में उनके द्वारा सिंचाई विभाग से वर्तमान में सुधार कार्य करने की मांग की जा रही है । तो वहीं नहर का लाइनिंग कार्य करवाने की मांग की जा रही है। ताकि बार बार साफ सफाई की समस्या से निजात मिल सके और सभी को सरलता से सिंचाई का पानी प्राप्त हो सके। जिसके लिए किसानों और ग्रामीणों के द्वारा लंबे समय से मांग की जा रही है जिस पर शासन प्रशासन के द्वारा वर्तमान तक कोई ध्यान नही देने से स्थिति यथावत बनी हुई है।

जनप्रतिनिधियों को कहा था समस्या से अवगत भी कराया परंतु कुछ नही हुआ-सत्यप्रकाश बिसेन

किसान सत्य प्रकाश बिसेन ने बताया की यह ढूंटी कैनाल से नहर आती है कासपुर माइनर से हमारे ग्राम के लिए नहर आती है। उससे पानी आना बहुत मुश्किल है जिसके लिए हमने जनप्रतिनिधियों को कहा था समस्या से अवगत भी कराया था की लाइनिंग कार्य किया जाना चाहिए। परंतु कुछ नहीं हुआ वर्तमान में कोई संस्था भी कार्यरत नहीं है, पहले अमीन और उपयंत्री घूमते हुए मिलते थे अब वह नजर नहीं आते हैं। जगह जगह से नहर टूट गई है अव्यवस्था बनी हुई है किसानों को पानी की समस्या है नहर जर्जर है आखरी तक पानी नहीं आ सकता है। हम किसानों का परहा लगाने का समय आ गया है अब ऊपर वाले के भरोसे हम चल रहे हैं। हम चाहते हैं कि शासन प्रशासन कोस्ते माइनर को लाइनिंग कार्य करें ताकि सरलता से सभी को पानी मिले सिंचाई अच्छी हो उत्पादन किसानों का बढे।

किसानों को पानी की जरूरत है बहुत समस्या बनी हुई है-पंकज पटले

किसान पंकज पटले ने बताया कि कासपुर से नहर हमारे यहां आता है जिसमें ग्राम के करीब १००० एकड़ भूमि मार्ग में पड़ती है जिसकी सिंचाई होती है। नहर की सफ ाई कार्य पूर्व में मजदूर की जगह जेसीबी से करवाया गया था जिसमें कुछ मोंगे ऊपर हो गए हैं तो कुछ मोंगे दब गए हैं। कहीं पानी आता है कहीं नहीं आता है दोनों स्थिति में समस्या है और १ फ ीट पानी की धार रहती है। अभी साफ सफ ाई नहीं हुई है झाड़ी काटे गाद बहुत ज्यादा हो गई है। जबकि हमारे यहां ७५ प्रतिशत खेती नहर के भरोसे लगाई जाती है और अंतिम गांव हमारा है। तीन.चार साल से सुधार कार्य या कुछ भी नहीं हुआ है पैसे लेने के लिए अधिकारी आते हैं और चले जाते हैं उसके बाद दिखते भी नहीं है। हर बार उनसे शिकायत की जाती है अभी किसानों को पानी की जरूरत है खेती कार्य सामने खड़ा है बहुत समस्या बनी हुई है।

अमृत हरित महाअभियान के तहत नपा ने किया वृक्षारोपण

८९० पौधे रोपित कर वायुदूत एप में की जा रही जियो टेगिंग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासन के दिशा निर्देशानुसार एवं जिला कलेक्टर बालाघाट के निर्देशों के परिपालन में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके के मार्गदर्शन में नगर पालिका के द्वारा सतत रूप से पर्यावरण संरक्षण कि दिशा में कार्य करते हुये वृक्षारोपण किया जा रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने बताया की पर्यावरण संरक्षण हेतु निकाय के द्वारा सतत प्रयास करते हुये नगर में विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण हेतु रूपरेखा तैयार की गई है। जिसकी शुरूआत ५ जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर वूमन फार ट्री अभियान के तहत वृक्षारोपण कर की गई है। इसके पश्चात से वर्षा ऋतु प्रारंभ होते ही अमृत हरित महाअभियान एवं अंकुर अभियान के तहत वार्ड क्रमांक ११ मोक्षधाम, शहर के मुख्य मार्गों के डिवाईडर, ट्रेचिंग ग्राउण्ड सरंडी, नगर के विभिन्न वार्डों में एवं जल संरचनाओं के समीप, वृक्षारोपण का कार्य निरतंर जारी है। इसी अनुक्रम में ६ जुलाई को न.पा. वारासिवनी के द्वारा सर्व ब्राम्हण समाज के साथ मिलकर स्थानीय परशुराम भवन में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न प्रजातियों के फ लदार ,छायादार पौधे तथा कटहल, गुलमोहर, बड़, पीपल, बेल आदि पौधे रोपित किये गये है। सीएमओ उके ने बताया की वृक्षारोपण का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा और भविष्य में पुरा नगर हरियालीमय दर्शित होगा। निकाय के द्वारा वर्तमान तक कुल ८९० पौधे रोपित कर पौधो की सतत मानिटरिंग करते हुये वायुदूत एप में पौधो की जियो टेगिंग भी की जा रही है। इस दौरान पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष न.पा.प.श्रीमती स्मिता जायसवाल, अध्यक्ष सर्व ब्राम्हण समाज संदीप मिश्रा, उपाध्यक्ष न.पा.प श्रीमती प्रिति संतोष शिव, मोनू लिमजे, मदन धार्मिक,श्रीमती पूनम झा ,श्रीमती भारती आड़े, श्रीमती रिता मिश्रा, संतोष आड़े, दीपक आडे, शरद दुबे,सुनिल पिपरेवार, हितेश हलमारे , राजदीप तुरकने सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जम्मू कश्मीर में धारा ३७० को खत्म कर प्रधानमंत्री ने किया डॉ. मुखर्जी के सपनो को साकार-प्रदीप जायसवाल

भाजपा नगर मंडल व रामपायली मंडल ने मनाया डॉ. मुखर्जी की जंयती

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। भाजपा नगर मंडल व रामपायली मंडल के तत्वावधान में रविवार को संघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जंयती मनायी गई। नगर के भाजपा कार्यालय में दोपहर समय में संघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जंयती गरिमामय रूप से मनायी गई। इस अवसर पर नरेन्द्र भैरम,पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, जिला मंत्री किरण शर्मा,आलोक खरे पूर्व नपा अध्यक्ष, महामंत्री सुनील पिपरेवार सहित अन्य लोगो की मौजूदगी में प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू कश्मीर में धारा ३७० को खत्म करके डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के सपनो को साकार किया है। उन्होने कश्मीर को भारत के संविधान के अनुरूप शेष भारत के साथ जोड़ने का काम किया है। आज जो जम्मू कश्मीर में हो रहा है विकास वह डॉ. मुखर्जी के संकल्पो की विजय है। वहीं रामपायली मंडल अध्यक्ष मिलिंद नगपुरे ने कहा की देश की आन बान और शान की रक्षा के लिए डॉ. मुखर्जी ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनके आदर्श और सिद्धांत विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में बहुमूल्य हैं। इस दौरान नपा उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति संतोष शिव, श्रीमती मधू जायसवाल, रितू अग्रवाल, श्रीति पालेवार, श्रीमती भारती आडे,प्रवीण रूसिया, संजय रूसिया, वेदप्रकाश पटेल , संतोष आडे, जगदीश नेमा, मंयक मिश्रा, मिथलेश बुरडे, जगदीश नेमा,किशोर अमूले, मिलिंद नगपुरे, श्रीमती पुष्पा किशोर अमूले, मिथलेश दमाहे , रविन्द्र हनवत, कबीर हनवत, राजकुमार कावरे, देवनाथ बोपचे, सुभाष झाड़ेकर, महेश टेंभरे, ईश्वरी बघेले, ओमकार चौधरी ,दीक्षा तुरकर, घनश्याम सहारे,चुन्नीलाल हिरवाने ,आकाश पटले,शिवलाल पटले ,प्रणय चौबे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नगर के बैडमिंटन खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

हर व्यक्ति को खेल खेलना चाहिए जिससे शरीर स्वस्थ रहता है-विवेक पटेल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के सिविल बैडमिंटन क्लब के तत्वाधान में रविवार को बैडमिंटल हॉल में सम्मान समारोह सम्पन्न किया गया। सम्मान समारोह में स्टेट से खेल कर आए दो बैडमिंटन खिलाड़ी आशुराम रिजवानी और अनमोल आहूजा, वहीं जिले से खेलकर आए अंशु दलवानी,समीर मात्रे और यश ठाकरे एवं रनिंग ट्राफी के विजेताओं को विधायक विवेक विक्की पटेल के हस्ते प्रशस्ति पत्र और सील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान बैडमिंटन क्लब के कोच गणेश ठाकुर ने कहा कि हमारे बैडमिंटल क्लब के खिलाड़ी जहां भी खेलने जाते हैं वहाँ से जीतकर ही आते हैं। आज के युवा बैडमिंटन खेलने में ज्यादा समय बिता रहे है जो की अच्छी बात है। जो खिलाड़ी अच्छा खेल खेलता हैं उसकी पहचान भी सबसे अलग होती है । इस दौरान संजय सोनी,सुदेश गुड्डु सोनी,पप्पू लालवानी मौजूद रहे। वहीं विधायक विवेक पटेल ने कहा कि हमारे वारासिवनी खैरलाँजी क्षेत्र बैडमिंटल में बहुत पिछड़ा हुआ था मगर पिछले कुछ वर्षों यह खेल हमारे क्षेत्र में आगे बढ़ता जा रहा है। वारासिवनी के छोटे छोटे बच्चे स्टेट खेलने जा रहे हैं यह हमारे वारासिवनी के लिए गौरव की बात है। मैं खुद बैडमिंटन खेलने जाता हूं और दूसरे को भी खेलने के लिए प्रेरित करता हूं खेल कोई भी हो हर व्यक्ति को खेलना चाहिए। खेल खेलने से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है कोई बीमारी भी नहीं होती शरीर को कोई तकलीफ नहीं होती जो खेल खेलते हैं वह हमेशा स्वस्थ रहता है। हमारे वारासिवनी के कई लोग है जो खेल विभाग में बड़े बड़े अधिकारी है वारासिवनी खैरलाँजी क्षेत्र के खिलाड़ियों को जब भी मेरी जरूरत पड़ेगी मैं उनके साथ खड़ा हूं । कोई खिलाड़ी अगर बड़े स्तर तक खेलने पहुंचता है तो खिलाड़ी के साथ साथ उसके माता पिता और उनके गुरु का भी बड़ा योगदान रहता है गुरु के बिना जीवन में आगे बढ़ना संभव नहीं है।

बजरंग दल ने अस्पताल में मरीजों को किया फल वितरण

विभिन्न स्थानों पर किया पौधरोपण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। बजरंग दल प्रखंड वारासिवनी के द्वारा एक जुलाई से सेवा सप्ताह मनाया जा रहा हैं । जिसके तहत वारासिवनी प्रखंड के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जानकारी देते हुए वारासिवनी प्रखंड अध्यक्ष श्याम बोकड़े ने बताया कि बजरंग दल सदस्यों ने स्थानीय सिविल अस्पताल में भर्ती मरीजों के बेहतर स्वास्थ्य की कामना करते हुए उन्हें फ ल वितरित करने के साथ ही ग्राम पंचायत सिकंद्रा के पंचायत भवन,भगवान परशुराम भवन प्रांगण एवँ शँकर तालाब की मेड़ पर बृहद पौधरोपण कर इन पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया। इस दौरान जिला सेवा प्रमुख भय्यू अग्रवाल, प्रखंड मंत्री पंकज ऐड़े, संयोजक मिथिलेश राणा, प्रखंड सहसंयोजक तरुण ठाकरे, रामपायली प्रखंड अध्यक्ष शुभम अग्रवाल, लखन ऐड़े, मनीष नागेश्वर,राजकुमार बाहेश्वर, सरपंच कन्हैय्या खैरवार सहित प्रखंड के अन्य लोग शामिल रहे।

संविधान की प्रस्तावना और विभाजनकारी बहसें

संविधान की प्रस्तावना से 卐धर्मनिरपेक्ष卐 और 卐समाजवादी卐 शब्दों को हटाने की मांग अब मुख्यधारा से दूर के तत्वों की फंतासी नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले जैसे वरिष्ठ और रसूखदार व्यक्ति द्वारा इस विचार के समर्थन में सार्वजनिक बयान दिये जाने के साथ ही, इसने राष्ट्रीय राजनीति में एक नयी फौरी जरूरत और प्रमुखता ग्रहण कर ली है। सन 1976 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के राज में आपातकाल के दौरान, 卐धर्मनिरपेक्ष卐 और 卐समाजवादी卐 शब्द संविधान में 42वें संशोधन के जरिए शामिल किये गये। इंदिरा गांधी को हटाकर सत्ता में आयी जनता पार्टी सरकार, जिसमें आरएसएस से जुड़े नेता भी शामिल थे, ने आपातकाल के दौरान संविधान में किये गये बहुत सारे बदलावों को पलट दिया, लेकिन इन शब्दों को रहने दिया। ये अवधारणाएं नये गणराज्य के संविधान के लिए इतनी केंद्रीय थीं कि इसके मूल लेखकों ने प्रस्तावना में इन शब्दों का इस्तेमाल करना भी जरूरी नहीं समझा। 1970 के दशक में जब भारत की राष्ट्रीय पहचान को लेकर टकराव सामने आना शुरू हुआ, इंदिरा गांधी ने सोचा कि इन संशोधनों को करना उपयुक्त और राजनीतिक रूप से फायदेमंद होगा। ऐतिहासिक रूप से हिंदुत्व खेमे ने इन अवधारणाओं का वास्तव में कभी विरोध नहीं किया। गांधीवादी समाजवाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पुराने अवतार जन संघ के मूल सिद्धांतों का हिस्सा था। हिंदुत्व के पैरोकारों ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर 'छद्म धर्मनिरपेक्षता' का पालन करने का आरोप लगाया, और परोक्ष रूप से, खुद के सच्चा धर्मनिरपेक्षतावादी होने का दावा किया।

बीते सालों में 卐धर्मनिरपेक्ष卐 और 卐समाजवादी卐 शब्दों ने भारतीय संदर्भ में विशिष्ट अर्थ ग्रहण किया है। धर्मनिरपेक्षता भारतीय सभ्यतागत विरासत या किसी धर्म को खारिज करना नहीं है, बल्कि राज्य द्वारा सभी आस्थाओं के साथ बराबरी के सलूक की प्रतिबद्धता है। इंदिरा गांधी को हिंदू भावनाओं को तुष्ट करने वाले व्यक्ति के रूप में देखा जाता था। समाजवाद का अभिप्राय निजी संपत्ति या उद्यम के प्रति शत्रुता नहीं है, बल्कि इस तथ्य की व्यावहारिक स्वीकृति है कि राज्य को गरीबी से निपटने और समाज के वंचित तबकों के वास्ते अवसरों का विस्तार करने के लिए सक्रिय उपाय करने चाहिए। 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' शब्द भारतीय राजनीति में दशकों से चली आ रही व्यापक आम-सहमति को दर्शाते हैं। इन शब्दों पर निरर्थक बहस दोबारा खड़ी करने से कुछ भी हासिल होने वाला नहीं। शायद बहस ही मकसद है ङ्क इस मांग के लिए कोई वैचारिक, कानूनी और व्यावहारिक तर्क प्रस्तुत किये बिना विभाजन का एजेंडा आगे बढ़ाना मकसद है। भारत की चुनौती ये दो शब्द नहीं हैं, बल्कि भेदभाव, गरीबी और अल्प विकास – जो अक्सर इसके नागरिकों की जाति और धार्मिक मूल से प्रभावित होते हैं ङ्क से निपटने के लिए इसका निरंतर संघर्ष है। संघ परिवार और भाजपा तय हो चुके अर्थों पर विभाजनकारी बहसों पर ऊर्जा बर्बाद करने के बजाय इन चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करके देश की बेहतर सेवा कर सकते हैं।

इमरजेंसी में आरएसएस ने क्या किया

इस साल (2025) में जून में देश ने आपातकाल (इमरजेंसी) लागू किए जाने की 50वीं वर्षगांठ मनाई। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1975 में 25 जून को देश में आपातकाल लागू किया था। इस दौर के बारे में बहुत कुछ लिखा जा चुका है - किस तरह लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए गए, हजारों लोगों को जेलों में ठूंस दिया गया और मीडिया का मुंह बंद कर दिया गया। इस काल को कई दलित नेता काफी अलग नजर से देखते हैं और याद करते हैं कि उसके पिछले दशक में इंदिरा गांधी ने बैंकों के राष्ट्रीयकरण और प्रीविपर्स की समाप्ति जैसे कई बड़े मौलिक फैसले लिए गए थे। इनके बारे में और इनका विश्लेषण करते हुए भी बहुत कुछ लिखा जा चुका है।

केन्द्रीय मंत्रिपरिषद ने आपातकाल की आलोचना करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया और उन लोगों की सराहना की जिन्होंने आपातकाल का विरोध करते हुए कुर्बानियां दीं। उन अनगिनत लोगों का स्मरण और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने का संकल्प लिया गया जिन्होंने निर्भीकता से आपाताकाल और उसके माध्यम से भारतीय संविधान की आत्मा का क्षय करने का प्रयासों का विरोध किया था। यह प्रयास सन् 1974 में नवनिर्माण आंदोलन और संपूर्ण क्रांति अभियान को सख्ती से कुचलने की कोशिशों से शुरू हुआ था। भाजपा आपाताकाल की 21 महीने की अवधि के दौरान उसके द्वारा निभाई गई महान भूमिका पर बहुत जोर दे रही है। यह आरएसएस के उस दावे से मेल खाता है कि आपाताकाल का विरोध करने वाली मुख्य शक्ति वह ही थी। उसके अधिकांश दावों की तरह इस दावे में भी सच्चाई का कोई अंश नहीं है।

इस संबंध में कई वरिष्ठ पत्रकारों द्वारा की गई खोजबीन और कुछ के द्वारा लिखी गई पुस्तकों से कुछ अलग ही तस्वीर सामने आती है। पत्रकारिता के एक बड़े स्तंभ प्रभाष जोशी ने लिखा था, तत्कालीन आरएसएस प्रमुख बालासाहब देवरस ने इंदिरा गांधी को एक पत्र लिखकर संजय गांधी के कुख्यात 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अमल में सहायता करने की पेशकश की थी। यह है आरएसएस का असली चरित्र।।।आप इसमें एक पैटर्न देख सकते हैं। यहां तक कि आपातकाल के दौरान भी आरएसएस और जनसंघ से जुड़े कई व्यक्ति, जो रिहा किए गए, उन्होंने माफीनामों पर हस्ताक्षर किए। वे क्षमायाचना करने वाले शुरूआती लोगों में से थे।।।अटल बिहारी वाजपेयी ज्यादातर समय अस्पताल में रहे।।।लेकिन आरएसएस ने आपातकाल के खिलाफ कोई संघर्ष नहीं किया। तो फिर आज भाजपा उसका यश क्यों हड़पना चाहती है?" वे अंत में निष्कर्ष इन शब्दों में प्रस्तुत करते हैं, वह कोई जुझारू संगठन नहीं है, और वे कभी संघर्ष के लिए उत्सुक नहीं रहते हैं। मूलत: वे समझौतावादी हैं। वे कभी दिल से, ईमानदारी से सरकार के खिलाफ नहीं रहे।

उत्तरप्रदेश और सिक्किम के पूर्व राज्यपाल टी वी राजेश्वर ने 'इंडिया: द क्रूशियल ईयर्स' (हार्पर कोलिन्स) शीर्षक की एक पुस्तक लिखी है। वे भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि वे (आरएसएस) न केवल उसका (आपातकाल का) समर्थन कर रहे थे बल्कि वे श्रीमती इंदिरा गांधी के साथ-साथ संजय गांधी से भी संवाद स्थापित करना चाहते थे।

जहां बहुत से समाजवादी और कम्युनिस्ट जेलों में कैद थे, वहीं आरएसएस के कार्यकर्ता जेलों से रिहा होने के लिए छटपटा रहे थे। भाजपा के सुब्रमण्यम स्वामी ने 'द हिन्दू' में लिखे गए एक लेख में आपातकाल से जुड़ी एक घटना बयान की है (13 जून 2000)। उनका दावा है कि तत्कालीन आरएसएस प्रमुख बालासाहेब देवरस और पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी ने आपातकाल-विरोधी आंदोलन के साथ विश्वासघात करते हुए इंदिरा गांधी को पत्र लिखे थे जिनमें क्षमायाचना की गई थी। यह महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही के रिकार्ड में दर्ज है कि तत्कालीन आरएसएस प्रमुख बालासाहेब देवरस ने पुणे के यरवदा जेल से इंदिरा गांधी को कई पत्र लिखे थे जिनमें क्षमायाचना की गई थी। उन्होंने आरएसएस के जेपी के नेतृत्व वाले आंदोलन से अलग हो जाने और कुख्यात 20-सूत्रीय कार्यक्रम से जुड़े कार्य करने की पेशकश भी की थी। इंदिराजी ने इनमें से किसी भी पत्र का जवाब नहीं दिया। (20 सूत्रीय कार्यक्रम और संजय गांधी के पांच-बिंदुओं का हवाला सत्ताधारी कांग्रेस द्वारा आपातकाल लागू किए जाने को न्यायोचित ठहराने के लिए करते हुए कहा जाता है कि ऐसा भारत को एक नया जीवन देने के लिए किया गया था)।

मेरे एक मित्र डॉ। सुरेश खैरनार, जो राष्ट्र सेवा दल के पूर्व अध्यक्ष हैं, भी इस दौरान जेल में थे। जब उन्हें पता लगा कि आरएसएस स्वयंसेवक माफीनामों पर हस्ताक्षर कर रहे हैं, तो वे उनके इस विश्वासघात से आगबबूला हो गए और उन्होंने अपनी नाराजगी स्वयंसेवकों से व्यक्त की। अपनी कार्यशैली के मुताबिक उन्होंने कहा कि वे तो तात्याराव (वीडी सावरकर) के बताए रास्ते पर चल रहे हैं। यह है हिन्दू राष्ट्रवादियों की रणनीति!

हमें यह भी याद है कि अटलबिहारी वाजपेयी को आगरा के पास बाटेश्वर से तब गिरफ्तार किया गया जब वे जंगल सत्याग्रह में शामिल हो रहे जुलूस को देख रहे थे, जिसके दौरान एक शासकीय भवन से यूनियन जैक को उतारकर वहां तिरंगा फहरा दिया गया था। इसके तुरंत बाद वाजपेयी ने एक पत्र लिखा और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन से स्वयं को अलग कर लिया। उन्हें तुरंत रिहा कर दिया गया। इस विचारधारा के अनुयायियों का चरित्र चित्रण ऊपर दिए विवरण के अनुसार प्रभाष जोशी ने बखूबी किया है।

जहां ये लोग ऊंचे आक्रामक सुर में बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, वहीं इनके क्रियाकलाप इसके ठीक विपरीत होते हैं। जब 1998 में वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए सरकार सत्ता में आई तब मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को इस फर्क का एहसास हुआ। उस समय तक कई मानवाधिकारों के प्रति समर्पित कार्यकर्ता मानते थे कि कांग्रेस और भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। लेकिन एनडीए के शासनकाल के दौरान इनमें से कईयों की यह गलतफहमी दूर हो गई और उन्हें यह समझ में आ गया कि भाजपा पार्टी विथ ए डिफरेंस है। वह भी इस तथ्य के बावजूद कि उस समय भाजपा को अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं था।

अब मोदी पिछले करीब 11 सालों से सत्ता में हैं। सन् 2014 और 2019 में उन्हें पूर्ण बहुमत हासिल हुआ। और इस पूर्ण बहुमत के दौर में उनका असली चेहरा साफ साफ नजर आ गया। जहां इंदिरा गांधी द्वारा लागू किया गया आपातकाल पूरी तरह संविधान के प्रावधानों के अनुरूप था, वहीं इस समय हम एक 'अघोषित आपातकाल' का सामना कर रहे हैं। सन् 2015 में इंडियन एक्सप्रेस के शेखर गुप्ता को दिए एक साक्षात्कार में लालकृष्ण आडवानी ने कहा था "अब आपातकाल की घोषणा के बाद 40 साल बीत चुके हैं। लेकिन पिछले एक साल से भारत में एक अघोषित आपातकाल लागू हैं" ('इंडियन एक्सप्रेस' 26-27 जून 2015)।

अभिव्यक्ति की आजादी को पूरी तरह कुचल दिया गया है। कई लोगों को सच बोलने की हिम्मत करने के जुर्म में जेल के सींखचों के पीछे पहुंचा दिया गया है। धार्मिक स्वतंत्रता में बहुत गिरावट आई है। न्याय अदालतों के माध्यम से नहीं बल्कि बुलडोजर जस्टिस के जरिए किया जा रहा है। लव जिहाद और गौमांस के बहाने अल्पसंख्यकों को डराने-धमकाने और प्रताड़ित करने के घृणित कृत्य किए जा रहे हैं। भीमा कोरेगांव मामले में कई प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेलों में ठूंस दिया गया। उमर खालिद और गुलफिशा फातिमा जैसे मुस्लिम कार्यकर्ता लंबे समय से जेल में हैं, जबकि उनके प्रकरणों में सुनवाई तक शुरू नहीं हुई है। कारपोरेट नियंत्रित मीडिया सरकारी नीतियों के प्रचार और विरोध की आवाजों को दबाने में पूरे उत्साह से जुटा हुआ है।

जहां केन्द्रीय मंत्रिपरिषद और आरएसएस से संबद्ध संगठन 1975 के आपाताकाल का प्रतिरोध करने का पूरा श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं वर्तमान सरकार दूसरे तरीकों से देश में आपातकाल जैसे हालात पैदा कर रही है। वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र के सूचकांक पर भारत की स्थिति में लगातार गिरावट दर्ज हो रही है। यह आवश्यक है कि हम आत्मविश्लेषण कर भारत में बने अघोषित आपातकाल के इन हालातों का मुकाबला कर उसे समाप्त करें।

-राम पुनियानी

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

नक्सलवाद या नीतिगत नरसंहार ?

संविधान की छांव में छुपा सच! साल 2025 की पहली छमाही में ही छत्तीसगढ़ के जंगलों से जो खबरें लगातार आ रही हैं, वो किसी भी संवेदनशील नागरिक को विचलित करने के लिए काफी हैं। सरकारी आंकड़े खुद गवाही दे रहे हैं कि अब तक 287 कथित नक्सलियों को सुरक्षा बलों द्वारा मार गिराया जा चुका है, 865 ने समर्पण किया और 830 गिरफ्तार किए गए हैं। इन आँकड़ों को एक सतही विजयगाथा की तरह पेश किया जा रहा है जैसे मानो एक बड़ी जीत हासिल हो गई हो। पर क्या सचमुच यह जीत है? और अगर है, तो किसकी? राज्य की? संविधान की? लोकतंत्र की? या फिर उन कॉरपोरेट हितों की जो खनिजों से भरे इन जंगलों की कीमत को खून से तौलना चाहते हैं? छत्तीसगढ़ की धरती केवल प्राकृतिक संसाधनों की भूमि नहीं है, यह सदियों से आदिवासी जीवन, परंपराओं और सांस्कृतिक अस्तित्व की जीवंत गवाही रही है। यहाँ का हर पेड़, हर नदी, हर पहाड़ इन आदिवासियों के जीवन से जुड़ा है। लेकिन अब इन्हीं जंगलों और बस्तियों में, नक्सल उन्मूलन के नाम पर जिस तरह से मौत परोसी जा रही हैं, वह किसी सुरक्षा अभियान से कहीं आगे की कहानी है। यह उस खामोश विनाश की गाथा है जिसे आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन की आड़ में अंजाम दिया जा रहा है।

जिन्हें मारा जा रहा है, उनके शवों के साथ न मीडिया तस्वीरें साझा करता है, न ही अदालतें कोई सुनवाई करती हैं। एके-47 की गोलियों से किसी की संभावित पहचान को नक्सली ठहराकर मिटा देना क्या इस लोकतंत्र में न्याय का नया मानक बन गया है? क्या अब संविधान की प्रस्तावना में लिखी 'न्याय', 'स्वतंत्रता' और 'समता' की अवधारणाएं केवल भाषणों और परीक्षाओं की चीज़ बनकर रह गई हैं? विडंबना यह है कि आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर एक आदिवासी महिला बैठी हैं जो प्रतीकात्मक रूप से आदिवासी गौरव का प्रतिनिधित्व करती हैं और उसी समय उन्हीं आदिवासियों को 'राज्य विरोधी' घोषित कर उनका सफाया किया जा रहा है। यह उस विरोधाभास की मिसाल है जो इस राष्ट्र के प्रतीकों और उसकी वास्तविकता के बीच की गहरी खाई को दर्शाता है। यह सवाल सिर्फ छत्तीसगढ़ या किसी एक राजनीतिक दल का नहीं है। यह प्रश्न उस सोच का है, जो मानती है कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा में लाने का एकमात्र तरीका उसे या तो मार देना है, या हथियार डलवा कर उसे 卐आज्ञाकारी卐 बना देना है। लेकिन यह 卐मुख्यधारा卐 आखिर है क्या? क्या यह वही धारा है जहां जल, जंगल, ज़मीन पर कॉरपोरेट कब्ज़ा वैध है, लेकिन आदिवासी हक़ की आवाज़ 卐राष्ट्रविरोधी卐 हो जाती है?

सरकार यह दावा करती है कि वह शांति चाहती है, विकास चाहती है। पर सवाल उठता है अगर पाकिस्तान से युद्धविराम हो सकता है, सीमा पर बातचीत हो सकती है, तो अपने ही देश के नागरिकों से संवाद क्यों असंभव है? अगर नगालैंड, मिजोरम, कश्मीर, असम में राजनीतिक समाधान तलाशे जा सकते हैं, तो बस्तर की घाटियों में केवल गोलियों की गूंज ही क्यों तय कर रही है कि कौन जिएगा और कौन मरेगा? सच यह है कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी केवल एक भौगोलिक पहचान नहीं रखते, वे इस देश के उस मूल स्वर को दर्शाते हैं जिसे 'लोक' कहते हैं। उनका जीवन सामूहिकता, प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व और गहरे आत्म-सम्मान पर आधारित है। लेकिन यह जीवन पद्धति उस नवउदारवादी मॉडल के लिए सबसे बड़ी बाधा है जो जंगल को सिर्फ खनिज मानता है, न कि जीवंत संस्कृति। यही कारण है कि जब कोई आदिवासी अपनी जमीन छोड़ने से मना करता है, तो उसे माओवादी ठहरा दिया जाता है। और यही वह क्षण है जब न्याय के दरवाज़े बंद हो जाते हैं, और बंदूकें खुल जाती हैं। आंकड़ों की भाषा में देखें तो 2025 में अब तक 287 लोग मारे गए, लेकिन यह संख्या सिर्फ शरीरों की नहीं, यह 287 परिवारों की बर्बादी, सैकड़ों अनाथ बच्चों की आँखें, और उन गाँवों की खामोश पीड़ा की गिनती है जहाँ जीवन अब केवल डर में बीतता है। ऐसे में यह दावा करना कि नक्सलवाद कमजोर हो रहा है, शायद रणनीतिक हो, लेकिन मानवीय नहीं।

एक सभ्य समाज की पहचान केवल उसकी कानून व्यवस्था से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर वर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। और जब वह समाज अपने ही नागरिकों की असहमति को हिंसा से कुचलने लगे, तो वह खुद अपनी नींव को खोद रहा होता है। क्या हम सच में यह मानने लगे हैं कि आदिवासी होना ही अपराध है? हमारी चुप्पी इस अपराध में साझेदार है। जब हम मीडिया की एकतरफा खबरों पर विश्वास करके संतोष की सांस लेते हैं, जब हम यह मान लेते हैं कि 'अगर मारा गया तो कुछ न कुछ गड़बड़ की होगी', तब हम उस न्याय प्रक्रिया का गला घोंट रहे होते हैं जिसने हर नागरिक को निर्दोष मानने का अधिकार दिया है जब तक कि उसका दोष सिद्ध न हो जाए। अब समय आ गया है कि हम सवाल पूछें खुले, निर्भीक और जिम्मेदार सवाल। क्या यह सच नहीं कि इस पूरे सैन्य अभियान का उद्देश्य सिर्फ सुरक्षा नहीं, बल्कि खनन मार्ग को साफ़ करना है? क्या यह सच नहीं कि जिन इलाकों में सबसे अधिक संघर्ष हो रहा है, वे वही क्षेत्र हैं जहाँ खनिज संपदा सबसे ज्यादा है?

अगर यह संघर्ष केवल सुरक्षा का होता, तो इसमें संवाद, विश्वास और पुनर्वास की योजना होती। लेकिन जब किसी समाधान की बात ही नहीं होती, जब केवल 卐मौत या समर्पण卐 का विकल्प दिया जाता है, तब यह राज्य की हिंसक इच्छाशक्ति का संकेत है, न कि लोकतांत्रिक मंशा का। कहीं ऐसा तो नहीं कि हम अपने ही देश के एक पूरे समुदाय को आंतरिक शत्रु मानने की आदत डाल चुके हैं? और अगर हां, तो यह आदत हमें उस दिशा में ले जा रही है जहां लोकतंत्र केवल कागज़ों पर बचेगा, और ज़मीन पर तानाशाही का रूप ले लेगा। एक संवेदनशील राष्ट्र वह होता है जो अपने लोगों की पीड़ा को सुने, उनके आक्रोश को समझे और उनकी असहमति को देशद्रोह नहीं, लोकतंत्र का हिस्सा माने। छत्तीसगढ़ का सवाल केवल सुरक्षा नीति का नहीं है, यह इस देश की आत्मा का प्रश्न है। अगर हमने इस समय चुप्पी ओढ़ी, तो इतिहास यह नहीं देखेगा कि कितने 'नक्सली' मारे गए बल्कि यह याद रखेगा कि हमने कितनी निर्दोष आवाज़ों को चुप होते देखा, और कुछ नहीं किया। यह लोकतंत्र के लिए एक निर्णायक क्षण है। क्या हम बंदूक से शासन चलाएंगे, या संवाद से? क्या हम खामोशी को सुरक्षा मानेंगे, या न्याय को? यह चुनाव सिर्फ छत्तीसगढ़ का नहीं, पूरे भारत का है।

(लेखिका- सोनम लववंशी)

हर क़ौम कह रही है हमारे हुसैन हैं

पूरी दुनिया में इन दिनों इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने मुहर्रम के दौरान करबला की दास्तान याद की जा रही है। 680 ईस्वी अर्थात मुहर्रम 61 हिजरी में इराक़ में करबला स्थित मैदान फ़ुरात नदी के किनारे पैगंबर हज़रत मुहम्मद के नवासे इमाम हुसैन व उनके परिवार के लगभग 72 सदस्यों को सीरिया के तत्कालीन तानाशाह यज़ीद की सेना ने उसके आदेश पर बड़ी ही बेरहमी से 10 मुहर्रम यानी आशूरा के दिन तीन दिन का भूखा प्यासा क़त्ल कर दिया था। उसके बाद उनके परिवार के तंबुओं को जलाया व लूटा गया। बाद में इमाम हुसैन के परिवार, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को बंदी बनाकर कूफ़ा और फिर सीरिया ले जाया गया। इस दौरान उनके साथ क्रूर व्यवहार किया गया। उन्हें रास्ते भर यातनायें दी गयीं उनके सरों से चादरें छीनी गयीं,हाथों में हथकड़ियां,रस्सियां व पैरों में बेड़ियाँ डाली गयीं। ग़ौरतलब है कि हज़रत मुहम्मद के घराने के साथ घोर अत्याचार करने वाला उस समय का तानाशाह यज़ीद पुत्र मुआविया स्वयं भी मुसलमान था और उसकी सेना के अत्याचारी सदस्यों में भी अनेक हाफ़िज़,क़ारी और लंबी लंबी दाढ़ियों वाले धर्मगुरु सरीखे अनेक मौलवी शामिल थे। यज़ीद अपने समय का एक शक्तिशाली परन्तु क्रूर,अधर्मी,अय्याश शासक था। वह अपनी ताक़त के बल पर अपनी सत्ता चलने के लिये हज़रत इमाम हुसैन का समर्थन चाहता था। परन्तु हज़रत हुसैन ने उसकी दुष्ट की ताक़त की परवाह नहीं की और उसके हाथों पर बैयत करने से इंकार कर दिया।

हज़रत हुसैन की शहादत और करबला की घटना को पूरे विश्व के सभी धर्मों व विश्वास के लोग पूरी श्रद्धा व सम्मान से देखते हैं। इस घटना को धर्म के बजाय इतिहास से जुड़ी विश्व की अभूतपूर्व घटना होने के नाते पूरी दुनिया के में साहस, बलिदान और अन्याय के ख़िलाफ़ संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। यही वजह है कि विभिन्न धर्मों के लोग हज़रत हुसैन की नैतिकता, मानवता और सत्य के लिए उनके बलिदान की प्रशंसा करते हैं। भारत में मुहर्रम पर हिंदुओं की मुहर्रम में भागीदारी व उनके द्वारा श्रद्धा पूर्वक की जाने वाली ताज़ियादारी की परंपरा देश की सांस्कृतिक और धार्मिक समन्वयता को दर्शाती है। ताज़िया, इमाम हुसैन के मक़बरे का प्रतीकात्मक स्वरूप है जो भारत में हिंदू-मुस्लिम एकता का भी प्रतीक है। मुहर्रम में ताज़ियादारी की परंपरा को ग्वालियर के सिंधिया परिवार जैसे हिंदू राजघरानों ने भी पूरी श्रद्धा के साथ अपनाया। वे न केवल ताज़िया बनवाते थे, बल्कि जुलूसों में भी शामिल होते व इसे अपनी मन्नतों और आस्था से जोड़कर देखते थे। जबकि मुस्लिम शासक होने के बावजूद औरंगज़ेब ने अपने शासनकाल में मोहर्रम के जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया था। मध्य प्रदेश (ग्वालियर) के अलावा भी भारत में कई क्षेत्रों, विशेषकर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, और दक्षिण भारत के कई हिस्सों में हिंदू समुदाय ताज़ियादारी में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

इसी तरह इतिहास में हिंदू समुदाय, से जुड़े 卐हुसैनी ब्राह्मण,卐 का ज़िक्र मिलता है। कहा जाता है कि हुसैनी ब्राह्मण करबला की जंग में हज़रत इमाम हुसैन के पक्ष में लड़े थे। इसीलिये इनके वंशज आज भी मुहर्रम में मजलिस मातम करते हैं व हुसैन की याद में ताज़िया निकालते हैं। बताया जाता है कि सिंध के हिन्दू राजा राहिब दत्त नि:संतान थे। वे संतान हेतु दुआओं की आस लेकर हज़रत इमाम हुसैन की सेवा में हाज़िर हुये। हज़रत इमाम हुसैन के आशीर्वाद से राहिब दत्त के घर एक दो नहीं बल्कि सात पुत्रों की प्राप्ति हुई। इसके कारण राजा राहिब दत्त की इमाम हुसैन के प्रति अटूट श्रद्धा हो गयी। बाद में जब राजा राहिब दत्त को पता चला कि करबला में हज़रत इमाम हुसैन को उनके परिवार के 72 लोगों के साथ ज़ालिम यज़ीद ने घेर लिया है। तो राजा राहिब दत्त अविलंब हिन्दू सैनिकों की अपनी सेना लेकर करबला के लिये प्रस्थान कर गये। परन्तु उनके करबला पहुँचने तक देर हो चुकी थी। हज़रत इमाम हुसैन अपने साथियों के साथ शहीद किये जा चुके थे। इस घटना से अत्यंत दुखी व आहत राहिब दत्त ने यज़ीद से बदला लेने का फ़ैसला किया। उन्होंने वहाँ के हुसैन समर्थक एक बहादुर योद्धा अमीर मुख़्तार

को साथ लिया। जब उन्हें सूचना मिली कि यज़ीदी फ़ौज लुटे हुये हुसैनी क़ाफ़िले के साथ इमाम हुसैन का कटा हुआ सिर लेकर कूफ़ा (इराक़ी शहर) की तरफ़ जा रही है। उस समय राहिब दत्त की सेना ने कड़ा संघर्ष कर इमाम हुसैन का सिर पुन: प्राप्त कर लिया। मोहयाल अथवा कश्मीरी ब्राह्मण, हज़रत इमाम हुसैन से अपने इसी संबध के कारण स्वयं को आज भी बड़े गर्व से हुसैनी ब्राह्मण कहते हैं।

संयोग से पिछले दिनों मुझे भी इराक़ में कूफ़ा स्थित उस ऐतिहासिक स्थान पर जाने का अवसर मिला जिसे मस्जिद-ए-हनाना के नाम से जाना जाता है। यह वही जगह है जहां इमाम हुसैन की शहादत के बाद उनका कटा सिर करबला से यज़ीद के दरबार (दमिश्क, सीरिया) ले जाया जा रहा था.उसी समय नजफ़ के क़रीब इसी जगह पर इमाम हुसैन का कटा हुआ पवित्र सिर रखा गया था। आज यह मस्जिद सभी धर्मों के लोगों के लिये एक पवित्र तीर्थस्थल है, क्योंकि यह करबला की मार्मिक घटना की याद दिलाती है।यहाँ प्रतिदिन विभिन्न धर्मों व देशों के लाखों तीर्थ यात्री आते हैं श्रद्धापूर्वक अपना शीश नवाते व प्रार्थनाएं करते हैं।

इसी तरह सिख धर्म में भी इमाम हुसैन के बलिदान को पूरा सम्मान दिया जाता है। कई सिख इतिहासकारों और विद्वानों ने करबला की घटना को सिख धर्म के सिद्धांतों से मेल खाने वाली सत्य और न्याय के लिए लड़ी गयी लड़ाई के रूप में वर्णित किया है। इसीलिये पंजाब में कुछ गुरुद्वारों में मोहर्रम के दौरान इमाम हुसैन की याद में विशेष आयोजन किए जाते हैं। इसी तरह विशेष रूप से मध्य पूर्व और भारत में कुछ ईसाई समुदाय के लोग भी इमाम हुसैन की शहादत को एक सार्वभौमिक बलिदान के रूप में देखते हैं। लेबनान जैसे देश में, जहाँ विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं यहां ईसाई समुदाय के लोग भी आशूरा के आयोजनों में शामिल होते हैं और इमाम हुसैन के बलिदान को पूरा सम्मान देते हैं। इतना ही नहीं बल्कि भारत में पारसी और जैन समुदाय के कुछ लोग भी मोहर्रम के दौरान इमाम हुसैन के बलिदान को याद करते हैं। पंजाब के होशियारपुर में सूफ़ी राज जैन नामक एक हुसैनी भक्त ने तो अपनी क़ीमती ज़मीन बेचकर इमामबाड़ा निर्मित कराया है। और उनका पूरा परिवार हुसैन की याद में यहाँ मजलिस मातम जुलूस व ताज़ियादारी सब कुछ पूरी श्रद्धा से करता है।

वास्तव में इमाम हुसैन की शहादत एक ऐसी घटना है जिसे धार्मिक संकीर्ण सीमाओं से ऊपर उठकर मानवता, सत्य, और न्याय के लिए उनके बलिदान के रूप में पूरी दुनिया में स्वीकार किया जाता है। दास्तान -ए-करबला को कई ग़ैर-मुस्लिम लेखकों, कवियों और विचारकों ने अपनी रचनाओं में स्थान दिया है। महात्मा गांधी ने तो कहा था कि उन्होंने इमाम हुसैन से ही अन्याय के खिलाफ अहिंसक प्रतिरोध की प्रेरणा ली। नेल्सन मंडेला भी अपने संघर्ष के लिये हज़रत हुसैन को ही अपना प्रेरणा स्रोत मानते थे। इनके अतिरिक्त रबिन्द्र नाथ टैगोर,पंडित जवाहरलाल नेहरू,डॉ राजेंद्र प्रसाद,डॉ. राधाकृष्णन, श्रीमती सरोजिनी नायडू ,मुंशी प्रेमचंद,,अंटोनी बारा -एडवर्ड ब्राउन,थॉमस कार्लाईल जैसे अनेकानेक चिंतक व विचारक शहीद -ए-करबला हज़रत इमाम हुसैन से प्रेरित थे व इन्हें अपना आदर्श मानते थे। यही वजह है कि 1450 वर्षों बाद भी आज हर क़ौम कह रही है हमारे हुसैन हैं।

तनवीर जाफ़री

इन्दौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इन्दौर। श्रावणी माँग व कमजोर आवकों के चलते आलौच्य सप्ताह के दौरान किराना जिंसों में नारियल बाजार उछाल पर रहे। शक्कर में सुस्ती आयी। खाद्य तेलों में नरमी का रूख रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूत देखे गये। दलहनों में चना ऊँचाइयों पर रहा।

किराना - शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। शक्कर में लेवाली कमजोर है। सावो व अन्य मुहर्त के कामकाज कम होने से भावों में नरमी है। शक्कर में सप्ताह के दौरान बाजार 4080-4120 रू. प्रति क्विंटल तक आ गये। खोपरे गोले में लेवाली के चलते भावों में मजबूती है। समीक्षा सप्ताह के दौराना खोपरा गोला 340-380 रू. प्रति किलो के बीच रहा। कालीमिर्च में पूछपरख वाली बात नहीं है। दिसावर तरफ भावों में सुस्ती के चलते भावों में सुधार देखा गया। समीक्षा सप्ताह के दौरान कालीमिर्च 740-780 रू. प्रति किलो पर आ गयी। तरबूज मगज में स्टॉक कमजोर है। त्यौहारी सीजन को देखते हुए बाजार में तेजी की स्थि?ति? है। समीक्षा सप्ताह के दौरान तरबूज मगज में बाजार 620-640 रू. प्रति किलो पर आ गये। नारियलों में माल की किल्लत से भावों में जोरदार तेजी है। समीक्षा सप्ताह के दौरान नारियलों में बाजार छोटे मालों में 5200-5500 रू. प्रति थैले पर पहुंच गये।

तेल-तिलहन - आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा बेहद कम ही रही। सोयाबीन की बुवाई का सीजन आरंभ है। मानसून की स्थि?ति? अभी तक काफी बढ़ि?या है। जिसको देखते हुए सीजन में अच्छे उत्पादन की आशा की जा रही है। जिसका असर खाद्य तेलों पर भी है। समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1360-1390 रू. प्रति 10 किलो पर रहा। सोया व कपास्या तेलों में 5-10 रू. प्रति 10 किलो से बाजार हल्के पड़े। सोया तेल रिफाइंड माल 1175-1190 रू. प्रति 10 किलो के बीच रहा। वहीं, कपास्या तेलों में बाजार 1230 रू. प्रति 10 किलो पर रहे। तिलहनों में सरसो पूछपरख से 6300-6500 रू. प्रति क्वि?टल पर रहे।

दाल-दलहन - समीक्षा सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में व्यापार ठंडा ही रहा। तुअर, उड़द व मूंग में मिलो की लेवाली अटकी रही। तुअर में बाजार 6000-6500 रू. प्रति क्वि?टल के बीच रहे। वहीं, उड़द में 7400-7600 रू. प्रति क्वि?टल के दायरे में बाजार बने रहे। चने में लेवाली से 75-100 रू. प्रति क्वि?टल तक की तेजी आयी। चना बढ़ि?या मालों में 6000-6075 रू. प्रति क्वि?टल पर रहा। मसूर में पूछपरख से बाजार 6050-6100 रू. प्रति क्विंटल के बीच रहे।

इस सप्ताह अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता पर निर्भर करेगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई । इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के नतीजों पर निर्भर करेगी। ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और रुपये की डॉलर के मुकाबले चाल भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क के निलंबन की 90 दिन की अवधि 9 जुलाई को समाप्त हो रही है। यदि इस वार्ता में सकारात्मक परिणाम आते हैं, तो बाजार की धारणा में मजबूती आ सकती है, जबकि नतीजे नकारात्मक रहे तो बाजार में कमजोरी देखने को मिल सकती है। अमेरिका ने भारत सहित कई देशों पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया था, जिसे 90 दिन के लिए रोक दिया गया था। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि यह सप्ताह वैश्विक बाजारों के लिए भी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि जवाबी शुल्क निलंबन की अवधि समाप्त होने से वैश्विक व्यापार की दिशा तय होगी। इसके साथ ही निवेशक अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे पर भी नजर बनाए रखेंगे। घरेलू स्तर पर आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और खुदरा क्षेत्र की एवेन्यू सुपरमार्ट्स के तिमाही नतीजों पर निवेशकों की खास नजर होगी। इसके अलावा अन्य कंपनियों के भी वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजे जारी होंगे, जो बाजार की दिशा निर्धारित करने में मदद करेंगे।

खाद्य तेल बाजार में हलचल

सरसों-सोया-मूंगफली के दाम बढ़े, पाम तेल स्थिर

नई दिल्ली । बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला तेल के भाव में तेजी देखी गई, जबकि कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम पूर्ववत बने रहे। वै ?श्विक बाजार में खाने के तेलों की कीमतों में तेजी का असर भारत में सीमित रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार सरसों की आवक कमजोर बनी हुई है, जबकि कच्ची घानी तेल मिलों की मांग तेज होती जा रही है। आगामी सरसों फसल आने में अभी समय है और मौजूदा स्टॉक सरकार व किसानों के पास है। सरकार द्वारा पूर्व में खरीदी गई फसल की बिक्री के लिए निविदा मंगाने से बाजार पर हल्का दबाव जरूर आया, फिर भी सरसों के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 6ङ्क7 फीसदी ऊपर बने हुए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 बढ़कर 6,925ङ्क6,975 प्रति क्विंटल पर बंद हुआ, जबकि दादरी सरसों तेल 175 की तेजी के साथ 14,875 रुपए प्रति क्विंटल पहुंचा। विदेशी बाजार में सोयाबीन की कीमत 1,130ङ्क1,135 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,155ङ्क1,160 डॉलर हो गई, जिससे घरेलू बाजार में भी थोड़ी तेजी आई। हालांकि, सोयाबीन का हाजिर भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य से करीब 15 फीसदी नीचे है, जिससे मंडियों में आवक कम हो रही है। आयातकों को भी लागत से नीचे भाव पर सोया डीगम तेल बेचना पड़ रहा है। सोयाबीन दाना 25 रुपए बढ़कर 4,375ङ्क4,425 और डीगम तेल 100 रुपए बढ़कर 9,700 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा। कमजोर थोक दाम और न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चलने के कारण किसान बिक्री से कतरा रहे हैं। हालांकि मांग में हल्की तेजी से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में भी सुधार हुआ। मूंगफली तेल गुजरात 150 रुपए बढ़कर 13,700 और मूंगफली रिफाइंड 35 रुपए बढ़कर 2,230ङ्क2,530 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। पाम और पामोलीन तेल की कीमतें समीक्षाधीन सप्ताह में स्थिर रहीं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए धैर्य और साहस से काम करने के लिए रहेगा। आपको अपनी वाणी पर संयम रखने की आवश्यकता है। आप बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध न करें, नहीं तो संतान भी आपसे नाराज हो सकती है। आप अपनी माताजी से चल रहे किसी वाद-विवाद को बातचीत के जरिए दूर करेंगे।

वृषभ - आज आपको जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचना होगा, जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी कोई प्रिय वस्तु यदि खो गई थी, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं।

मिथुन - आज का दिन आपके लिए धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए रहेगा। आप किसी धार्मिक यात्रा पर भी जा सकते हैं। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा और आप माता-पिता की सेवा के लिए भी समय निकालेंगे, लेकिन इसके साथ-साथ आप कामों पर भी पूरा ध्यान दें।

कर्क - आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपका कोई काम समय से पूरा न होने से आपको टेंशन बनी रहेगी, लेकिन यदि आप ससुराल पक्ष से किसी व्यक्ति से धन उधार लेने की सोच रहे थे, तो वह आपको आसानी से मिल जाएगी। आपकी किसी बात को लेकर आपको अपने पिताजी से सलाह मशवरा करना होगा। आपका कोई मित्र लंबे समय बाद आपसे मिल मुलाकात करने आ सकता है।

सिंह - आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। आप अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाएं। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोले। परोपकार के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपकी सेहत में यदि कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर हो सकती है। आपको वाहनों से थोड़ा सावधान रहना होगा।

कन्या - आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको किसी काम में थोड़ा सोच समझकर आगे बढ़ना होगा। परिवार के सदस्यों में पैतृक संपत्ति को लेकर वाद-विवाद छिड़ सकता है, जिससे रिश्तों में दूरी आने की संभावना है।

तुला - आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण थोड़ा परेशान रहेंगे। आपको किसी नए काम में थोड़ा सोच समझकर हाथ बढ़ाना होगा। शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आप अपनी माताजी की सेहत को लेकर परेशान रहेंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों को कोई पुरस्कार मिल सकता है।

वृश्चिक - आज का दिन आपके लिए कठिनाइयों से भरा रहने वाला है। माताजी से आपकी कहासुनी होने के संभावना है। आप किसी से कोई लेन-देन बहुत ही सोच समझकर करें। यदि आप किसी से मांगकर वाहन चलाएंगे, तो कोई दुर्घटना होने की संभावना है। आपके जीवनसाथी आपके कामों में पूरा साथ देंगे। आप अपने भविष्य को लेकर कोई बड़ा डिसीजन ले सकते हैं।

धनु - आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती भरा रहने वाला है। आप अपने कामों को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड ना रहें। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के प्रेम में डूबे नजर आएंगे। आप अपनी सेहत को लेकर भी एतियात बरतें।

मकर - आज आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा, क्योंकि संतान को किसी परीक्षा में बेहतर परिणाम मिलेंगे और आप अपने मन की इच्छाओं को लेकर अपने पिताजी से बातचीत कर सकते हैं। आप अपने बिजनेस में मन मुताबिक लाभ पाकर काफी खुश होंगे, क्योंकि आपकी योजनाएं बेहतर लाभ देगी। आप अपनी इनकम को बढ़ाने पर पूरा ध्यान दें। आपके मन में नई ऊर्जा रहने से आप अपने कामों को समय से निपटाने की कोशिश करेंगे।

कुंभ - आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आप अपने कामों को लेकर पूरी मेहनत से आगे बढ़ेंगे। यदि आप विदेशों से व्यापार कर रहे थे, तो आप किसी अजनबी पर भरोसा थोड़ा सोच समझकर करें। आपको अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। जो लोग अकेले हैं, उनके जीवन में उनके साथी की दस्तक हो सकती है। आपका कोई पुराना लेनदेन यदि आपके लिए समस्या बना हुआ था, तो वह भी खत्म होगा। आप अपने घर के लिए कोई नया इलेक्ट्रॉनिक आइटम खरीद सकते हैं।

मीन - आज का दिन आपके लिए पढ़ाई-लिखाई में एकाग्र होकर जुटने के लिए रहेगा। आप कार्यक्षेत्र में कुछ नया सोचेंगे, जिससे आपको खुशियां मिलेंगी। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। कार्यक्षेत्र में आप अपनी जिम्मेदारियों से घबराएंगे नहीं। किसी कानूनी मामले में आपको निराशा हाथ लग सकती है। आपके विरोधी आपके कामों को बिगाड़ने की कोशिश में लगे रहेंगे। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आपकी किसी पुरानी गलती से आपको सबक लेना होगा।

शब्दजाल - 7952

शब्दजाल में दस पालतू जानवरों के नाम ढूंढिए. दिए गए दस नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

ग	क	ल	ड	व	ल	र्प	धी	ऊं	ल	ज
र	धा	ल	भैं	स	ति	ड्ड	इं	ट	ट	वा
त	स	या	ल	बि	ल्ली	रा	रा	आ	ख	गा
ब	ज	ज	सु	पु	र	रा	प	ए	ली	य
म	क	दो	ग	ल्ता	लं	स	तू	उ	झ	म
स	क	री	प	ख	न	पू	ना	फ	घ	त
त्ते	अ	स	त	र	प	न	श	ज	ला	ट
पे	ता	दा	ई	गो	ब	कु	फ	रा	श	न
बं	बा	चे	न	श	जी	ई	त्ता	ल	प	रु
द	पा	ला	ल	न	क	दु	र	शा	स्त्री	ता
र	रा	जी	घो	ड़ा	धी	रा	इ	फ	ई	त

खरगोश,बिल्ली,कुत्ता,गाय,भैंस,ऊंट,गधा, बकरी,बंदर,घोड़ा

शब्दजाल - 7951 का हल

बं	ल	र	ह	द	ब	निं	ग	ट्रे	न	आ
ज	दि	ल	म	आ	मो	ह	दो	तें	शा	म
अं	इ	श	दि	ल	दा	ल	उ	र	ला	ब
मे	क	व	ल	प	ल	क	स्ता	रि	श	न
स	रे	श	ज	वा	ब	स	द	ग	वी	व
ही	रं	अ	च	व	लि	र्त	ल	ती	प	च
व	रो	ल	प	गा	आं	धी	तू	फा	न	ले
श	बा	ज	स	ने	क	छ	र	ग	श	थ
छ	त्ती	स	घं	टे	न	ज	स	शा	जू	ध
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	र्मा
थो	बु	लं	दी	र	हो	ग	या	दु	र	त्मा

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6896

1		2	■	3		4	■	5	■
	■	6			■	7	8		9
■	10		■		■	■		■	
11		■	12		13		■	14	
■	15			■		■	16		■
17		■	■	18		19	■	20	
	■	21		■	■	22		■	■
	■		■	23	24		■	■	25
■	26		27	■		■	28		
29		■		■	30			■	

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५.'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6895

सं	गी	त	■	भा	भी	■	दी	दा	र
ग्रा	■	ह	स्ती	■	गी	ता	■	स्ता	■
म	ह	ल	■	ही	रा	■	जा	न	म
■	■	का	श	■	त	मि	ल	■	न
शो	ले	■	गु	ड्डु	■	थु	■	■	मौ
र	■	शा	न	■	जा	न	की	बा	जी
■	डॉ	न	■	स	नी	■	■	द	■
क	■	दा	सी	■	दु	■	स	ल	मा
सौ	■	र	■	दु	श्म	न	■	■	चि
टी	ना	■	माँ	■	न	■	पा	र	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8420

■	1		2	■	3			4
5		■	6			■	■	
	■	7			8	9	■	
10	11				■	12	13	
■		■		■	14	■		■
15		16	■	17		18		19
	■	20	21		22		■	
	■	■	23			■	24	
25				■	26			■

बाएँ से दाएँ

1. सुगंध, खुशबू-3
3. व्यवस्था-2,2
5. आम लोग-2
6. चिंतन, सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश, विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वसय, घेरा-3
15. आंचल, पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर, पिता का घर-3
24. नवीन, नया, नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक, न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे

1. जी, चित्त, इच्छा-2
2. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर, विदुषक-4
5. दुनिया, जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव, हरदम-2
11. जन्म, पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी, नलका-2
18. वश, अधीन-2
19. परिणाम, हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8419 का हल

वृ	क्ष	■	अ	रा	ध	ना	■	जु
■	मा	न	क	■	ड़	■	च	र्म
अ	■	स	ड़	न	■	सु	र	■
चा	ल	■	■	त	■	ब	खा	न
न	■	आ	रा	म	दे	ह	■	न
क	म	रा	■	स्त	■	■	भा	दो
■	री	म	■	क	च	रा	■	ई
मौ	ज	■	रा	■	र	स	म	■
त	■	को	ह	रा	म	■	स्त	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	सिंह में
बुध	कर्क में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ	समय
कर्क	06.05 बजे से
सिंह	08.21 बजे से
कन्या	10.33 बजे से
तुला	12.44 बजे से
वृश्चिक	14.59 ब.से
धनु	17.15 बजे से
मकर	19.20 बजे से
कुंभ	21.06 बजे से
मीन	22.39 बजे से
मेष	00.10 बजे से
वृष	01.50 बजे से
मिथुन	03.48 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 188 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 23.11 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 01.12 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुभ 22.03 बजे को समाप्त। **करण** बव 10.16 बजे तदनन्तर बालव 23.11 बजे को समाप्त।

चन्द्रायु 11.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 35'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872398
जूलियन दिन 2460863.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 11
विशेष देवशयनी एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सेवा और धर्म

एक बार इब्राहिम एक काफिले के साथ तीर्थयात्रा पर जा रहे थे। काफिले में दर्जनों यात्री थे। बीच रास्ते म काफिले का एक अनजान व्यक्ति बीमार पड़ गया। इब्राहिम उसे जानते नहीं थे मगर उसे बीमार देखकर तत्काल उसकी सेवा करने लगे। इब्राहिम की सारी जमा पूंजी खर्च हो गई पर वह व्यक्ति ठीक नहीं हुआ। एक दिन वह बेहोश हो गया। उसकी हालत देख कर इब्राहिम घबरा गए। उनके पास एक पैसा नहीं था और वे उसे लावारिस छोड़ कर जाना भी नहीं चाहते थे। उन्हें जब कुछ और नहीं सूझा तो उन्होंने उसका खच्चर बेच दिया और उस पैसे से उसकी दवाई और खाने-पीने की व्यवस्था की। एक-दो दिन में उसे होश आया। इब्राहिम ने उससे कहा, 'भाई, माफ करना। तुम्हारी बेहोशी की हालत में मैंने तुम्हारा खच्चर बेच दिया और उस पैसे से तुम्हारी दवाई और खाने-पीने की व्यवस्था की।' वह यात्री रोने लगा। बोला, 'मैं बहुत कमजोर हो गया हूं। खच्चर के बिना मैं आगे कैसे जाऊंगा। मुझसे तो अब एक कदम नहीं चला जा रहा है।' इब्राहिम बोले, 'तुम चिंता क्यों करते हो भाई। मैं तुम्हारे साथ हूं और तब तक रहूंगा जब तक तुम्हें मंजिल तक पहुंचा नहीं देता।' उसने पूछा, 'मगर तुम करोगे क्या। तुम्हारे पास तो खच्चर भी नहीं है।' इब्राहिम ने कहा, ' चिंता मत करो।' उस दिन से इब्राहिम उसे अपने कंधे पर बैठा कर ले जाने लगे। एक दिन काफिले के एक आदमी ने पूछा, ' इब्राहिम, यह तुम्हारा कौन लगता है जो तुम इसकी इतनी सेवा कर रहे हो।' इब्राहिम ने कहा, ' यह मेरा कोई नहीं है। यह भी आप ही की तरह काफिले का एक सहयात्री है। उसे बीमारी की हालत में मैं अकेला छोड़कर नहीं जा सकता। उसकी सेवा करना मेरा कर्त्तव्य ही नहीं धर्म भी है। अशक्त की सेवा करने से बड़ी तीर्थयात्रा और कोई नहीं है।' यह सुनकर वह आदमी भी इब्राहिम के साथ उस बीमार यात्री की सेवा में जुट गया।

सूडोकु नवताल- 7205

★★★☆☆ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल-7204 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

सेबी की बड़ी कार्रवाई

जेन स्ट्रीट के 4,844 करोड़ रुपए जब्त

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अमेरिकी हाई-फ्रिक्वेंसी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें भारतीय बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी के अनुसार इस फर्म ने बैंक निफ्टी इंडेक्स में हेराफेरी कर करीब 4,844 करोड़ रुपए का अनुचित लाभ कमाया। हाल ही में जारी 105 पन्नों के अंतरिम आदेश में इस राशि की जब्ती का निर्देश दिया गया है, जो सेबी के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। सेबी चेयरमैन ने कहा कि शेयर बाजार में किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निगरानी व्यवस्था को पहले से ज्यादा मजबूत किया गया है। एक्सचेंज और सेबी दोनों स्तरों पर निगरानी टीमों की संख्या बढ़ाई गई है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। सेबी की जांच में खुलासा हुआ है कि जेन स्ट्रीट ने भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक नियमों से बचने के लिए कई संस्थाएं बनाई थीं। वर्तमान आदेश केवल 18 दिनों की बैंक निफ्टी ट्रेडिंग और तीन एक्सपायरी दिनों की गतिविधियों पर आधारित है। अब सेबी अन्य एक्सपायरी दिनों और इंडेक्स जैसे निफ्टी 50 व बीएसई सेंसेक्स में भी संभावित गड़बड़ी की जांच कर रही है।

भारत सरकार के अनुरोध पर की गई नीरव मोदी के भाई की गिरफ्तारी

वाशिंगटन। अमेरिका में भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी 4 जुलाई को भारत सरकार के प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई। नेहल मोदी पर आरोप है कि उसने नीरव मोदी की पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में मदद की थी। यह घोटाला भारत के सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक है, जिसमें करीब 13,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई थी। नेहल मोदी बेल्जियम का नागरिक है और अमेरिका में रह रहा था। भारत की जांच एजेंसियों प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उसके खिलाफ सबूत जुटाए थे और उसे भारत लाने के लिए अमेरिका से औपचारिक रूप से प्रत्यर्पण की मांग की थी। अमेरिकी न्याय विभाग ने पुष्टि की है कि गिरफ्तारी भारत के अनुरोध के बाद की गई है। अब अमेरिका की अदालत में नेहल मोदी के प्रत्यर्पण को लेकर कानूनी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यदि अदालत भारत के पक्ष में फैसला देती है, तो नेहल को भारत लाया जाएगा, जहां उसे पूछताछ और मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि नीरव मोदी पहले से ही ब्रिटेन की जेल में बंद है और उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। नेहल की गिरफ्तारी भारत की उन अंतरराष्ट्रीय कोशिशों का हिस्सा है, जिसके तहत भगोड़े आर्थिक अपराधियों को कानून के कटघरे में लाया जा रहा है। इस कदम को भारत की एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

सेंसेक्स की छह कंपनियों के मार्केट कैप में 70,325 करोड़ की गिरावट

मुंबई। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 70,325.5 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजार में कमजोरी के कारण एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा। टॉप 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्य में गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्य 19,284.8 करोड़ रुपये घटकर 15,25,339.72 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्य में 13,566.92 करोड़ रुपये की कमी आई, जो अब 10,29,470.57 करोड़ रुपये पर है। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 13,236.44 करोड़ रुपये घटकर 5,74,977.11 करोड़ रुपये और एलआईसी का 10,246.49 करोड़ रुपये घटकर 5,95,277.16 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का बाजार मूल्य 8,032.15 करोड़ रुपये घटकर 12,37,729.65 करोड़ रुपये पर पहुंचा। भारती एयरटेल का मूल्यांकन भी 5,958.7 करोड़ रुपये घटकर 11,50,371.24 करोड़ रुपये रह गया। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्य 15,359.36 करोड़ रुपये बढ़कर 20,66,949.87 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस का मूल्यांकन 13,127.51 करोड़ रुपये बढ़कर 6,81,383.80 करोड़ रुपये पहुंचा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 7,906.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,49,757.36 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 5,756.38 करोड़ रुपये बढ़कर 7,24,545.28 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष स्थान पर बरकरार रही, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की स्थिति बनी रही।

क्षेत्र का सबसे बड़ा साप्ताहिक बाजार बारिश में कीचड़ से हुआ सराबोर, हालात बद से बद्तर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र अन्तर्गत नगर परिषद लांजी में दिन रविवार को लगने वाला साप्ताहिक बाजार क्षेत्र का सबसे बड़ा बाजार माना जाता है जहां प्रत्येक सप्ताह हजारो लोग सब्जि भाजी सहित मवेशी खरीदने के लिये आते है वहीं सैकड़ो दुकानें भी इस बाजार में लगती है लेकिन बारिश के दिनों में इस बाजार की हालत बद से बद्तर है नजर आ रही है। इस सत्र में नगर परिषद लांजी के द्वारा बाजार की निलामी लगभग 42 लाख रूपये तथा सायकल मोटर सायकल स्टैण्ड की निलामी लगभग 22 लाख रूपये में हुई है मतलब लगभग 64 लाख रूपये में लांजी साप्ताहिक बाजार की एक वर्ष की आय है उसके बावजुद भी बाजार में व्यवस्थाओं की बात की जाये तो शुन्य दिखाई दे रही है। बाजार में जिन जिन क्षेत्रो में सब्जि भाजी की दुकाने लगाई जाती है उसके आस पास संपूर्ण मार्ग कीचड़ से सना हुआ है खरीददारों को पैर रखने तक की जगह नही है कीचड़ मे पैर धसते हुये लोग खरीददारी कर रहे है वहीं सब्जि भाजी की दुकाने लगाने वाले मार्गो पर सब्जियों के पत्ते डालकर काम चला रहे है ताकि ग्राहको को खड़े रहने की जगह मिल सके। दुकान दार बोलते है नगर परिषद ठेकेदार के माध्यम से किराया तो वसुलता है लेकिन सुविधा के नाम पर कुछ नही मुहैया करा पा रहे है। जबकि लांजी साप्ताहिक बाजार का प्रति वर्ष बारिश के मौसम मे यही हाल है जिसके चलते

ग्राहक भी बाजार आना पसंद नही करते।

सीमेन्ट मार्ग भी बनाया गया लेकिन कोई उपयोग नही

लांजी साप्ताहिक बाजार के अन्दर जहां जहां दुकानें लगाई जाती है उनमें से कुछ स्थानों पर नगर परिषद के द्वारा सीमेन्ट रोड़ भी बनाई गई है लेकिन इसका भी उपयोग शुन्य है। दुकानदारों का कहना है कि किस आधार पर यह सीमेन्ट रोड़ बनाई गई हम लोगो को सीमेंट रोड़ के उपर गड?ड़ा ईंटे आदि का चुरा डालना पड़ा है परिषद के द्वारा जो मार्ग बनाया गया है वह पूरा पानी में डूब जाता है उसके उपर कीचड सन जाता है जिससे ग्राहको को ना तो चलते के लिये स्थाना मिलता है और ना ही खड़े रहने के लिये इस प्रकार अनेको असुविधाऐं लांजी साप्ताहिक बाजार में ग्राहको और दुकानदारो को हो रही है जबकि परिषद चाहे तो लगभग 64 लाख रूपये की सालाना आय वाले साप्ताहिक बाजार में अनेको सुविधाऐं प्रदान कर सकती है लेकिन नही करा पा रही है।

सड़को पर लग रही दुकानो से लगता है जाम

साप्ताहिक बाजार में जहां बाजार के अन्दर ग्राहको को एवं दुकानदारों को अनेको परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वहीं लांजी बाजार मार्ग पर भी वाहनो का लंबा जाम देखने को मिलता है इसका कारण है कि मार्ग पर ही बड़ी बड़ी दुकाने लगने लगी है। सायकल मोटर सायकल खड़ी करने के लिये भी बाजार में स्थान नही है। दुसरी ओर मार्ग पर दुकानों के लगने से ग्राहको को मार्ग पर ही सायकल मोटर सायकल खड़ी करना पड़ता है जिसके चलते मार्ग पर भारी अव्यस्थाऐं दिखाई देती है लेकिन नगर परिषद के द्वारा कोई भी व्यवस्थाऐं बनाई जाने की पहल नही की जाती।

बाजार स्थल में गंदगी से पनप रही बिमारियॉ

लांजी साप्ताहिक बाजार में व्याप्त गंदगी, कीचड़ से जहां व्यापारियों एवं ग्राहकों का आना जाना दुभर होते जा रहा है वहीं इस स्थान पर व्याप्त गंदगी सें बिमारी फैलने का भी खतरा निरंतर बना हुआ है। साप्ताहिक बाजार स्थल पर रहवासी क्षेत्र भी है जहां बडी संख्या भी घर भी है इसके अतिरिक्त हजारो लोग रविवार बाजार के दिन साप्ताहिक बाजार मे आते है ऐसे में इस गंदगी से जो बिमारियॉ पनप रही है उससे हजारो लोगा बिमारी की चपेट में आ सकते है। वर्तमान में मलेरिया, डेंगू, टाईफाईड, वायरल फीवर सहित अनेको बिमारियों का डर बना रहता है और ये सभी बिमारी गंदगी से उपजती है लेकिन साप्ताहिक बाजार स्थल का यदि निरीक्षण किया जाये तो वर्तमान में यहां गंदगी का अंबार लगा हुआ है।

व्यापारियों ने कहा बोहनी तक नही हो पा रही

बाजार स्थल पर लांजी क्षेत्र सहित महाराष्ट राज्य के भी छोटे बड़े व्यापारी भी विभिन्न प्रकार की सब्जियॉ एवं अन्य सामग्री की दुकाने लेकर सुबह से ही आते है लेकिन बाजार में होने वाली अव्यवस्थाओं के चलते दुकानों तक ग्राहक नही पंहुच पा रहे है। कई व्यापारियों ने कहा कि हमारी सुबह से शाम तक बोहनी तक नही हो पाई है। छोटे बड़े व्यापारी कहते है बाजार शुल्क लेने तो बाराबर आ जाते हों व्यवस्थाऐं कौन करेगा। किस बात का बाजार शुल्क दे हम आप लोगों को, आप व्यवस्था नही करोंगे तो कौन करेंगा। पूरा बाजार स्थल कीचड़ से सना हुआ है ऐसे में यहां दुकाने कैसे लगाई जाये और कैसे दुकानों तक ग्राहक पंहुचेंगे। नगर परिषद और ठेकेदार को सुचारू व्यवस्था करना चाहिये।

मत्स्य विभाग ने साप्ताहिक बाजार में कार्यवाही कर 5600 रुपये मूल्य की 1.50 क्विंटल मछलियां की जब्त

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र में प्रतिबंध के बावजूद भी धडल्ले से मछलियों का व्यापार किया जा रहा है। जिस पर मत्स्य विभाग के द्वारा लांजी साप्ताहिक बाजार पंहुचकर छापामार कार्यवाही की गई। बतादे कि कलेक्टर मृणाल मीणा द्वारा वर्षा ऋतु में मछलियों का प्रजनन काल होने से 15 जून से 15 अगस्त 2025 तक की अवधि के लिए मत्स्याखेट पर प्रतिबंध लगाया गया है। मत्स्योद्योग विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रतिबंधित अवधि में अवैध रूप से मछलियों का विक्रय करने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जा रही है । इसी कड़ी में सहायक मत्स्योद्योग अधिकारी श्रीमती मीना कोकोटे के नेतृत्व में मछली विभाग की टीम ने 6 जुलाई को लांजी के साप्ताहिक बाजार में छापामार कार्यवाही कर अवैध रूप से बेची जा रही 1.50 क्विंटल मेजर कार्प मछलियां जब्त की है। जप्त की गई मछलियों की नीलामी से प्राप्त 5600 रुपये की राशि चालान द्वारा शासन के खाते में जमा कराई जा रही है। इस कार्यवाही में दल प्रभारी सहायक मत्स्य अधिकारी श्रीमती मीना कोकोटे, मत्स्य निरीक्षक वैशाली मेश्राम, राजकुमार सिंह, मनोहर पंचेश्वर, प्रवीण मानकर शामिल थे।

दैनिक गुजरी में भी बेची जा रही मछलियाँ

मत्स्य विभाग के द्वारा जहां साप्ताहिक बाजार पंहुचकर मछली विक्रेताओं पर कार्यवाही की गई। वहीं दैनिक गुजरी में भी धडल्ले से मछलियाँ विक्रय किया जा रहा है। लांजी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में भी मछलियों का व्यापार निरंतर जारी है। जिस पर भी मत्स्य विभाग को कार्यवाही करना चाहिये। क्षेत्र के नदी नाले तालाबों एवं वारी डेम से लगातार मछलियाँ निकाली जा रही है और बेची जा रही है जिस पर भी विभाग के द्वारा कार्यवाही किया जाना चाहिये।

भाजपा मंडल ने मनाया डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी मण्डल लांजी के द्वारा क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे के निवास स्थान पर प्रखर राष्ट्रवादी, महान शिक्षा विद् भारतीय जन संघ के संस्थापक एवं देश करोड़ो कार्यकर्ताओं के प्रेरणा स्त्रोत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती मनाई गई। कार्यक्रम अन्तर्गत विधायक राजकुमार कर्राहे, भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया एवं मण्डल पदाधिकारियों की उपस्थिती में सर्वप्रथम डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छाया चित्र पर माल्यार्पण किया गया। तथा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर चर्चा कर उपस्थित जनो को अवगत कराया कि कैसे श्रद्धेय मुखर्जी जी ने जनसंघ की स्थापना से लेकर अखण्ड भारत के लिये एक देश में दो निशान दो प्रधान दो विधान को नकारा और अखण्ड भारत के लिये संघर्ष करते हुये अपना जीवन राष्ट्र के नाम समर्पित किया। श्रद्धेय मुखर्जी जी के बलिदान दिवस 23 जुन से 6 जुलाई जन्म जयंती पखवाड़े के अन्तर्गत सभी मण्डलों में विभिन्न प्रकार की सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है इसी कड़ी में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत एक पेड़ माँ के नाम रोपित करने का लक्ष्य दिया गया है। जिसके तहत भाजपा मण्डल लांजी के सभी बुथों में कार्यकर्ताओ के द्वारा एक पेड़ माँ के नाम लगाया जा रहा है। भाजपा मण्डल लांजी के द्वारा एक पेड माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण सार्वजनिक धार्मिक स्थलों पर किया गया। इस दौरान मण्डल लांजी महामंत्री गौरव बैस, उपाध्यक्ष किशोर रामटेक्कर, श्यामा मुरकुटे, विजय गोस्वामी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शारदा महिला मण्डल ने भी किया वृक्षारोपण

नगर की सामाजिक गतिविधियों में अग्रणी संस्था शारदा महिला मण्डल के द्वारा भी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म जयंती अवसर पर पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। महिला मण्डल अध्यक्ष श्रीमती उषादेवी पशीने के नेतृत्व में उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत फलदार, छायादार, फुलदार पौधो का रोपण किया गया साथ ही कहा कि हम सभी का फर्ज की हम पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देवे हम सभी को एक एक पौधा अवश्य लगना चाहिये और उनकी देखभाल भी करना चाहिये। इस दौरान महिला मण्डल से सुशीला दुग्गड़, शिखा गोस्वामी, मीना बिलगौर, अंजली रैंच, अनिता रामटेक्कर, बबीता पशीने सहित अन्य सदस्य गण उपस्थित रहे।

विट्ठल - रुखमाई मंदिर में आषाढ़ी एकादशी पर हुई पूजा-अर्चना

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर व क्षेत्र का एक मात्र भगवान विठ्ठल-रूखमाई का मंदिर सुन्दरटोला में स्थापित है। यहां प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी देवशयनी एकादशी के अवसर पर 6 जुलाई को प्रात- से ही विविध कार्यक्रम संपन्न कराये गये। ज्ञात हो कि त्रिलोकराव रामटेक्कर जो कि वर्तमान में मुम्बई में निवास करते है के द्वारा अपने पैतृक निवास सुन्दर टोला लांजी में वर्ष 2012 में मंदिर का निर्माण कर पढंरपुर से भगवान विठ्ठल-रूखमाइ की प्रतिमाओं को लाकर स्थापित किया गया है। तभी से प्रतिवर्ष उनके द्वारा देवशयनी एकादशी एवं देवउठनी एकादशी पर्व में लांजी पहुंचकर विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। इसी कड़ी में 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी के चलते प्रात- भगवान का अभिषेक कर विधि विधान से पूजन-अर्चन किया गया। दोपहर में शिव भजन संध्या एण्ड ग्रुप के सोहन बडमें द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। साथ ही प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर त्रिलोकराव रामटेक्कर एवं परिवार उपस्थित रहा।

देवशयनी एकादशी से मांगलिक कार्यों में लगा विराम

आषाढ़ मास के एकादशी को देवशयनी एकादशी कहा जाता है , हिन्दू धर्म में मान्यता के अनुसार देवशयनी एकादशी (आषाढ़ शुक्ल 11) से देवोत्थान एकादशी (कार्तिक शुल्क 11 तक) देवता शयन करते हैं । इसी आधार पर तमाम कर्मकाण्डी पंडितों द्वारा इस बीच विवाह, यज्ञोपवित आदि पारिवारिक संस्कार करने कराने का निषेध किया जाता है । इसी आधार पर देवशयनी एकादशी से देवोत्थान एकादशी तक मांगलिक कार्यक्रमों पर विराम लग गया, जिसके चलते वैवाहिक कार्यक्रम, गृह प्रवेश, इस तरह के कार्यों पर विराम लग गया है। वहीं दूसरी ओर चतुर्मास प्रारंभ होते ही धार्मिक अनुष्ठान एवं पूजन कार्यक्रम, सावन लगते ही अखंड रामायण पाठ एवं अभिषेक पूजा अर्चन जैसे धार्मिक कार्यक्रम प्रारंभ हो जाएंगे। इसी के साथ चतुर्मास प्रारंभ होते ही गुरु शिष्य परंपरा अनुसार बहुत से लोग अनुष्ठान, जप, ध्यान, नियमों का पालन करते हुये घरों में मिट्टी के पार्थिव शिवलिंग बनाकर पूजा अर्चना की जाएगी।

गायत्री शक्तिपीठ लांजी में 10 को गुरु पूर्णिमा पर्व

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के गायत्री शक्तिपीठ में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष गुरु पूर्णिमा पर्व 10 जुलाई दिन गुरुवार को बड़े उत्साह से मनाया जाएगा। गायत्री शक्तिपीठ के परिव्राजक विनोद तिड़के ने जानकारी में बताया कि कार्यक्रम सुबह 8 बजे से तीन कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, संस्कार, साधना अनुष्ठान एवं पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न होगा। इस अवसर पर वृक्षारोपण किया जाएगा। जिला प्रभारी पुष्पेश्वर पिछोड़े द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिया जाएंगा। घनश्याम खोंगल सेवा निवृत्त शिक्षक लांजी के द्वारा महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है। गायत्री परिवार ट्रस्ट लांजी द्वारा सभी परिजनों से गुरू पूर्णिमा पर्व पर शामिल होकर सहयोग करने और पुण्य लाभ लेने की

युवराज बर्वेकर गिरफ्तार न्यायलय ने भेजा जेल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस ने युवराज बर्वेकर को पर बार बार फोन मैसेज कर महिला को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर विडियों वायरल करने की धमकी देकर २ लाख रुपये की माँग कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवायी थी की युवराज बर्वेकर ग्राम मोहाड़ी आरंभा तहसील खैरलांजी निवासी है परंतु वह नागपुर में रहता है वो पीड़िता का फेसबुक फ्रैंड था। करीब २ साल पूर्व से उनकी फोन पर आडियों एवं विडियों काल पर बात होती थी। शुरू शुरू में तो अच्छी ही बात करता था पर कुछ दिन बाद उसने पीड़िता को रोक टोक लगाना चालू कर दिया। पीड़िता ने बात करना बंद कर दी तो वह पीड़िता को दिन भर में कई बार फोन मैसेज करके बहुत परेशान करता था। वीडियों काल के दौरान स्कीन रिकार्डर से वीडियों बनाया उसे वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता से २ लाख रूपये की धमकी देता था। मामले में पुलिस ने युवराज बर्वेकर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा ७८, ७७,७९,३०८,३५१, १ ,३ के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया था। जिसकी पुलिस के द्वारा सरगर्मी से पताशाजी कर यूवराज पिता सवलदास बर्वेकर ४७ वर्ष मोहाड़ी थाना खैरलाँजी हाल मुकाम नागपुर वाड़ी को नागपुर से गिरफ्तार कर थाने में लाया गया। जहां कार्यवाही कर ६ जुलाई को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया। इस कार्यवाही मे थाना प्रभारी हेमंत नायक, सहायक उपनिरीक्षक तरुण सोनेकर ,आरक्षक सुजीत कोटाँगले ,श्याम सुन्दर परमार का सराहनीय योगदान रहा।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

वनवासियों के कल्याण के लिए करें सभी प्रबंध - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वनाधिकार और पेसा एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्यस्तरीय टास्क फोर्स की शीर्ष समिति की पहली बैठक में दिए निर्देश

पेसा मोबालाईजर की नियुक्ति के अधिकार अब ग्राम सभाओं को देगी सरकार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्नेह का बंधन एकतरफा नहीं होना चाहिए। राज्य सरकार हर पल वनवासियों के साथ खड़ी है, यह बात पूरी शिद्दत से उन तक पहुंचनी चाहिए। सभी वनवासियों को सरकार की योजनाओं से जोड़ें और उनके जीवन में विकास का प्रकाश लाने की दिशा में काम करें। वनवासियों के कल्याण के लिए हरसंभव प्रबंध किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग के अध्ययनरत एवं रोजगार कर रहे बच्चों का सामाजिक सम्मेलन बुलाएं। इस सम्मेलन के जरिए सरकार इन बच्चों को उन तक पहुंचने वाले लाभ का फीड-बैक भी लेगी और जिन्हें जरूरत है, उन तक सरकार की योजनाएं तथा सुविधाएं भी पहुंचाई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदेश में वन अधिकार अधिनियम और पेसा एक्ट के क्रियान्वयन के लिए गठित की गई राज्य-स्तरीय टास्क फोर्स की शीर्ष समिति तथा इसी विषय के लिए गठित कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय कार्य एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को वनाधिकार के व्यक्तिगत और सामुदायिक दावों का तेजी से निराकरण कर 31 दिसंबर 2025 तक पेंडेंसी जीरो करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पेसा एक्ट यानि पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996 लागू है। इसमें पेसा मोबालाईजर्स के जरिए जनजातियों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देकर योजनाओं से लाभान्वित भी कराया जाता है। इन सभी पेसा मोबालाईजर्स की अपने काम पर उपस्थिति और उच्च कोटि का कार्य प्रदर्शन फील्ड में दिखाई भी देना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेसा मोबालाईजर्स को नियुक्त करने और संतोषजनक प्रदर्शन न करने पर इन्हें हटाने के अधिकार सरकार अब ग्राम सभाओं को देने जा रही है।इस निर्णय से एकरूपता आएगी और ग्राम सभाएं पेसा मोबालाईजर्स से अपने मुताबिक काम भी ले सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार वनवासियों की बेहतरी के लिए संकल्पित है। उनके सभी हितों की रक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि वन विभाग का मैदानी अमला यह सुनिश्चित करे कि वन भूमि पर अब कोई भी नये अतिक्रमण कदापि न होने पाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वनाधिकार अधिनियम के सुचारू क्रियान्वयन के लिए, महाराष्ट्र सरकार के जलयुक्त शिविर अभियान की तरह समन्वय पर आधारित मॉडल मध्यप्रदेश में भी अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों द्वारा इस अधिनियम के अमल के लिए की जा रही कार्यवाही के सभी पहलुओं का अध्ययन कर लें और जो सबसे उपयुक्त है उसी मॉडल पर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों के विकास के लिए विधायकों द्वारा विजन डॉक्यूमेंट बनाया गया है। वनाधिकार अधिनियम और पेसा कानून के अमल के लिए समुचित प्रावधान भी इसी विजन डॉक्यूमेंट में शामिल कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार क्रमबद्ध रूप से विशेष रूप से पिछड़े जनजातीय समूहों और अन्य जनजातीय बहुल गांव, मजरों-टोलों तक सड़कों का निर्माण कर रही है। ग्राम पंचायत विकास कार्ययोजना में पेसा कोष की राशि खर्च करने का अधिकार भी संबंधित पेसा ग्राम सभा को दिया जा रहा है।

बैठक में समिति के सदस्य एवं पूर्व विधायक भगत सिंह नेताम ने बताया कि वनाधिकार अधिनियम के प्रभावी अमल के लिए बालाघाट जिले में पुलिस विभाग द्वारा सभी पुलिस चौकियों में एकल सुविधा केन्द्र स्थापित कर इसके जरिए कैम्प लगाकर जनजातियों को लाभान्वित किया जा रहा है। अब तक 450 वनाधिकार दावे भरवाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस नवाचार की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी 88 जनजातीय विकासखंडों वाले जिलों के कलेक्टर को बालाघाट मॉडल भेजकर इसी अनुरूप कार्यवाही करने के लिए कहा जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन क्षेत्र के सभी गांवों के विकास के लिए प्रस्ताव दिए जाएं। उन्होंने कहा कि यह कार्य एक्शन प्लान बनाकर किया जाए। उन्होंने कहा कि 31 दिसम्बर 2025 तक सभी गांवों के दावे प्राप्त कर लें और इसी दौरान इनका निराकरण भी कर लें। वन अधिकारियों की ट्रेनिंग का काम 15 अगस्त तक पूरा कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई तकनीकी परेशानी आ रही है तो इसके लिए वन और जनजातीय कार्य विभाग मिलकर एक नया पोर्टल भी विकसित कर लें।

वनांचल विकास केन्द्र को करें और अधिक सक्रिय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातियों के पारम्परिक ज्ञान को उनके विकास के लिए, बनाई जा रही नीति निर्माण में भी शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाओं को और भी सशक्त बनाने, सामुदायिक वन संसाधनों के समुचित प्रबंधन, जैव विविधता के संरक्षण और वन एवं वनोपज संसाधनों के न्यायसंगत वितरण के लिए, वन/वनांचल विकास केन्द्रों को और अधिक भी सक्रिय कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि ये केंद्र वन अनुसंधान, प्रशिक्षण, मार्केट लिंकेज और कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व-सीएसआर/कैम्पा जैसे वित्त स्त्रोतों के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका भी अदा करें।

सामुदायिक आजीविका पर करें फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आजीविका सबसे पहली जरूरत होती है। सामुदायिक आजीविका के साधनों पर फोकस कर जनजातियों की नकद आय के साधन बढ़ाने की दिशा में उन्हें दुग्ध उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्हें शासन की योजना के तहत अधिक से अधिक दुधारू पशु (मुख्यतः गाय, भैंस) उपलब्ध कराए जाएं। इससे वे आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि जनजातियों को कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की रोजगारमूलक योजनाओं से भी जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि चूंकि वनवासी वनोपजों पर विशेष रूप से आश्रित रहते हैं। इसलिए लघु वनोपजों के संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन गतिविधियों में जनजातीय समुदायों को लाभ का बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए,इससे उनका जीवन स्तर सुधरेगा। औषधीय पौधों की खेती पर विशेष जोर दिया जाए ताकि जनजातीय वर्ग के उत्पाद सीधे बाजार से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि जनजातीय वर्गों की स्थायी आजीविका विकास के लिए मूल्य संवर्धन केंद्र भी विकसित किए जाएं, जिससे जनजातीय रोजगार की तलाश में बाहर न जाएं और युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिल जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातियों द्वारा उत्पादित श्रीअन्न के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाए। श्रीअन्न से बिस्किट, कुकीज, खीर और हलवा जैसे उत्पाद तैयार कर इन्हें खुले बाजार में बेचने के लिए जनजातियों को मार्केट लिंकेज प्रदान करें। उन्होंने कहा कि श्रीअन्न में कोदो-कुटकी को लोग उपवास में मोरधन के रूप में खाते हैं, यह अच्छी बात है इससे श्रीअन्न की खपत बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वनाधिकार अधिनियम के अच्छे परिणाम पाने के लिए हमें समन्वित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। वन अधिकार अधिनियम, पेसा, बीडीए जैसे सभी कानूनों को एकीकृत रूप से ग्रामसभा स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। इसके लिए ग्रामसभा को ही निर्णय का केंद्र बिंदु संस्था बनाया जाना चाहिए। सभी विभागीय योजनाओं का समन्वय ग्रामसभा के माध्यम से ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों के ग्रामों के विकास के लिए ग्रामसभा, वन विभाग और निवेशक तीनों मिलकर पारदर्शिता और हितग्राहियों को लाभ वितरण तय करें। सभी विभाग आपसी समन्वय से ग्रामसभा के नेतृत्व में कार्य करें, जिससे समावेशी विकास और स्थायी पर्यावरण संरक्षण दोनों सुनिश्चित किए जा सकें।

बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा भी अपनी बात तथ्यात्मक रूप से रखी गई और वन अधिकार अधिनियम और पेसा कानून के फील्ड में बेहतर क्रियान्वयन के लिए अपने-अपने सुझाव दिए गए।

अब तक 2.89 लाख से अधिक दावे मान्य किए गए

बैठक में प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य ने बताया कि वर्ष 2008 से 2023 तक कुल 2 लाख 89 हजार 461 वनाधिकार दावे मान्य किए गए हैं। लंबित दावों के निराकरण केलिए कार्यवाही की जा रही है। वन मित्र पोर्टल के अनुसार जिलों द्वारा पूर्व में मान्य किए गए दावों के सत्यापन के उपरांत अपात्र पाए गए हितग्राहियों के वनाधिकार दावे अमान्य किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पुनः परीक्षण के लिए 87 हजार 283 और एक लाख 86 हजार 224 नए प्राप्त दावे इस प्रकार कुल 2 लाख 73 हजार 457 दावे अभी लंबित स्थिति में है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के बड़वानी, धार, खरगोन, मंडला, बैतूल, छिंदवाड़ा, शहडोल, खंडवा, सिंगरौली, रायसेन, डिण्डौरी, अलीराजपुर, बुरहानपुर, सिवनी, उमरिया और बालाघाट जिले में 7-7 हजार से भी अधिक वनाधिकार दावे मान्य किए गए हैं।

टास्क फोर्स की शीर्ष समिति की इस पहली बैठक में समिति उपाध्यक्ष तथा जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, समिति उपाध्यक्ष तथा वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, समिति के पदेन सदस्य सचिव तथा मुख्य सचिव अनुराग जैन, समिति के पदेन सदस्य सह सचिव तथा प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य गुलशन बामरा, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, टास्क फोर्स कार्यकारी समिति के पदेन सदस्य तथा अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल, पदेन सदस्य तथा प्रमुख सचिव राजस्व विवेक पोरवाल, पदेन सदस्य तथा संचालक पंचायत एवं ग्रामीण विकास छोटे सिंह, समिति के सदस्य पूर्व विधायक राम डांगोरे, जनजातीय मंत्रणा परिषद के डॉ. रूपनारायण मांडवे एवं कालू सिंह मुजाल्दा, समिति के सदस्य विधि विशेषज्ञ डॉ. मिलिंद दांडेकर, एक्सपर्ट मेम्बर गिरीश कुबेर, विषय विशेषज्ञ मिलिंद थत्ते, मुख्यमंत्री के अपर सचिव लक्ष्मण सिंह मरकाम, अपर आयुक्त जनजातीय अनुसंधान एवं विकास संस्थान श्रीमती रीता सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

6 माह से नहीं मिला आउटसोर्स स्वास्थ्यकर्मी को वेतन

विधानसभा सत्र में करेंगे विरोध प्रदर्शन

भोपाल। मप्र में संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने प्रदेशभर में कार्यरत आउटसोर्स व रोगी कल्याण समिति के अधीन काम कर रहे कर्मचारियों की मांगों को लेकर गतदिनों लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के स्वास्थ्य आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह ने कहा कि कई जिलों में पिछले 5 से 6 महीनों से कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है, जिससे उनका जीवन संकट में है और उनके परिवार आर्थिक रूप से बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। ज्ञापन में 10 प्रमुख मांगें रखी गई, जिनमें नीति निर्माण से लेकर समान वेतन, स्थायी नियुक्ति और छुट्टी की सुविधाएं शामिल हैं। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि शासन-प्रशासन ने जल्द कोई ठोस समाधान नहीं किया तो वे आगामी विधानसभा सत्र के दौरान विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की मांग है कि उत्तर प्रदेश की तर्ज पर आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मियों के लिए स्पष्ट नीति बनाई जाए और आउटसोर्सिंग की प्रथा समाप्त की जाए। जो कर्मचारी पूर्व में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संविदा सपोर्ट स्टाफ रहे हैं, उन्हें विभाग में रिक्त पदों पर नियमित किया जाए या फिर दोबारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में जोड़ा जाए। वर्तमान में आउटसोर्स व्यवस्था के तहत कार्यरत कर्मचारियों को तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर स्थायी किया जाए। महंगाई भत्ते सहित सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा निर्धारित संविदा नीतियां तुरंत प्रभाव से लागू की जाएं। उनकी मांग है कि पिछले 3 वर्षों से सेवा दे रहे आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि की जाए और वेतन संरचना में बदलाव लाया जाए। छुट्टी की सुविधाएं नियमित व संविदा कर्मियों की तरह आउटसोर्स कर्मचारियों को भी दी जाए। कोर्ट के निर्देश अनुसार आउटसोर्स व रोगी कल्याण समिति के कर्मियों को भी समान वेतन दिया जाए। पूर्व में निकाले गए आउटसोर्स कर्मचारियों को वापस सेवा में लिया जाए। भविष्य में किसी भी कर्मचारी को बिना निष्पक्ष जांच के सेवा से न हटाया जाए। रोगी कल्याण समिति के कर्मियों को स्थायित्व मिले, इन्हें विभाग में रिक्त पदों पर समायोजित किया जाए।

भोपाल को मिले 52 सीए, नेही अग्रवाल सिटी टॉपर

आईसीएआई सीए रिजल्ट 2025 जारी

भोपाल। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) मई 2025 में आयोजित चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) फाइनल, फाउंडेशन और इंटरमीडिएट परीक्षा का रिजल्ट रविवार को जारी किया गया। इस बार भोपाल को 52 सीए मिले हैं। वहीं, नेही अग्रवाल ने सीए फाइनल में 410 अंक के साथ सिटी टॉप किया है।

भोपाल आईसीएआई चेयरमैन सीए अर्पित राय ने बताया कि राजधानी से सीए फाइनल के दोनों ग्रुप का एग्जाम 218 कैंडिडेट्स ने दिया था। इनमें से 37 ने इसे क्लियर किया है। यानी, यह सभी अब सीए बन गए हैं। इनके अलावा सीए फाइनल के ग्रुप 1 में 260 कैंडिडेट्स में से 53 ने और ग्रुप 2 में 100 कैंडिडेट्स में से 22 ने एग्जाम क्लियर किया है। इनमें से कुछ ऐसे होंगे, जिन्होंने पहले ही दूसरे ग्रुप को क्लियर कर रखा होगा। ऐसे में वे सभी भी अब सीए बन चुके हैं। एक अनुमान से इस बार भोपाल को लगभग 52 सीए मिलने का अनुमान है। सीए फाइनल के साथ फाउंडेशन और इंटरमीडिएट का रिजल्ट भी जारी हो चुका है। हालांकि, इनकी जिलेवार रिपोर्ट तैयार करने में समय लग रहा है।

ईशान ने सीए फाउंडेशन में किया टॉप

ईशान मुकेश मंगल ने सीए फाउंडेशन में 318 अंक के साथ सिटी टॉप किया है। ईशान ने कहा कि उनकी इस सफलता के पीछे पिता मुकेश मंगल और माता ज्योति मंगल का अहम योगदान है। उन्होंने 12वीं कक्षा 98 प्रतिशत अंकों के साथ पास की है। बोर्ड परीक्षाएं समाप्त होते ही, सीए फाउंडेशन परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी।

सागर में पेपरलेस इलेक्शन के लिए अलग से जाएगी टीम

12.50 लाख का विशेष बजट होगा खर्च, वोटिंग के दिन आयोग के अफसर जाएंगे सागर

भोपाल। पेपरलेस इलेक्शन के लिए देश भर में मॉडल बने राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत उप चुनाव में सागर में होने वाले जनपद सदस्य और सरपंचों के चुनाव में पेपरलेस मॉडल अपनाने का फैसला किया है। इसके लिए चुनाव से पहले तीन बार यहां राज्य निर्वाचन आयोग के अफसरों की टीम दौरा करेगी। इतना ही नहीं आयोग ने इसके लिए 12.50 लाख रुपए के विशेष बजट का भी प्रावधान किया है।

सागर जिले में 22 जुलाई को 16 मतदान केंद्रों में होने वाले पंचायत एवं जनपद पंचायत के मतदान के लिए राज्य निर्वाचन आयोग से तीन चरणों में उप सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का दल जाएगा। सागर के जनपद पंचायत बीना एवं चार ग्राम पंचायतों के सरपंच के लिए चुनाव हो रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पहली बार नवाचार के रूप में इतनी बड़ी संख्या में पेपरलेस इलेक्शन कराया जा रहा है। इस निर्वाचन में एक साथ पहली बार 16 मतदान केंद्रों में पेपरलेस निर्वाचन होगा। राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव एवं सचिव अभिषेक सिंह ने इसको लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सागर कलेक्टर संदीप जीआर से चर्चा कर कार्य योजना बनाई गई है। पेपरलेस इलेक्शन में पीठासीन अधिकारी मतदान कराने जाने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय में लाइन नहीं लगाना पड़ेगी। वह सीधे मतदान केंद्रों में एक दिन पूर्व उपस्थित होंगे। मतदान केंद्रों में चुनाव सामग्री पहुंचाने का कार्य इसके लिए विशेष रूप से नियुक्त मतदान पर्यवेक्षक दल के द्वारा किया जाएगा।

ऐसे जाएगी अफसरों की टीम

पहले चरण में 7 जुलाई से 8 जुलाई के बीच राज्य निर्वाचन आयोग के उप सचिव एवं चार अन्य तकनीकी अधिकारी सागर जाएंगे जो वहां मतदान केंद्र का निरीक्षण करेंगे। साथ ही पेपरलेस इलेक्शन के लिए आवश्यक सामग्री जैसे लैपटॉप, पेन ड्राइव, थंब इंप्रेशन मशीन, सिग्नेचर पैड, इनवर्टर, प्रिंटर, डीएससी डिवाइस व्यवस्था कराएंगे। निरीक्षण के बाद वे वहां के मतदान कर्मियों को तकनीकी प्रशिक्षण देंगे। इनके द्वारा कंप्यूटर, लैपटॉप का एफएलएसी रेंडमाइजेशन भी कराया जाएगा। दूसरे चरण में 14 जुलाई से 16 जुलाई के बीच में राज्य निर्वाचन आयोग की अवर सचिव संजू कुमारी सागर जाएंगी। वहां के दो चरणों में पीठासीन अधिकारी एवं अन्य मतदान दल को दूसरे चरण का प्रशिक्षण देंगे। इसमें एमटी का गठन एवं उनसे मॉक ड्रिल कराना, मतदान कर्मियों का लैपटॉप, पेन ड्राइव आदि का हैंड्स ऑन करना मोबाइल सॉफ्टवेयर पर इंस्टॉल करना एवं उसका हैंड ऑन करना एवं चुनाव प्रक्रिया की समीक्षा करना शामिल है। तीसरे चरण में राज्य निर्वाचन आयोग के उप सचिव मुकुल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में कर्मचारियों का दल जाएगा जो सागर में 22 जुलाई को होने वाले मतदान की प्रक्रिया को सागर कलेक्टर एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग से पूरा कराएंगे।

घोटाले में नपेंगे कई बड़े अधिकारी

जल जीवन मिशन में 136 करोड़ के फर्जी भुगतान का मामला

भोपाल। रीवा जिले में जल जीवन मिशन में 136 करोड़ रुपये के फर्जी भुगतान के मामले में अब दोषी अधिकारियों पर गाज गिरेगी। दरअसल, रीवा जिले में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग के इंजीनियरों द्वारा किए गए 136 करोड़ के अनियमित भुगतान के मामले में नया तथ्य सामने आया है। रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जल जीवन मिशन का काम पूरा होने से पहले ही गैर तकनीकी एवं गैर अनुभवी अधिकारियों से जांच कराई थी। जांच रिपोर्ट में जिन कामों के लिए अनियमित भुगतान होना दिखाया था, वे काम अब पूरे हो गए हैं।

माना जा रहा है कि यह प्रदेश का पहला ऐसा घोटाला है जिसकी जानकारी प्रमाण सहित सरकार के पास पहुंची है। रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल के आदेश पर हुई इस जांच को 2022 बैच की एक अन्य महिला आईएएस अधिकारी सोनाली देव ने अंजाम तक पहुंचाया। 27 जून 2023 को गठित 5 सदस्यीय जांच समिति ने पीएचई कार्यालय रीवा के वित्तीय दस्तावेजों की जांच की। इसमें पाया गया कि ठेकेदारों और कंपनियों को बिना नियमों के 136.28 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया गया। यह रकम जल जीवन मिशन, हैंडपंप मरम्मत, टीपीआई, आईएसए, स्टेशनरी, वाहन, फोटोकॉपी जैसी मदों में खर्च दिखाई गई।

मुख्य सचिव को भेजी जाएगी रिपोर्ट

शासन स्तर पर 136 करोड़ के अनियमित भुगतान से जुड़ी रीवा जिलाधीश की रिपोर्ट पर अध्ययन किया गया है। जिलाधीश रीवा ने घोटाले की जांच के लिए जो समिति बनाई थी, उसमें पीएचई का एक भी कर्मचारी शामिल नहीं था। न ही किसी तकनीकी विशेषज्ञ को रखा गया। कलेक्टर ने सहायक कलेक्टर सोनाली देव की अध्यक्षता में जांच समिति बना दी थी। जबकि जांच अधिकारी सोनाली देव को सेवा में आए 3 साल का वक्त भी नहीं बीता था। साथ ही अन्य सदस्यों में कोषालय अधिकारी एवं बाबू भी था। ऐसे में कलेक्टर ने जो जांच रिपोर्ट शासन को भेजी थी, उस पर विभाग भी सहमत नहीं है। विशेष टीप के साथ फाइल अमली कार्रवाई के लिए मुख्य सचिव को भेजी जा रही है। मुख्य सचिव तय करेंगे कि काम पूरा होने से पहले ही जांच रिपोर्ट में घोटाला कैसे प्रकड़ा था।

सवालों में जांच रिपोर्ट

पीएचई के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रीवा जिले से जुड़ी रिपोर्ट का अध्ययन कर लिया है। जिसमें सबसे बड़ा बिंदु यह है कि कलेक्टर ने काम पूरा होने से पहले जांच क्यों कराई? रीवा में जल जीवन मिशन योजना के फर्जी भुगतान की जांच करने वाली 2022 बैच की आईएएस अधिकारी सोनाली देव वर्तमान में पीएचई मंत्री संपतिया उइके के गृह जिले मंडला के बिछिया में एसडीएम हैं। उनके साथ जांच दल में आरडी चौधरी वरिष्ठ कोषालय अधिकारी, सहायक कोषालय अधिकारी पुष्पराज सिंह, सरकार राहुल भाई पटेल ग्रेड-2 एवं कृष्णकांत वर्मा ग्रेड-3 शामिल थे। जांच दल ने 136 करोड़ का अनियमित भुगतान पकड़ा। जिसके लिए रीवा के कार्यपालन यंत्रियों समेत 24 अधिकारी एवं कर्मचारियों को जिम्मेदार माना है।

अब एम-आधार एप से होगी पहचान

फर्जी आईडी लेकर रेल यात्रा करने वाले यात्रियों की बढ़ेगी मुश्किलें

भोपाल । ट्रेनों में अक्सर देखा जाता है कि दूसरे के टिकट पर लोग यात्रा कर लेते हैं। लेकिन अब ट्रेन यात्रा के दौरान यात्री को अपनी पहचान साबित करने के लिए मोबाइल ऐप एम-आधार का सहारा लेना होगा। रेलवे बोर्ड ने इस संबंध में सभी जोन को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। एमआधार ऐप के जरिए अब ट्रेनों में सफर के दौरान यात्रियों की पहचान तकनीकी रूप से सत्यापित की जाएगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह कदम यात्री सुरक्षा, पारदर्शिता और ट्रेनों में अनधिकृत यात्रा को रोकने की दिशा में एक बड़ा सुधार है। साथ ही डिजिटल इंडिया की दिशा में भी यह प्रयास मील का पत्थर साबित हो सकता है।

दूसरों के नाम पर टिकट लेकर यात्रा करते हैं लोग

मिली जानकारी के अनुसार रेलवे को लंबे समय से ऐसी शिकायतें मिलती रही हैं कि कुछ लोग दूसरों के नाम पर टिकट लेकर यात्रा करते हैं या फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल कर ट्रेन में चढ़ जाते हैं। ऐसे मामलों पर रोक लगाने के लिए रेलवे अब एमआधार ऐप का इस्तेमाल करेगा, जिसे भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने विकसित किया है।

ऐसे काम करेगा एम आधार एप

रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक इस ऐप में क्यूआर कोड स्कैन कर पहचान सत्यापन की सुविधा है। टीटीई इस ऐप के माध्यम से यात्री का आधार कार्ड स्कैन कर उसकी वास्तविकता को तुरंत जांच सकेंगे। इससे फर्जी आधार कार्ड की पहचान आसान हो जाएगी और टिकटों की कालाबाजारी पर भी नियंत्रण संभव होगा। रेलवे बोर्ड ने कहा है कि ऐप को जल्द ही हैंड हेल्ड टर्मिनल डिवाइस से जोड़ा जाएगा, जिससे टीटीई को यह सुविधा सीधे उनके उपकरण में उपलब्ध होगी। इससे आरक्षित टिकटों का गलत इस्तेमाल रुकेगा और यात्रा के दौरान यात्रियों की असली पहचान सुनिश्चित हो सकेगी।

भारत की इंग्लैंड में सबसे बड़ी जीत

बर्मिंघम टेस्ट 336 रन से जीता, 39 साल का रिकॉर्ड टूटा, आकाश दीप को 6 विकेट

बर्मिंघम । भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को बर्मिंघम के एजबेस्टन ग्राउंड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 336 रन से हरा दिया। इसके साथ ही पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है।

608 रन के टारगेट का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम मैच के आखिरी दिन 271 रन पर ऑलआउट हो गई। यह इंग्लैंड की धरती पर रन के लिहाज से भारत की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकॉर्ड 279 रन से जीत का था। भारत ने 1986 में लीड्स में अंग्रेजों को इस अंतर से हराया था। साथ ही भारत ने बर्मिंघम में 58 साल में पहली जीत हासिल की है। इससे पहले यहां खेले 8 टेस्ट में से 7 में भारत को हार मिली थी और 1 मुकाबला ड्रॉ हुआ था।

मैच के आखिरी दिन इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 72 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। बारिश के कारण मुकाबला करीब 90 मिनट की देरी से शुरू हुआ। लंच तक अंग्रेजों ने तीन विकेट और गंवा दिए। दूसरे सत्र में बाकी बचे चार विकेट गिरे। भारत के लिए आकाश दीप ने 6, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा और रवींद्र जडेजा ने एक-एक विकेट लिए।

भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 587 रन बनाए थे। शुभमन गिल ने 269 रनों की पारी खेली। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 407 रन पर सिमट गई। भारत ने अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 427 रन के स्कोर पर घोषित कर दी। गिल फिर टॉप स्कोरर रहे और 161 रन बनाए।

टेस्ट और वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की खास सूची में शुभमन का नाम

- इस खास क्लब में दुनिया भर से सिर्फ पांच खिलाड़ी शामिल हैं और उनमें से चार भारतीय

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक जमाकर कई बड़ी उपलब्धियां अपने नाम कर लीं। गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाए और वह एसईएनए देशों (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज़ बन गए। इसके अलावा उन्होंने भारत के लिए टेस्ट में बतौर कप्तान सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी का रिकॉर्ड भी तोड़ा। गिल की इस ऐतिहासिक पारी ने उन्हें क्रिकेट के उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल कर दिया है जिन्होंने वनडे और टेस्ट दोनों प्रारूपों में दोहरा शतक जड़ा है। इस खास क्लब में दुनिया भर से सिर्फ पांच खिलाड़ी शामिल हैं और उनमें से चार भारतीय हैं।

शुभमन गिल ने जनवरी 2023 में हैदराबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में 208 रन बनाए थे और वह यह कारनामा करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने थे। अब इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में 269 रन बनाकर उन्होंने साबित कर दिया कि वह हर फॉर्मेट में लंबी पारियां खेलने में सक्षम हैं। इस सूची में भारत के स्टार ओपनर रोहित शर्मा का भी नाम है, जो वनडे क्रिकेट में तीन दोहरे शतक लगाने वाले दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाकर वनडे का सर्वोच्च स्कोर बनाया था। टेस्ट में भी उन्होंने 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 212 रन की बड़ी पारी खेली थी।

क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर इस सूची के खास सदस्य हैं। उन्होंने 2010 में ग्वालियर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे इतिहास का पहला दोहरा शतक जमाया था। उनकी 200* रन की पारी ने वनडे बल्लेबाजी को नई ऊंचाई दी। टेस्ट में उनके नाम छह दोहरे शतक दर्ज हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 241* और बांग्लादेश के खिलाफ 248* रनों की पारियां यादगार मानी जाती हैं। वहीं वीरेंद्र सहवाग भी इस लिस्ट में शामिल हैं। उन्होंने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 219 रन की विस्फोटक वनडे पारी खेली थी। टेस्ट क्रिकेट में सहवाग के नाम दो ट्रिपल सेंचुरी हैं पाकिस्तान के खिलाफ 309 और साउथ अफ्रीका के खिलाफ 319 रन, इसके अलावा भी उन्होंने कई बार टेस्ट में दोहरा शतक जमाया है।

इस सूची में चाथा नाम रोहित शर्मा का हैं वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी रोहित के नाम है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 2014 में 264 रन बनाए थे। वनडे में उनके नाम सबसे अधिक तीन डबल सेंचुरी है। वहीं टेस्ट में उन्होंने यह कमाल एक ही बार किया है जब 2019 में पारी का आगाज करते हुए साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 212 रन बनाए थे।

इस खास क्लब में एकमात्र विदेशी खिलाड़ी वेस्टइंडीज के क्रिस गेल हैं। उन्होंने 2015 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ 215 रन बनाए थे और वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले पहले गैर-भारतीय बने थे। टेस्ट में उनके नाम भी दो ट्रिपल सेंचुरी हैं साउथ अफ्रीका के खिलाफ 317 और श्रीलंका के खिलाफ 333 रन। शुभमन गिल की इस शानदार उपलब्धि ने भारतीय क्रिकेट में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ दिया है और उन्हें आधुनिक क्रिकेट के महान बल्लेबाज़ों की कतार में लाकर खड़ा कर दिया है।

यशस्वी अपने दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मिले, बल्ला उपहार में दिया

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड दौरे में अपनी शानदार बल्लेबाजी के साथ ही अपने एक और काम से सभी का दिल जीता है। यशस्वी ने अपने एक दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मुलाकता कर उसे अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला भी उपहार में दिया है। ये बच्चा यशस्वी का बड़ा प्रशंसक होने के साथ ही उसके मिलना चाहता थ।

रवि नाम के इस बच्चे ने पहले टेस्ट के दौरान भी यशस्वी से मिलने का प्रयास किया था पर वह तब वह नहीं मिल पाया था। वहीं यहां के एजबेस्टन मैदान पर तब उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब उसकी ये इच्छा पूरी हो गई। खेल के प्रति रवि के जुनून और उसके प्रति प्रेम से यशस्वी भी भावुक हो गये और उन्होंने इस बच्चे को अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला उपहार में दिया, जिस पर संदेश लिखा था, 'रवि को प्यार के साथ शुभकामनाएं। इसका एक विडियो भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर जारी किया है। इसमें यशस्वी ने रवि से कहा, 'हैलो रवि, आप कैसे हैं? मैं यशस्वी हूं, आपसे मिलकर खुशी हुई। मैं आपसे मिलने के लिए वास्तव में उत्साहित था क्योंकि मुझे पता है कि आप क्रिकेट के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। साथ ही कहा, 'मेरे पास आपके लिए एक उपहार है मेरा बल्ला। मैं चाहूंगा कि आप इसे मेरी याद के रूप में रखें। आपसे मिलकर वास्तव में बहुत अच्छा लगा। इस पर रवि ने कहा, 'आपसे मिलकर मुझे भी बहुत खुशी हुई। बहुत-बहुत धन्यवाद। आप शानदार क्रिकेटर है। आप भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं। मुझे आपकी बल्लेबाजी देखना पसंद है। यशस्वी ने बेहद कम समय के अंदर ही भारतीय टीम में अपनी जगह बनायी है।

शुभमन का शॉट रोकने के प्रयास में टकराये रुट और क्रॉली

बर्मिंघम। भारतीय टेस्ट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल आजकल छाये हुए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ अब अब दो टेस्ट मैच में ही शुभमन ने 500 से ज्यादा रन बना दिए हैं। दूसरे टेस्ट में शुभमन ने पहली पारी में 269 जबकि दूसरी पारी में 161 रन बनाये। इस दैरान शुभमन का एक शॉट रोकने के प्रयास में मेजबान टीम के दो खिलाड़ी आपस में टकराते-टकराते बचे।

शुभमन की बल्लेबाजी से मेजबान टीम पर पड़ने वाले दबाव का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दूसरे टेस्ट में जो रूट और जैक क्रॉली एक रोकने के प्रयास में टकरा गये।

शुभकन ने पहली पारी में शतक लगाने के बाद दूसरी पारी में दोहरा शतक लबाया। शुभमन इंग्लैंड में दोहरा शतक बनाने वाले पहले भारतीय कप्तान हैं। वहीं सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड) के खिलाफ शतक लगाने वाले वह पहले एशियाई कप्तान हैं। रुट और क्रॉली 118वें ओवर में तब टकरा गये जब जोश टंग की गेंद पर शुभमन ने काफी अच्छा शॉट लगाया था। इस दौरान बाउंड्री को रोकने के प्रयास में रूट और क्रॉली दोनों टकरा गए पर राहत की बात ये रही कि कोई भी चोटिल नहीं हुआ। इस दौरान मेजबान टीम के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने भारतीय टीम के युवा कप्तान की जमकर सराहना की।

मुझे जिम्मेदारी और चुनौती स्वीकार करना अच्छा लगता - सिराज

बर्मिंघम। हैदराबाद एक्सप्रेस के नाम से मशहूर मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में अपने करियर की एक और यादगार पारी खेली। उन्होंने तीसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी में 70 रन देकर 6 विकेट झटके और टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सिराज ने इस कामयाबी को 'अविश्वसनीय' बताया और कहा कि वह लंबे समय से ऐसे प्रदर्शन का इंतजार कर रहे थे। इस टेस्ट में सिराज भारतीय पेस अटैक के लीडर हैं क्योंकि जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है। उनके साथ आकाशदीप और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे अपेक्षाकृत नए तेज गेंदबाज खेल रहे हैं। सिराज ने कहा कि जब आपको आक्रमण का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी जाती है, तो मेरा लक्ष्य सिर्फ सही दिशा में अनुशासन के साथ गेंदबाजी करना होता है। विकेट बहुत धीमी थी, इसलिए मेरी योजना रन रोकने और दबाव बनाने की थी। सिराज ने मैच के तीसरे दिन शुरुआत में ही इंग्लैंड की आधी टीम को 84 रन पर पवेलियन लौटा दिया। हालांकि, इसके बाद जेमी स्मिथ (नाबाद 184) और हैरी ब्रूक (158) ने 303 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड की वापसी कराई। फिर भी, सिराज ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट कर भारत को 587 के जवाब में इंग्लैंड को 407 पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। सिराज ने अपने अनुभव और धैर्य पर भी बात की। उन्होंने कहा मुझे जिम्मेदारी पसंद है और चुनौती स्वीकार करना अच्छा लगता है। टीम में मेरे साथी गेंदबाजों के पास बहुत ज्यादा अनुभव नहीं है। यह आकाशदीप का तीसरा या चौथा मैच है और प्रसिद्ध कृष्णा के लिए भी ऐसा ही है, इसलिए मुझे गेंदबाजी में निरंतरता बनाए रखनी थी और बल्लेबाजों पर दबाव डालना था। पिछली बार सिराज ने 6 विकेट जनवरी 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में लिए थे। इसके बाद 548 दिन बाद उन्हें एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट मिले। सिराज ने माना कि पिछले कुछ समय में वह अच्छी गेंदबाजी तो कर रहे थे लेकिन विकेट नहीं मिल रहे थे। इस बार वह 'फ्रेश' रहने के लिए रूम में भी अलग से समय निकालकर ध्यान केन्द्रित कर पाए। टीम इंडिया के लिए यह जीत की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है। बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज ने जिस तरह गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी उठाई, उसे देखकर साफ है कि 'हैदराबाद एक्सप्रेस' सही समय पर पटरी पर लौट आई है।

रोहित और कोहली की वनडे वापसी पर लगा ब्रेक, फैंस को करना होगा इंतजार

भारत-बांग्लादेश क्रिकेट सीरीज 2025 टली

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल बांग्लादेश दौरे पर नहीं जाएगी। भारत और बांग्लादेश के बीच अगस्त 2025 में प्रस्तावित सीमित ओवरों की सीरीज अब फिलहाल स्थगित कर दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को जानकारी दी कि दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड की आपसी सहमति से यह निर्णय लिया गया है। नई सीरीज अब सितंबर 2026 तक के लिए टाल दी गई है। इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाने थे।

सीरीज टलने से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उस वापसी का भी इंतजार करना पड़ेगा जिसका वे लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे रोहित शर्मा और विराट कोहली की वनडे क्रिकेट में वापसी। दोनों दिग्गज खिलाड़ी पहले ही टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ यह सीरीज उनके लिए एक तरह से वनडे क्रिकेट में पुन: दस्तक देने का मंच मानी जा रही थी। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा कि यह निर्णय दोनों टीमों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम और मौजूदा शेड्यूल की व्यस्तता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी पुष्टि की है कि वह सितंबर 2026 में भारत की मेजबानी को लेकर उत्साहित है। इस सीरीज की नई तारीखों की घोषणा आने वाले महीनों में की जाएगी। गौरतलब है कि भारत और बांग्लादेश के बीच यह सीरीज 17 अगस्त 2025 से शुरू होनी थी। तय कार्यक्रम के अनुसार टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे के समापन के बाद सीधे बांग्लादेश रवाना होना था, लेकिन अब उस योजना पर विराम लग गया है। फिलहाल भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है, जो 4 अगस्त को समाप्त होगी। सीरीज स्थगित होने से रोहित और विराट के प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है। विराट कोहली ने अपना आखिरी वनडे मार्च 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था और अब तक वे 302 वनडे मैचों में 14181 रन बना चुके हैं, जिसमें 51 शतक और 74 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं रोहित शर्मा ने 273 वनडे मैचों में 11168 रन बनाए हैं और उन्होंने भी अपना अंतिम वनडे न्यूजीलैंड के खिलाफ ही मार्च 2025 में खेला था।

शुभमन ने बनाया रिकॉर्ड, कोहली ने स्टार लड़का करार दिया

बर्मिंघम। भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट की दूसरी पारी में भी शतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। शुभमन ने पहली पारी में दोहरा शतक लगाया था जबकि दूसरे पारी में उन्होंने 161 रन बनाए। ये साल 1990 में लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ इंग्लैंड के ग्राहम गूच के 456 रनों के बाद एक मैच में किसी बल्लेबाज का बनाया सबसे अधिक स्कोर है। गूच ने तब पहली पारी में 333 जबकि दूसरी पारी में 123 रन बनाये थे।शुभमन ने दोनों पारियों में मिलाकर कुल 430 रन बनाए हैं। वहीं पहले टेस्ट में भी शुभमन ने शतक लगाया था। इस प्रकार दो मैचों में ही शुभमन ने कुल मिलाकर 585 रन बनाये हैं। एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में शुभमन गिल ने पहली पारी में दोहरा शतक लगाया और फिर दूसरी पारी में 161 रन बनाए। शुभमन की इस प्रकार की बल्लेबाजी की पूर्व कप्तान विराट कोहली सहित कई दिग्गजों ने सराहना की है।कोहली ने शुभमन गिल को स्टार लड़का करार दिया। शुभमन के प्रदर्शन की टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भी प्रशंसा की है। विराट ने लिखा, बहुत बढ़िया खेले 'स्टार बॉय'। इतिहास में नाम लिखवाना शानदार है। यहां से आगे बढ़ते हुए आप यह सब पाने के अधिकारी हैं। वहीं युवराज ने कहा, एक और पारी और फिर से शतक। बहुत बढ़िया कप्तान। वहीं सूर्यकुमार ने कहा, अरे भाई अभी कल या परसो ही तो स्टोरी डाली थी। शानदार। शमी ने कहा, एक बार फिर से बधाई शुभमन। शुभमन ने पांच मैचों की सीरीज की चौथी पारी में कुल 500 से ज्यादा रन बनाते हुए इंग्लैंड दौरे का अपना लगातार दूसरा और तीसरा शतक लगाया है। इस क्रिकेटर ने 162 गेंद में 13 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 161 रन बनाए। उन्होंने मैच की पहली पारी में 269 रन बनाए थे जिससे वह महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर के बाद टेस्ट में दोहरा शतक बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए।

अब एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाना चाहते हैं वैभव

लंदन। इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 क्रिकेट के चौथे एकदिवसीय में शानदार शतक लगाने वाले वैभव सूर्यवंशी का कहना है कि अब उनका लक्ष्य दोहरा शतक लगाना है। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय में वैभव ने 143 रन बनाये थे। वैभव ने कहा कि उसके पास और अधिक रन बनाने का अवसर था, पर एक खराब शॉट की वजह से ये अवसर उनके हाथ से निकल गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने वैभव सूर्यवंशी का एक वीडियो भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है जिसमें वह अपने सबसे कम उम्र के शतक लगाने के रिकार्ड की बात कर रहे हैं। इस उभरते हुए बल्लेबाज ने कहा, मुझे पता नहीं था कि मैंने रिकॉर्ड बनाया है, हमारे टीम मैनेजर ने मुझे ये बात बतायी। वैभव ने कहा कि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल से ही उन्हें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली है। शुभमन ने जब एजबेस्टन टेस्ट में दोहरा शतक लगाया था तो वैभव वहां स्टेडियम में थे। इसी को लेकर वैभव ने कहा, मैं उनसे प्रेरित हूं उन्होंने 100 और 200 बनाने के बाद भी रन बनाने का प्रयास जारी रखा और टीम को आगे बढ़ाया।

शुभमन की पारी देखने के बाद वैभव ने कहा कि वह भी 143 रनों की पारी को आगे बढ़ा सकते थे। तब 20 ओवर बचे थे पर एक शॉट वह ठीक से नहीं खेल पाये जिसका उन्हें नुकसान हुआ है। साथ ही कहा, अगले मैच में मेरा प्रयास 200 रन बनाने के साथ ही पूरे 50 ओवर खेलना रहेगा जिससे टीम को लाभ मिले। अपनी 143 रनों की पारी के साथ ही वैभव यूवा क्रिकेट में शतकीय पारी खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इस दौरान उन्होंने सरफराज खान का 12 साल पुराना रिकार्ड तोड़ दिया। सरफराज ने 2013 में दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 के खिलाफ 15 साल और 338 दिन की उम्र में शतक लगाया था।

गिल, जायसवाल और पंत पर होगा अब दारोमदार- माइकल वॉन

लंदन । कोहली, रोहित के बाद भारतीय टेस्ट टीम को आगे ले जाने की जिम्मेदारी अब शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत को उठानी पड़ेगी। यह मानना है इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का। विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर वॉन ने कहा कि कोहली ने अपने समय में अकेले यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई। अब यह युवा खिलाड़ियों के पास बड़ा मौका है कि वे उस विरासत को आगे बढ़ाएं। वॉन ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज़ में देखा जाए तो कोहली और रोहित की गैरमौजूदगी के बावजूद भारतीय बल्लेबाजी क्रम अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उनके मुताबिक गिल, जायसवाल और पंत ने मिलकर एक अच्छा समूह बनाया है जो जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार दिखता है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों के पास भारतीय टेस्ट क्रिकेट को वही ऊर्जा और जुनून देने का मौका है जो कोहली ने दिया था। वॉन ने कहा कि कोहली ने टीम में न सिर्फ बल्लेबाजी बल्कि आक्रामक सोच और रणनीतिक समझ भी दी, जो भारतीय टीम को लंबे समय तक शीर्ष पर बनाए रखने में मददगार रही। उन्होंने कहा कि अगर गिल, जायसवाल और पंत इस मानक के करीब भी पहुंच सके तो यह भारतीय टीम के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। वॉन ने माना कि भारत जैसी प्रतिभा-समृद्ध टीम के पास हमेशा विकल्प रहते हैं लेकिन कोहली जैसा करिश्माई और प्रेरक खिलाड़ी बार-बार नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि दो बड़े खिलाड़ियों के अचानक टीम से बाहर होने के बाद तुरंत आगे बढ़ पाना आसान नहीं होता, लेकिन शुभमन गिल ने बतौर कप्तान और बल्लेबाज काफी परिपक्वता दिखाई है और उनके नेतृत्व में टीम को बल्लेबाजी में कोई बड़ी कमी नहीं दिखती।

वॉन ने यह भी कहा कि भारत की टेस्ट टीम में इतनी गहराई और प्रतिस्पर्धा है कि यह टीम भविष्य में भी दबदबा कायम रख सकती है। उन्होंने हालांकि यह भी जोड़ा कि टीम को ज्यादा निरंतरता दिखानी होगी ताकि वह लंबे समय तक शीर्ष पर बनी रहे। वॉन ने चयन को लेकर कुछ सवाल भी उठाए और कहा कि वह जसप्रीत बुमराह को दूसरे टेस्ट में न खिलाने और कुलदीप यादव को बाहर रखने के फैसले से हैरान हैं। उन्होंने कहा कि सात दिन का ब्रेक मिलने के बावजूद बुमराह को बाहर रखना और कुलदीप जैसे उपयोगी स्पिनर को नजरअंदाज करना समझ से परे है।

वर्ल्ड बैंक लेटेस्ट रिपोर्ट- गिनी इंडेक्स में सामने आई जानकारी...

भारत दुनिया का चौथा सबसे समान समाज वाला देश बना

देश में गरीबी की दर 16.2 से घटकर 2.3 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली। भारत दुनिया का चौथा सबसे समान समाज वाला देश बन गया है। इसका मतलब यह है कि देश में जो भी डेवलपमेंट हो रहा है उसका फायदा मैक्सिमम लोगों तक पहुंच रहा है। वर्ल्ड बैंक लेटेस्ट रिपोर्ट गिनी इंडेक्स में यह जानकारी सामने आई है। इस लिस्ट में भारत 167 देशों से ऊपर और स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस से नीचे है। रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया के उन देशों में चौथे नंबर पर है, जहां आमदनी का बंटवारा सबसे बराबर तरीके से होता है। इसका मतलब है कि भारत में अमीर और गरीब के बीच की आर्थिक खाई पहले की तुलना में कम हुई है।

भारत का गिनी इंडेक्स 25.5 है, ये दिखाता है कि देश में आर्थिक असमानता कम है। ये स्कोर स्लोवाक रिपब्लिक, स्लोवेनिया और बेलारूस के बाद आता है। लेकिन चीन (35.7), अमेरिका (41.8) और जी7 और जी20 देशों से बेहतर है। यहां बता दें की गिनी इंडेक्स एक तरह का इक्वालिटी मेजरमेंट है, जो ये बताता है कि किसी देश में आमदनी या दौलत कितनी बराबरी से बंटी हुई है। इसका स्कोर 0 से 100 तक होता है। 0 का मतलब है कि सबके पास बिल्कुल बराबर आमदनी है और 100 का मतलब है कि सारी आमदनी केवल एक व्यक्ति के पास है। भारत का स्कोर 25.5 है, जो मध्यम रूप से कम असमानता की श्रेणी में आता है। 2011 में ये 28.8 था, यानी हाल के सालों में भारत ने बराबरी की दिशा में काफी तरक्की की है।

सरकारी योजनाओं से बदली स्थिति

भारत ने ये काम कई सरकारी योजनाओं और नीतियों की मदद से किया है। उदाहरण के लिए-प्रधानमंत्री जन धन योजना से 55 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले गए, जिससे गरीबों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा गया। 142 करोड़ से ज्यादा लोगों को आधार के माध्यम से डिजिटल पहचान दी गई, जिससे सरकारी मदद सीधे उनके खातों में पहुंचती है। इससे 3.48 लाख करोड़ रुपए की बचत हुई। आयुष्मान भारत योजना ने 41 करोड़ से ज्यादा परिवारों को 5 लाख रुपए तक का हेल्थ कवर दिया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। स्टैंड-अप इंडिया और पीएम विश्वकर्मा योजना से एससी-एसटी और महिलाओं को बिजनेस के लिए लोन और ट्रेनिंग दी जा रही है। इन स्कीम्स के सही इम्प्लिमेंटेशन के कारण 2011 से 2023 के बीच 17.1 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए और देश में गरीबी की दर 16.2 प्रतिशत से घटकर 2.3 प्रतिशत हो गई।

अब ज्यादा लोग आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति में

रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब ज्यादा लोग आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति में हैं। पहले की तुलना में ज्यादा परिवारों को खाना, हेल्थ सर्विसेज, बैंकिंग और नौकरी के मौके मिल रहे हैं। इस डेटा से पता चलता है कि भारत की आर्थिक तरक्की का फायदा केवल अमीरों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर तबके को मिल रहा है। ये एक तरह से भारत का मॉडल है, जो दुनिया के लिए मिसाल बन सकता है कि आर्थिक विकास और सामाजिक बराबरी एक साथ चल सकते हैं।

अभी भी कुछ इलाकों में असमानता

भारत जैसे बड़े और डायवर्सिटी वाले देश में अभी भी कुछ इलाकों और समुदायों में असमानता बनी हुई है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच या अलग-अलग राज्यों में अभी भी काफी आर्थिक अंतर देखने को मिलता है। लेकिन वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट दिखाती है कि भारत सही दिशा में बढ़ रहा है। वर्ल्ड बैंक की 2025 की रिपोर्ट और भारत के सामाजिक कल्याण मंत्रालय की ओर से दिए गए डेटा के आधार पर बनाती है। हालांकि, गिनी इंडेक्स केवल आमदनी का बंटवारा दिखाता है और सामाजिक असमानता के दूसरे पहलू जैसे- शिक्षा या स्वास्थ्य तक पहुंच, इसमें पूरी तरह शामिल नहीं होते।

ड्रग मनी लॉन्ड्रिंग मामला मजीठिया को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

चंडीगढ़। पंजाब में बिक्रम सिंह मजीठिया मामले में शनिवार को मोहाली की विशेष कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री मजीठिया को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह फैसला 11 दिन के पुलिस रिमांड के बाद आया है, जो 540 करोड़ रुपए की कथित ड्रग मनी लॉन्ड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति के मामले में सुनाया गया था।

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो का आरोप है कि मजीठिया ने ड्रग कारोबार से अर्जित रकम को वैध संपत्ति में बदला। शिमला में 400 हेक्टेयर जमीन की बेनामी संपत्ति की भी जांच चल रही है। 29 मोबाइल, 4 लैपटॉप, 2 आईपैड, कई डायरियां और 500 करोड़ से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए हैं। सराया इंडस्ट्रीज से जुड़े लेनदेन में 161 करोड़ नकद और 141 करोड़ विदेशी निवेश की अनियमितता बताई गई है।

विजिलेंस ने मजीठिया का रिमांड बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन मजीठिया के वकीलों ने इसका विरोध किया। वकीलों ने कहा कि कोई नया सबूत नहीं है और यह राजनीतिक द्वेष का मामला है। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मजीठिया ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में अपनी गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताते हुए याचिका दायर की है। याचिका में इसे राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताया गया है। इस याचिका पर 4 जुलाई को सुनवाई हुई थी, लेकिन अंतिम फैसला अभी लंबित है। बता दें मजीठिया को 25 जून को अमृतसर स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया था। 2021 के ड्रग तस्करी मामले में वे 2022 में 5 महीने जेल में रह चुके हैं और अगस्त 2022 में जमानत पर रिहा हुए थे। यह नई गिरफ्तारी प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत हुई। एसएडी प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने इसे आप सरकार की साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को मोहाली आने से रोका गया। दूसरी ओर विजिलेंस ने बताया कि पूर्व डीजीपी सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय और ईडी के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर निरंजन सिंह के बयान जांच में अहम हैं।

आप विधायक की गिरफ्तारी को केजरीवाल ने बताया राजनीतिक बदला

नई दिल्ली। गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक चैतर वसावा की गिरफ्तारी को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। केजरीवाल ने इस गिरफ्तारी को भाजपा द्वारा उनके विधायक के खिलाफ राजनीतिक दबाव के तहत की गई साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि यह कदम भाजपा के भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले वसावा का बदला लेने के लिए उठाया गया है। अरविंद केजरीवाल के साथ गुजरात प्रभारी गोपाल राय, सहप्रभारी दुर्गेश पाठक और प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने भी गिरफ्तारी की निंदा की।

चुनाव आयोग के आदेश से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया होगी प्रभावित

टीएमसी सांसद महुआ ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट संशोधन को लेकर सियासत शुरू हो गई है। इस मुद्दे पर अब तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने इसे संविधान का उल्लंघन और लोकतंत्र के खिलाफ साजिश करार दिया है। मोइत्रा ने अपनी जनहित याचिका में चुनाव आयोग के 24 जून 2025 को जारी आदेश पर सवाल उठाए हैं, जिसमें बिहार में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण किया जाना प्रस्तावित है।

उन्होंने याचिका में कहा कि यह आदेश समानता का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रताका उल्लंघन करता है। इससे लाखों नागरिकों के मताधिकार पर संकट आ सकता है और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की प्रक्रिया प्रभावित होगी। चुनाव आयोग के इस फैसले पर सिर्फ टीएमसी ही नहीं, बल्कि राजद, कांग्रेस और वामपंथी दलों ने भी नाराजगी जताई है। इनका आरोप है कि मतदाता सूची में संशोधन के जरिए चुनाव पूर्व राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश कर रहा है। बता दें चुनाव आयोग ने अपने आदेश में कहा है कि यह कदम मतदाता सूची की शुद्धता तय करने के लिए उठाया गया है। आयोग का कहना है कि इसका उद्देश्य नए वोटर्स को जोड़ना और डुप्लिकेट व फर्जी नाम हटाना है। मोइत्रा की याचिका के बाद इस मामले में अब एक संवैधानिक बहस छेड़ दी है- क्या चुनाव से ठीक पहले वोटर सूची में बड़े बदलाव की इजाजत दी जा सकती है? क्या यह राजनीतिक रूप से प्रेरित फैसला है या लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए जरूरी सुधार? सुप्रीम कोर्ट इस याचिका पर जल्द सुनवाई कर सकता है, क्योंकि यह चुनाव पूर्व प्रक्रिया और मताधिकार के संरक्षण से जुड़ा है।

अब सुप्रीम कोर्ट में भी ओबीसी को मिलेगा आरक्षण

नई दिल्ली। सरकारी नौकरियों और आईआईटी-आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में आरक्षण मिलने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने भी इस दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। कोर्ट ने ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को आरक्षण देने का निर्णय लिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट ने अपने गैर-न्यायिक कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग, पूर्व सैनिकों और स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों के साथ-साथ ओबीसी को भी आरक्षण का लाभ देने की अधिसूचना जारी कर दी है। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन लंबे समय से सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण की मांग कर रहे थे। उन्होंने इसे 'ऐतिहासिक सुधार' करार दिया। उन्होंने कहा कि यह संशोधन अब सुप्रीम कोर्ट की भर्तियों को राष्ट्रीय स्तर पर लागू आरक्षण मानकों के अनुरूप लाएगा।

इस बदलाव के तहत सुप्रीम कोर्ट ऑफिसर्स एंड सर्वेंट्स (कंडीशन्स ऑफ सर्विस एंड कंडक्ट) रूल्स, 1961 के नियम 4ए में संशोधन किया गया है। यह संशोधन संविधान के अनुच्छेद 146(2) के तहत मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों का प्रयोग करते हुए किया गया है। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि इन सभी श्रेणियों को केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों और अधिसूचनाओं के अनुसार आरक्षण मिलेगा, जैसा कि उन पदों के लिए निर्धारित वेतनमान के अनुरूप होता है।

यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक बदलावनहीं, बल्कि न्यायिक व्यवस्था में समावेशिता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह कदम उस ऐतिहासिक फैसले के 33 साल बाद उठाया है, जब 1992 में इंदिरा साहनी बनाम भारत सरकार मामले में नौ-न्यायाधीशों की पीठ ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने को संवैधानिक रूप से वैध ठहराया था। बावजूद इसके, सुप्रीम कोर्ट की आंतरिक भर्तियों में अब तक ओबीसी वर्ग को आरक्षण का लाभ नहीं दिया गया था। वहीं पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सरकार में मानव संसाधन विकास मंत्री रहे अर्जुन सिंह ने उच्च शिक्षण संस्थानों में ओबीसी वर्ग को भी आरक्षण का रास्ता साफ किया था। इतना ही नहीं, मुख्य न्यायाधीश गवई ने एससी और एसटी वर्ग के लिए एक स्पष्ट रोस्टर प्रणाली लागू करने की पहल भी की है, जो आरके सबरवाल बनाम हरियाणा राज्य (1995) मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुझाए गए 200-पॉइंट रोस्टर सिस्टम के अनुरूप है। यह प्रणाली सुनिश्चित करेगी कि सामान्य और आरक्षित वर्गों के बीच न्यायोचित संतुलन बना रहे। देश के इतिहास में यह पहली बार है जब सुप्रीम कोर्ट के आंतरिक नियमों में इस प्रकार का व्यापक सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने वाला संशोधन किया गया है।

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन ने चलाया रिश्वतखोर रैकेट, सीबीआई जांच में हुआ खुलासा

फर्जी कॉलेजों को मान्यता, घूसखोरी और दस्तावेज लीक मामला

नई दिल्ली। मेडिकल और फार्मेसी शिक्षा की पवित्रता पर बड़ा सवाल उठाते हुए, सीबीआई ने एक बड़े भ्रष्टाचार घोटाले का भंडाफोड़ किया है, जिसमें फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) के मौजूदा चेयरमैन डॉ. मोंटू कुमार पटेल प्रमुख आरोपी के तौर पर सामने आए हैं। आरोप है कि चेयमैन पटेल ने फर्जी फार्मेसी कॉलेजों को रिश्वत लेकर मान्यता देने, निरीक्षण की तारीख और टीम की जानकारी पहले ही कॉलेजों को लीक करने जैसे गंभीर कृत्य किए।

इस मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में कहा गया है कि एक संगठित नेटवर्क ने निजी मेडिकल व फार्मेसी कॉलेजों को फायदा पहुंचाने के लिए निरीक्षण की गोपनीय सूचनाएं लीक कीं। कॉलेजों को नकली डॉक्यूमेंट्स, फर्जी फैकल्टी, झूठे मरीज डेटा जुटाने का मौका दिया। बायोमेट्रिक सिस्टम में हेरफेर, और निरीक्षकों को रिश्वत दी गई। इस साजिश में सरकारी अफसर, बिचौलिये, निजी कॉलेज के प्रमुख और शिक्षा निकायों के शीर्ष अधिकारी शामिल थे। जबकि फार्मेसी काउंसिल के चेयरमैन इस रैकेट को चला रहे थे, जिन्हें मुख्य आरोपी बनाते हुए मामला दर्ज कर लिया गया है।

एफआईआर में हैं ये बड़े नाम

सीबीआई की इस जांच में जिन लोगों के नाम सामने आए हैं, उनमें डॉ. मोंटू पटेल, चेयरमैन, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, डीपी सिंह, चांसलर, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज और पूर्व अध्यक्ष, यूजीसी, सुरेश सिंह भदौरिया, चेयरमैन, इंडेक्स मेडिकल कॉलेज, इंदौर और मयूर रावल, रजिस्ट्रार, गीतांजलि यूनिवर्सिटी, उदयपुर प्रमुख हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय की शिकायत पर कार्रवाई

सीबीआई को यह मामला केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव की शिकायत के बाद सौंपा गया था। प्रारंभिक जांच (पीई) में मिले सबूतों के आधार पर डॉ. पटेल के खिलाफ आपराधिक साजिश, भ्रष्टाचार और पद का दुरुपयोग करने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया गया।

पीसीआई की विश्वसनीयता पर सवाल

डॉ. मोंटू पटेल, जो खुद फार्मेसी शिक्षा के हितैषी और निगरानीकर्ता माने जाते हैं, पर लगे इन आरोपों ने पीसीआई की साख को गहरा झटका दिया है। यह वही संस्था है जो भारत में फार्मेसी कॉलेजों को मान्यता देने और उनकी गुणवत्ता की निगरानी का कार्य करती है।

243 करोड़ से बना रामसेतु एलिवेटेड ब्रिज धंसा, लोगों ने उठाए सवाल

कोर्ट में याचिका दायर, 15 से ज्यादा वकील मामले में करेंगे पैरवी

अजमेर। अजमेर में 243 करोड़ की लागत से बने रामसेतु एलिवेटेड ब्रिज को लेकर विवाद बढ़ गया है। इस रामसेतु ब्रिज की जमीन धंसने की घटना के बाद शनिवार को दो प्रतिवादियों की ओर से कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। याचिका में ठेकेदार, निर्माण कंपनी और अधिकारियों के खिलाफ जांच की मांग की गई है। इस मामले में 15 से ज्यादा वकील कोर्ट में पैरवी करेंगे और इसकी सुनवाई सोमवार को होना है।

प्रतिवादी ने बताया कि 3 जुलाई को रामसेतु ब्रिज की सड़क का हिस्सा धंस गया, जिससे आम लोगों में दहशत है। यह ब्रिज पहले एलिवेटेड रोड के नाम से जाना जाता था, जिसे बाद में रामसेतु ब्रिज के नाम से जाना जाने लगा। प्रतिवादी ने बताया कि एक जागरूक नागरिक होने के नाते उन्होंने कोर्ट का रुख किया ताकि दोषियों की पहचान हो और भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

याचिका में कोर्ट से मांग की गई है कि निर्माण में प्रयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता की जांच की जाए। तय समय पर कार्य पूरा न होने की जांच और ठेकेदार पर लगी पेनल्टी माफी की भी जांच हो। जिम्मेदार अधिकारियों से नुकसान की वसूली की जाए। जब तक ब्रिज की सुरक्षा की पुष्टि नहीं हो जाती, तब तक इसे बंद रखने की मांग की गई है।

एक वकील ने बताया कि ब्रिज का निर्माण कार्य तीन साल पहले पूरा हुआ था, लेकिन शुरुआत से ही इसकी गुणवत्ता और जरूरत पर सवाल उठते रहे हैं। निर्माण कार्य के दौरान देरी और लागत में बढ़ोतरी को लेकर राजनीतिक विरोध भी सामने आया था।

उन्होंने कहा कि ठेकेदार को समय पर ब्रिज न पूरा करने पर पेनल्टी लगी थी, जिसे बाद में अज्ञात कारणों से माफ कर दिया गया।

चिराग पासवान लड़ेंगे विधानसभा चुनाव, बोले- बिहार की 243 सीटों पर उतरेगी पार्टी

छपरा,। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को बड़ा राजनीतिक ऐलान करते हुए कहा कि वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और उनकी पार्टी राज्य की 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार मैदान में उतारेगी।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित 'नव संकल्प महासभा' को संबोधित कर रहे थे। यहां पर चिराग ने कहा कि बिहार के विकास और युवाओं की उम्मीदों को पूरा करने के लिए वह सीधे मैदान में उतरना चाहते हैं। उनके इस ऐलान को एनडीए में खिंचाव के रूप में देखा जा रहा है, जिससे बीजेपी और जेडीयू की रणनीति पर असर पड़ सकता है।

विरोधियों पर साधा निशाना

चिराग ने कहा, कि मेरे

विरोधी मेरी राह में रोड़े अटकाना चाहते हैं, लेकिन मैं बिहार के हित में चुनाव लड़ूंगा और जनता की आवाज बनूंगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि पार्टी अब सिर्फ सहयोगी भूमिका नहीं निभाएगी, बल्कि पूरे राज्य में अपने दम पर लड़ाई लड़ेगी।

खेमका हत्याकांड पर उठाए सवाल

राजधानी पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या पर चिराग ने चिंता जताई। उन्होंने कहा, कि यह घटना उस सरकार में हो रही है जिसकी पहचान सुशासन की है और मैं खुद उस सरकार का हिस्सा हूं। यह सवालों से भागने का वक्त नहीं है। चिराग ने सरकार और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी तय करने की बात कहते हुए पूछा कि क्या प्रशासन ने पीड़ित परिवार को सुरक्षा दी थी? उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी सरकार की होती है, चाहे घटना पटना में हो या किसी दूरस्थ गांव में।

एनडीए के लिए नई चुनौती?

हालांकि चिराग पासवान अभी एनडीए का हिस्सा हैं, लेकिन उनकी पार्टी द्वारा 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा को बीजेपी-जेडीयू गठबंधन के लिए खतरे की घंटी माना जा रहा है। जानकारों का मानना है कि अगर लोजपा (रामविलास) अकेले दम पर सभी सीटों पर उतरेगी, तो इससे वोटों का बंटवारा होगा और महागठबंधन को फायदा मिल सकता है।

दलाई लामा के जन्मदिन पर पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा- वो प्यार, करुणा और धैर्य का प्रतीक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा आज 90 साल के होने पर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। मोदी ने दलाई लामा को 'प्यार, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासन'का प्रतीक बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की। पीएम मोदी ने कहा कि 1.4 अरब भारतीयों की तरफ से वो दलाई लामा को शुभकामनाएं देते हैं।

दलाई लामा का जन्मदिन भारत में भी बड़े धूमधाम से मनाया गया। रविवार सुबह हिमाचल प्रदेश के शिमला के पास स्थित डोरजिडक मठ में तिब्बती बौद्ध भिक्षुओं ने उनके लिए विशेष प्रार्थना की। इससे एक दिन पहले धर्मशाला में एक बड़ा कार्यक्रम हुआ, जिसमें बीजेपी नेता विजय जॉली और जेडीयू

नेता राजीव रंजन (ललन) सिंह सहित कई प्रमुख भारतीय नेताओं ने हिस्सा लिया। धर्मशाला में ही दलाई लामा का मुख्य निवास भी है। दलाई लामा को पूरी दुनिया में शांति, सहनशीलता और मानवता का प्रतीक माना जाता है। वो धर्म, जाति और राजनीति से ऊपर उठकर मानवता की बात करते हैं। भारत में रहते हुए भी उन्होंने कभी चीन विरोधी राजनीति नहीं की, बल्कि हमेशा संवाद और शांति का रास्ता अपनाने की अपील की है। उनका मानना है कि दुनिया में सबसे ज्यादा जरूरत प्यार, करुणा और धैर्य की है। यही वजह है कि उनका सम्मान हर धर्म और देश में होता है।

बचपन में पहचानी दलाई लामा की महानता

दलाई लामा का असली नाम तेनजिन ग्यात्सो है। उनका जन्म छह जुलाई 1935 को तिब्बत के ताक्सर गांव में हुआ था। महज दो साल की उम्र में ही उन्हें तिब्बत के 13वें दलाई लामा का पुनर्जन्म माना गया। इसके बाद 1939 में उन्हें ल्हासा लाया गया और 22 फरवरी 1940 को उन्हें तिब्बत के सर्वोच्च नेता के रूप में स्थापित किया गया। छह साल की उम्र में उन्होंने बौद्ध शिक्षा ग्रहण करनी शुरू कर दी थी।

टेक्सास में तबाही का सैलाब!

नई दिल्ली। अमेरिका के दक्षिण मध्य क्षेत्र में स्थित टेक्सास राज्य केर काउंटी में भारी बारिश की वजह से आई फ्लैश फ्लड की वजह से हाहाकार मचा दिया है। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 51 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं दर्जनों लोग घायल शामिल हैं, जिनमें कैंप के ली गईं 27 बच्चियां भी शामिल हैं। बड़े स्तर पर प्रशासन द्वारा लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा अभी लापता लोगों की संख्या जारी नहीं की गई है।

फ्लैश फ्लड की वजह से केर काउंटी में सैकड़ों पेड़ उखड़ गए, गाड़ियां पलट गईं और कई इमारत को भी नुकसान पहुंचा है। चारों ओर कीचड़ ही कीचड़ दिख रहा है। रेस्क्यू में शामिल दलों को कीचड़ से भरे इलाकों में लगातार तलाश कर रहे हैं।

8 मीटर ऊंची लहरों में बह गए घर और गाड़ियां

भारी बारिश की वजह से ग्वाडलूप नदी में उफान आ गया। नदी का जलस्तर लगभग 26 फीट तक बढ़ गया, जिससे कई वाहन और घर बह गए। मौसम अभी शांत होता नहीं दिख रहा है। बारिश अभी भी जारी है। सैन एंटोनियो के आसपास के इलाकों में फ्लैश फ्लड जैसे हालात बने हुए हैं।

हेलीकॉप्टर और ड्रोन से राहत अभियान

रेस्क्यू अभियान में हेलीकॉप्टर, ड्रोन और नावों का इस्तेमाल कर लापता लोगों का पता लगाया जा रहा है। लोगों को पेड़ों और छोटे टापुओं से भी बचाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, अब तक 850 से ज्यादा लापता लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

निपाह वायरस के नए मामले सामने आने से 425 प्रभावित लोग निगरानी में

तिरुवनंतपुरम। केरल में निपाह वायरस के नए मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सैकड़ों लोगों को निगरानी में रखा है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि सबसे ज्यादा 228 लोग मलप्पुरम जिले में, 110 पलक्कड़ में और 87 कोझिकोड में निगरानी में रखे गए हैं। एक व्यक्ति का टेस्ट नेगेटिव आया है। स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है और प्रभावित क्षेत्रों में रोकथाम के उपाय तेज कर दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक मलप्पुरम में वायरस के सोर्स का पता लगाने और इसके प्रसार को रोकने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। मक्कारापरंबा, कुरुवा, कूट्टिलंगाडी और मंकदा पंचायतों के 20 वार्डों में 65 टीमों ने 1655 घरों में जांच की। पलक्कड़ में एक व्यक्ति को आइसोलेशन में रखा गया है और 61 स्वास्थ्यकर्मी संपर्क में हैं।

अज्ञात चोरों ने जेवरात सहित 22 लाख रुपए की कर ली चोरी

सोते रहा घर में पूरा परिवार, बिना दरवाजा और ताला तोड़े ही चोरों ने चोरी का नया पैटर्न अपनाते हुये की चोरी, घटना वार्ड क्रमांक 4 के बालाजी नगर की

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कोसमी के वार्ड क्रमांक 4 बालाजी नगर में एक व्यवसायी के घर से नगद और जेवरात सहित 22 लाख रुपए की अज्ञात चोरो ने चोरी कर ली है। इस चोरी में अज्ञात चोरों द्वारा घर में बिना किसी ताले और दरवाजे को तोड़े ही यह घटना को अंजाम दिया गया है। जबकि चोरी की रात्रि पूरा परिवार घर पर ही सो रहा था। बावजूद चोरों ने चोरी का नया तरीका अपनाते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इस पूरे विषय पर ग्रामीण पुलिस को जानकारी लगते ही पुलिस द्वारा घटना स्थल पर पहुंचकर चोरी की घटना को जांच में लिया गया है, साथ ही घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को भी पुलिस देख रही है। मिली जानकारी अनुसार ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कोसमी के वार्ड क्रमांक 4 बालाजी नगर के व्यवसायी पंकज शर्मा के घर में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना को कारित किया गया है। जबकि अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की इस घटना को नए तरीके से कारित करते हुये चोरी की गई है। जिसमें चोरों द्वारा घर में किसी भी दरवाजे और ताले को बिना तोड़े ही चोरी की गई है। जबकि चोरी की घटना के समय पूरा परिवार घर पर ही सो रहा था। उसके बावजूद अज्ञात चोरों द्वारा घर की एक खिड़की से

लकड़ी के डंडे को बांधते हुए, पहले दरवाजा खोला गया, उसके बाद उन्होंने घर में रखे जेवरात सहित कैश को निकाल कर ले गए। इस पूरी घटना को लेकर व्यवसायी पंकज शर्मा बताते हैं कि वह 5 जुलाई को अपने बेटे को छोड़ने नागपुर गए हुए थे और रात्रि 11ः00 बजे वह अपने घर पहुंच चुके थे। थकान होने के कारण उनका पूरा परिवार रात्रि में गहरी नींद में सो रहा था। अज्ञात चोरों द्वारा उनके घर में घुसकर कमरे में रखे सोने, चांदी के जेवरात लगभग 20 लाख रुपए के साथ ही 2 लाख रूपये कैश चोरी कर लिये। जैसे ही वह सुबह उठकर देखे तो उनके घर का दरवाजा खुला हुआ था और घर की खिड़की पर एक डंडा बंधा हुआ था और कमरे में सामान अस्त-व्यस्त फैला था, जिसके बाद उन्होंने घर पर देखा तब उन्हें पता चला कि उनके घर पर चोरी हो गई है। इसकी सूचना उन्होंने ग्रामीण थाना नवेगांव की पुलिस को दिया। चोरी की सूचना लगते ही नवेगांव पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। यहां उन्होंने आजू-बाजू लगे सीसीटीवी कैमरे को देखना शुरू कर दिया है। चोरी के विषय को लेकर हमारे द्वारा ग्रामीण थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह बैस से दूरभाष पर संपर्क किया गया पर उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। पुलिस सूत्रों की माने तो इस चोरी की घटना में पुलिस अलग-अलग ग्राम पंचायत में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है और संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर रही है।

मकान की दीवार गिराने की, कि गई रिपोर्ट थाने से वापस लेने का विवाद

एक ही परिवार के दो पक्ष आपस में भिड़े

एक व्यक्ति और उसकी दो बेटी गम्भीर रूप से घायल-जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सावरी में एक ही परिवार के दो पक्ष आपस में भिड़ गए और चले लाठी डंडे में एक पक्ष के एक व्यक्ति और वह उसकी दो बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए। 6 जुलाई को सुबह 9 बजे यह वारदात खैरलांजी पुलिस थाना में पूर्व में की गई रिपोर्ट वापस लेने के विवाद को लेकर हुई। लाठी डंडे के वार से घायल महेंद्र पिता झनकलाल ठकरेले 45 वर्ष उनकी दो बेटी जिम श्रुति पिता महेंद्र कुमार ठकरेले 17 वर्ष और प्रिया पिता महेंद्र कुमार ठकरेले 16 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस इस वारदात में अन्य पक्ष को बीच बचाव के दौरान चोटे आई है। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में तुलसीदास ठकरेले एवंउसके भाई धरमदास ठकरेले दोनों सगे भाई के विरुद्ध मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेंद्र ठकरेले अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं जिनके परिवार में पत्नी सरिता ठकरेले और चार बेटियां हैं। जिनमे दो बेटियां बालाघाट में रहकर पढ़ाई करती है जबकि दो बेटी श्रुति ठकरेले और प्रिया ठकरेले गांव में ही पढ़ाई करती हैं। महेंद्र ठकरेले के मकान समीप उसके चाचा स्व.ब्रजलाल ठकरेले के लड़के तुलसीदास ठकरेले और धरमदास ठकरेले अपने परिवार के साथ रहते हैं और दोनों भाई खेती किसानी करते हैं। बताया गया है कि दोनों परिवार के बीच मकान की दीवार को लेकर विवाद चल रहा था। इस विवाद के चलते 17 जून को तुलसीदास ठकरेले ने महेंद्र ठकरेले के मकान की दीवार गिरा दी थी।जिसकी रिपोर्ट महेंद्र ठकरेले ने पुलिस थाना खैरलांजी में की थी। महेंद्र ठकरेले द्वारा की गई रिपोर्ट को लेकर और भी मामला गरमा गया था और तुलसीदास ठकरेले अपने भाई धरमदास ठकरेले के साथ मिलकर महेंद्र कुमार ठकरेले पर उसके द्वारा खैरलांजी पुलिस थाना में की गई रिपोर्ट को वापस लेने के लिए दबाव डलवाने लगे थे। किंतु महेंद्र ठकरेले रिपोर्ट वापस नहीं ले रहा था। दोनों भाई द्वारा रिपोर्ट वापस लेने दिए जा रहे दबावऔर किये जा रहे विवाद की शिकायत महेंद्र ठकरेले ने खैरलांजी पुलिस थाना में 3 बार की थी।किंतु इस शिकायत पर कोई सुनवाई नही हुई। 6 जुलाई को सुबह 9 बजे जब महेंद्र ठकरेले अपने परिवार के साथ घर में था। तभी तुलसीदास ठकरेले अपने भाई धरमदास ठकरेले के साथ बांस के डंडा लेकर महेंद्र ठकरेले के घर के सामने आए और दोनों भाई, महेंद्र ठकरेले पर उसके द्वारा खैरलांजी पुलिस थाने में की गई रिपोर्ट वापस लेने के लिए दबाव बनाने लगे। महेंद्र ठकरेले ने दोनों भाई को बोला कि तुमने मेरे घर की दीवाल गिराये हो, और उसने रिपोर्ट वापस लेने से मना कर दिया। महेंद्र ठकरेले द्वारा रिपोर्ट वापस लेने मना करने पर तुलसीदास ठकरेले और उसका भाई धरमदास ठकरेले आवेश में आगये और दोनों महेंद्र ठकरेले को अश्लील गालियां देने लगे। महेंद्र ठकरेले ने उन्हें गालियां देने से मना किया तभी धरमदास ठकरेले, ले महेंद्र ठकरेले को हाथ बुक्के से मारपीट करने लगा। तुलसीदास ठकरेले ने हाथ में पकड़े बांस का डंडा महेंद्र ठकरेले के सिर में वार कर दिया। इस घटना को देख महेंद्र ठकरेले की पत्नी सरिता ठकरेले बेटी श्रुति ठकरेल और प्रिया ठकरेले बीच बचाव करने आई तो धरमदास ठकरेले और तुलसीदास ठकरेले ने सरिता ठकरेले उसकी दोनों बेटियों को बांस के डंडे और हाथबुक्के से मारपीट कर दिये। इस दौरान तुलसीदास ठकरेले और धरमदास ठकरेले ने महेंद्र ठकरेले को रिपोर्ट वापस नहीं लेने पर उसे और उसकी पत्नी और दोनों बेटी को जान से खत्म करने की धमकी दे दी। तुलसीदास ठकरेले और उसके भाई धरमदास ठकरेले द्वारा हाथ बुक्के और डंडे से की गई मारपीट में महेंद्र कुमार ठकरेले और उसकी बेटी श्रुति ठकरेले बांस के डंडे से सिर फट गया वहीं प्रिया ठकरेले का दाहिने हाथ की कलाई फेक्चर हो गई। और तीनों को अंदरूनी चोंटे भी आई। बीच बचाव के बाद मारपीट में घायल महेंद्र ठकरेले ने अपनी पत्नि सरिता ठकरेले दोनों बेटी श्रुति और प्रिया के साथ रिपोर्ट करने खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचे। खैरलांजी पुलिस ने इस वारदात में अधिक चोट लगने से घायल महेंद्र ठकरेले और उसकी दोनों बेटी श्रुति ठकरेले और प्रिया ठकरेले अस्पताल में भर्ती किये। तीनो का इलाज और मुलाहिजा करवाये। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद तीनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। इस वारदात में महेंद्र ठकरेले की पत्नी सरिता ठकरेले को मामूली चोटे आई। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में महेंद्र कुमार ठकरेले द्वारा की गई रिपोर्ट पर तुलसीदास ठकरेले और उसके भाई धरमदास ठकरेले के विरुद्ध धारा 296,115(2),351(3),3(5),118(1) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। इस वारदात में अन्य पक्ष को भी चोंटे आई है।

सीएमएचओ डा. उपलप ने किया मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक मलाजखंड का निरीक्षण

एक माह से अनुपस्थित डाक्टर को कारण बताओ नोटिस

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप द्वारा मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक मलाजखंड का शनिवार को सघन निरीक्षण किया। चिकित्सा अधिकारी डॉ लोकेश गैडाम विगत एक माह से अनुपस्थित पाए गए, सम्बंधित के विरुद्ध कार्यवाही के कारण बताओ नोटिस जारी किया गया.विजिट के दौरान जिला डीईआईसी प्रबंधक राजाराम चक्रवर्ती भी साथ में थे । विजिट के दौरान पाया गया कि रनर बाय के द्वारा बिना कोल्ड चेन के सेंपल ले जाया जा रहा है।आयुष्मान आरोग्य मंदिर में पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी निधि सिंगरौरे द्वारा रिकार्ड संधारण नहीं किया जा रहा है जिस पर गहरी नाराजगी सीएमएचओ द्वारा व्यक्त की गई सबंधित सीएचओ के विरुद्ध कार्य में घोर लापरवाही पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए.ओपीडी में विगत माह मई-जून का कोई भी डेटा संधारण नहीं है। रिकार्ड ठीक करने तीन दिन का समय दिया गया अन्यथा एक माह का वेतन होल्ड करने के निर्देश दिये गए।

ग्रेसियस कॉलेज ऑफ फार्मेसी
आर.टी.ओ. आफिस के सामने, बरबसपुर रोड, कायदी, जिला - बालाघाट (म.प्र.)
73820-53000, 73820-54000
बी.फार्मा 4 Years Eligibility - 12th(Bio/Maths)
Enroll Now
PCI APPROVED
डी.फार्मा 2 Years Eligibility - 12th(Bio/Maths)
मान्यता एवं संबद्धता
• फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई, नई दिल्ली)
• राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल
• तकनीकी शिक्षा विभाग म.प्र. शासन
SC, ST, OBC वर्ग के विद्यार्थियों को म.प्र. शासन के नियमानुसार छात्रवृत्ति

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

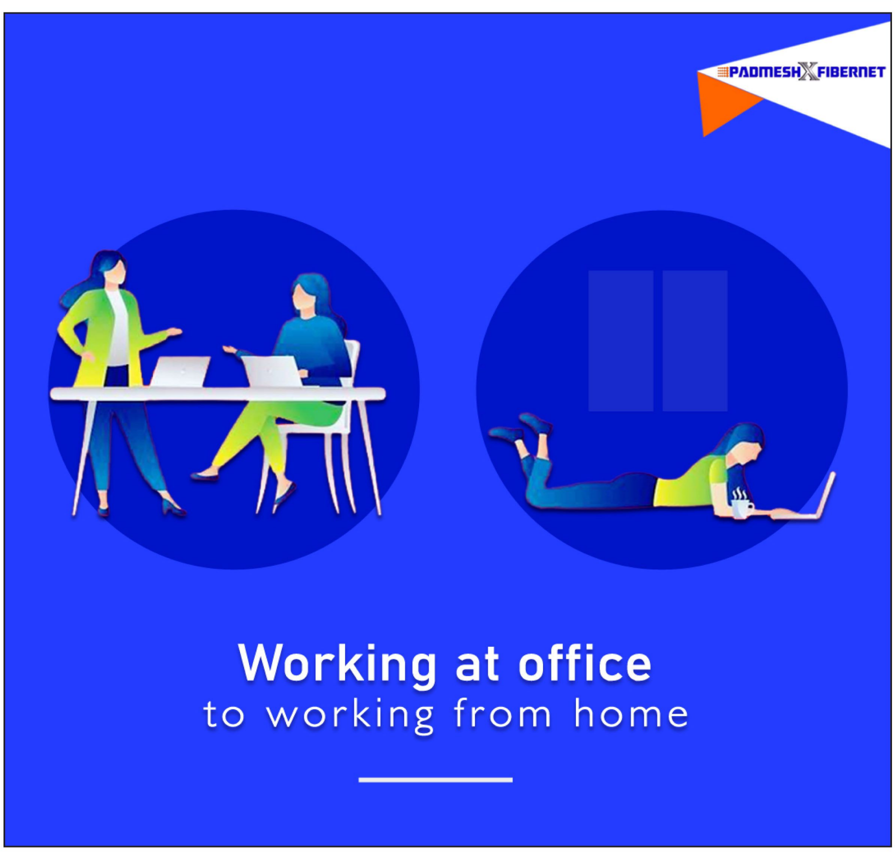

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट